3 राजधानी
फर्जी टाउनशिप को चिन्हित कर करें कार्रवाई

6 अभिमत
कौशल व रोजगार को प्राथमिकता

11 विदेश
नाइजीरिया में प्रदर्शन के दौरान 13 लोग मारे गए

12 स्पोर्ट्स
मनु पूरी कर सकती हैं पदकों की तिकड़ी

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 281
लखनऊ, शनिवार, 3 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

वायनाड की त्रासदी से अलग तरीके से निपटना होगा

राष्ट्रीय-10

कोचिंग सेंटर मौत मामले की सीबीआई करेगी जांच

दिल्ली हाईकोर्ट ने सौंपी, कहा-यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को इस पर संदेह न हो

पीटीआई। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की डूबने से हुई मौत के मामले की जांच शुक्रवार को दिल्ली पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच सीबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपी कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा की जाने वाली जांच की निगरानी के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को कहा। अदालत ने कहा, घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को जांच के संबंध में कोई संदेह न हो, यह अदालत मामले की जांच सीबीआई को सौंपती है। पीठ ने बेसमेंट में पानी भरने से तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा एक वाहन चालक को गिरफ्तार किए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, गनीमत है कि आपने बेसमेंट में घुसने वाले बारिश के पानी का चालान नहीं काटा। वाहन (शेष पेज 9)

नीट-यूजी में शुचिता का उल्लंघन नहीं

शीर्ष अदालत ने कहा, इसलिए परीक्षा रद्द नहीं की गई

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पेपर के आरोपों और परीक्षा में अन्य अनियमितताओं पर बढ़ते विवाद के बावजूद वर्ष 2024 (नीट यूजी 2024) के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा स्नातक परीक्षा को रद्द नहीं करने का विस्तृत कारण बताते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि कोई प्रणालीगत कमी नहीं थी। पेपर लीक केवल पटना और हज़ारीबाग़ तक ही सीमित था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया, इसलिए इस वर्ष की परीक्षा के संबंध में दोबारा परीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी। अपने 63 पन्नों के फैसले में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने कहा कि एनटीए को 'फ्लिप फ्लॉप' से बचना चाहिए, जो इस साल देखा गया क्योंकि यह छात्रों के हित में काम नहीं करता है। इसने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा के लिए गठित पूर्व भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में केंद्र द्वारा नियुक्त पैनल के दायरे का भी विस्तार किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि पैनल का दायरा बढ़ा दिया गया है, इसलिए समिति परीक्षा प्रणाली में कमियों को दूर करने के विभिन्न उपायों पर 30 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

पीठ ने कहा कि राधाकृष्णन पैनल को परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए तकनीकी प्रगति को अपनाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने पर विचार करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विवादों से घिरी नीट-यूजी 24 परीक्षा को रद्द करने से इनकार करने के अपने 23 जुलाई के आदेश के लिए विस्तृत कारण बताए।...वर्तमान में पर्याप्त सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं है जो इंगित करती है अन्य रूपों का एक प्रणालीगत लीक या प्रणालीगत कदाचार। वर्तमान में, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री इस आरोप की पुष्टि नहीं करती है कि व्यापक कदाचार हुआ है जिसने परीक्षा की अखंडता से समझौता किया है। इसके विपरीत, डेटा का आकलन यह दर्शाता है ऐसा कोई विचलन नहीं है जो यह दर्शाता हो कि प्रणालीगत धोखाधड़ी हुई है।

पीठ की ओर से लिखते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस स्तर पर अदालत के समक्ष दी गई जानकारी यह नहीं दिखाती है कि प्रश्न पत्र को (शेष पेज 9)

नीट से पहले चिकित्सा शिक्षा खुला व्यवसाय थीः नड्डा

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

हाल ही में हुए नीट पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने परीक्षा प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि नीट शुरू होने से पहले चिकित्सा शिक्षा एक खुला व्यवसाय बन गई थी और प्रत्येक पीजी सीटें 8 करोड़ रुपये से 13 करोड़ रुपये में बेची गईं। डीएमके के राज्यसभा सदस्य एम. मोहम्मद अब्दुल्ला के एक निजी सदस्य के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान चिंताओं को संबोधित करते हुए, नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा शिक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से निपटने के (शेष पेज 9)

एयर इंडिया ने इजराइल की उड़ानें आठ तक स्थगित की

पीटीआई। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एअर इंडिया ने शुक्रवार को तेल अवीव के लिए उड़ानें आठ अगस्त तक स्थगित करने की घोषणा की। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन राष्ट्रीय राजधानी से इजराइली शहर के लिए सप्ताह में पांच उड़ानें संचालित करती है।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हमने तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को तत्काल प्रभाव से आठ अगस्त 2024 तक स्थगित कर दिया है। एयरलाइन ने यह भी कहा कि वह इस अवधि के दौरान तेल अवीव से आने-जाने के लिए टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को सहायता प्रदान कर रही है तथा यात्रा पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट दे रही है। एअर इंडिया ने बृहस्पतिवार को अपनी तेल अवीव की उड़ान रद्द कर दी थी। इजराइल और हमास सहित विभिन्न समूहों के बीच संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में तनाव के हालात हैं। इस वर्ष की शुरुआत में भी, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण एअर इंडिया ने अलग-अलग समय पर तेल अवीव के लिए उड़ानें कुछ समय के लिए स्थगित कर दी थीं।

आशा किरण में हुई मौतों की जांच के आदेश

एलजी ने मुख्य सचिव को सभी आश्रयगृहों पर श्वेत पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

आशा किरण आश्रय गृह में मानसिक रूप से दिव्यांग कैदियों की मौतों में अचानक वृद्धि के बीच, केवल जुलाई में एक दर्जन से अधिक मौतें हुईं, उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को मुख्य सचिव को सभी आश्रय गृहों के संचालन पर एक श्वेत पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। दिल्ली सरकार तीन सप्ताह में प्रशासक के खिलाफ तुरंत कार्रवाई शुरू करेगी, जबकि मंत्री आतिशी ने राजस्व विभाग को मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

आशा किरण 'मानसिक रूप से दिव्यांगों' के लिए दिल्ली सरकार द्वारा संचालित सुविधा है और इसके समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आती है। राजकुमार आनंद के इस्तीफे के बाद विभाग फिलहाल बिना मुखिया के है। फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किसी भी मंत्री को विभाग का प्रभार (शेष पेज 9)

वायनाड के 13 गांवों समेत पश्चिम घाट के 56 हजार किमी के लिए मसौदा अधिसूचना जारी

पीटीआई। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड के 13 गांवों समेत छह राज्यों में फैले पश्चिमी घाट के 56,800 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित करने के लिए पांचवीं मसौदा अधिसूचना जारी की है तथा 60 दिन के भीतर सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं। यह अधिसूचना 31 जुलाई को जारी की गई थी।

मसौदा अधिसूचना में केरल के 9,993.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील घोषित करने का प्रस्ताव है, जिसमें भूस्खलन प्रभावित जिले के दो तालुका के 13 गांव शामिल हैं।अधिसूचना में प्रस्तावित ईएसए में गुजरात में 449 वर्ग किमी, महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किमी, गोवा में।,461 वर्ग किमी, कर्नाटक में 20,668 वर्ग किमी, तमिलनाडु में 6,914 वर्ग किमी और केरल में 9,993.7 वर्ग किमी क्षेत्र शामिल है। मसौदा अधिसूचना में रेत खनन समेत सभी तरह की खनन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया गया है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा खदानों को अंतिम अधिसूचना जारी होने की तारीख से पांच वर्षों के भीतर या मौजूदा खनन पट्टे की समाप्ति पर, जो भी पहले हो चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया जाएगा।

दुश्मनों ने गला दबाकर जिंदा गाड़ा, कुत्तों ने बचाई जान

पायनियर समाचार सेवा। आगरा/नई दिल्ली

आगरा में तीस के आसपास की उम्र के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि भूमि विवाद के सिलसिले में चार लोगों ने उसे पीटा, गला घोंटा और जिंदा दफना दिया, लेकिन बाद में आवारा कुत्तों द्वारा जमीन खोदने के बाद चमत्कारिक रूप से वह बच गया। आगरा पुलिस ने कहा कि एक शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 351 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पीड़ित रूप किशोर ने दावा किया कि 18 जुलाई को आगरा के अरटोनी इलाके में अंकित, गौरव, करण और आकाश नाम के चार लोगों ने उन पर हमला किया था। आरोपियों ने उसका भी गला घोंट दिया और फिर उसे मरा समझकर अपने खेत में दफना दिया। किशोर ने दावा किया कि वह इस इसलिए बच गया क्योंकि आवारा कुत्तों ने उस जगह को खोद डाला जहां उसे दफनाया गया था और उसके शरीर को नोंचने लगे, जिससे उसे होश आ गया। उसके बाद, किशोर ने कहा कि वह पास के एक गांव चला गया, जहां स्थानीय लोगों उसे अस्पताल ले गए। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। किशोर की मां के मुताबिक आरोपी उसके बेटे को जबरन घर से ले गए और बेरहमी से मारपीट कर उसका गला घोंट दिया. इसके बाद उन्होंने किशोर को अपने खेत में एक गड्ढे में दफना दिया।

सिकंदरा पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) नीरज शर्मा ने कहा कि चारों आरोपी लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में केस दर्ज कराने वाली रूप की मां रामवती ने कहा, (शेष पेज 9)

मुख्यमंत्री ने दुष्कर्म पीड़िता की मां को दिया भरोसा, बख्शे नहीं जाएंगे दरिंदे

सीएम ने अयोध्या की बच्ची की मां से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ /अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मां को आश्वस्त किया है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा उनपर कठोरतम कार्रवाई होगी। शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। सीएम से मिलने के बाद पीड़िता की मां ने मीडिया को बताया कि उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए उन्होंने सरकार से फांसी की सजा की मांग की है, इसपर मुख्यमंत्री जी ने भी आश्वस्त किया है कि बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बच्ची की मां ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बात को लेकर भी आश्वस्त किया है कि आरोपित सपा नेता मोईन खान की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को पीड़िता की मां से सीएम योगी की मुलाकात के दौरान बीकापुर के विधायक अमित सिंह चौहान भी मौजूद रहे। बता दें कि अयोध्या के पूरा कलंदर थानाक्षेत्र में घटी शर्मनाक घटना में पिछड़ा वर्ग की 12 वर्षीय बच्ची के साथ सपा नेता मोईन खान और उसके नौकर पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप है। आरोपित मोईन खान फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है। एक दिन पहले ही सीएम योगी ने विधानसभा में इस मामले पर बोलते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से आरोपितों को लेकर सॉफ्ट कॉर्नर रखने के लिए सपा नेताओं की कड़े शब्दों में भर्त्सना की थी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पीड़ित बच्ची की मां से मिलने के बाद अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बच्ची के स्वास्थ्य और उसकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंधन किये जाएं। सीएम योगी ने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल (शेष पेज 9)

थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज सस्पेंड, आरोपी सपा नेता के जमीन-जायदाद की पैमाइश शुरू

लखनऊ/ अयोध्या। मदरसा में हुए घिनौने कांड के बाद लखनऊ में दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कुछ ही घंटों के अंदर कार्रवाई शुरू हो गई है। सबसे पहले इस मामले में थानाध्यक्ष पूराकलंदर रतन शर्मा व मदरसा चौकी इंचार्ज अखिलेश गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि जल्द ही और बड़े स्तर पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। नाबालिक बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पीड़िता की मां को सीएम योगी की ओर से मिले भरोसे के बाद शुक्रवार शाम एसडीएम सोहावल राजस्व कर्मियों के साथ आरोपी सपा नेता मोईन खान के घर पहुंचे। आरोपी सपा नेता की जमीनों की पैमाइश शुरू हो गई है।

52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में दी आस्ट्रेलिया को मात

पीटीआई। पेरिस

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पी आर श्रीजेश की अद्भुत गोलकीपिंग के दम पर भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक में आस्ट्रेलिया को हराते हुए आखिरी ग्रुप मैच में इस दिग्गज प्रतिद्वंद्वी पर 3 . 2 से जीत दर्ज की। भारत ने आखिरी बार पुरूष हॉकी में ओलंपिक में आस्ट्रेलिया को 1972 म्युनिख खेलों में हराया था। वहीं सिडनी ओलंपिक 2000 में आस्ट्रेलिया से 2 . 2 से ग्रुप मैच ड्रॉ रहा था। आस्ट्रेलिया ने तोक्यो ओलंपिक 2021 में ग्रुप मैच में भारत पर 7 . । से जीत दर्ज की थी।

तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत के लिए जहां श्रीजेश ने सही मायने में दीवार की तरह काम करते हुए असंख्य गोल बचाए तो हर मैच में गोल करते आए हरमनप्रीत ने उस सिलसिले को बरकरार रखा। वहीं पहली बार ओलंपिक खेल रहे डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह और फॉरवर्ड अभिषेक ने विरोधी के रसूख से विचलित हुए बिना बेखौफ हॉकी खेली। भारत के लिए अभिषेक ने 12वें, हरमनप्रीत ने 13वें और 32वें मिनट में गोल किए। आस्ट्रेलिया के लिए क्रेग थॉमस ने 25वें और ब्लैक गोवर्स ने 55वें मिनट में गोल दागा।

इस जीत से भारतीय हॉकीप्रेमियों के उन जख्मों पर मरहम जरूर लगा होगा जो दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल 2010 के फाइनल में 8 . 0 और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में 7 . 0 से मिली हार के बाद मिले थे। इस मैच से पहले ओलंपिक में भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 मैचों में से सिर्फ तीन (1960 रोम क्वार्टर फाइनल, 1964 तोक्यो सेमीफाइनल और 1972 म्युनिख ग्रुप मैच) मैच जीते थे जबकि आस्ट्रेलिया ने छह जीते और दो ड्रॉ खेले थे। भारतीय टीम पूल चरण में तीन जीत , एक ड्रॉ और एक हार के साथ बेल्जियम के बाद दूसरे स्थान पर रही और क्वार्टर फाइनल में उसका सामना पूल ए की तीसरे नंबर की टीम से होगा। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर से ही काफी आक्रामक खेल दिखाते हुए शुरूआती 15 मिनट में 2 . 0 की बढत बना ली।

पेरिस में ओलंपिक मैच के दौरान जीत दर्ज करने के बाद खुश दिख रहे भारतीय खिलाड़ी, दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया के थामस क्रेग बाएं से तीसरे तथा साथी खिलाड़ी जेक हार्वी के चेहरे साफ झलकती मायूसी।

भारत को पांचवें मिनट में ही गोल करने का मौका मिला जब जरमनप्रीत ने बाएं फ्लैंक से सुखजीत को गेंद सौंपी लेकिन वह उसे पकड़ नहीं पाए। आस्ट्रेलिया को 11वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर जेरेमी हैवर्ड का शॉट बाहर से निकल गया। इसके अगले मिनट भारत ने जवाबी हमला बोला और बेल्जियम के खिलाफ पिछले मैच में गोल करने वाले अभिषेक ने तूफानी शॉट पर गेंद सीधे गोल के भीतर डाल दी। आस्ट्रेलिया के गोलकीपर एंड्रयू चार्टर को समझने का समय ही नहीं मिला।

भारत ने अगले मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के शानदार गोल से बढत दुगुनी कर ली। हरमनप्रीत का पेरिस ओलंपिक में यह पांचवां गोल था। पहले क्वार्टर में भारत 2 . 0 से (शेष पेज 9)

गांवों के ओपन जिम साकार करेंगे 'कैच देम यंग' का सपना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अनुपूरक बजट में भी जिम के लिए किया गया 100 करोड़ का प्रावधान

खेलों में भी उत्तर प्रदेश सिरमौर बने। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की मंशा है। इसके लिए सबसे प्रभावी फॉर्मूला है, 'कैच देम यंग'। मसलन बचपन से होनहार प्रतिभाओं को पहचानकर उनको उसी तरह की बुनियादी सुविधाएं, प्रशिक्षण और एक्सपोजर दिलाना। इसमें गांव गांव में खुलने वाले ओपन जिम की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसीलिए अनुपूरक बजट में भी सरकार में ग्रामीण क्षेत्रों में ओपन जिम खोलने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। ओपन जिम में ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाएं निखरेंगीं वहीं सरकार द्वारा संचालित खेलो इंडिया सेंटर और सभी सुविधाओं से आवासीय स्पोर्ट्स कॉलेज में इंटरनेशनल स्तर के कोच के प्रशिक्षण से इनको और निखारा जाएगा। सरकार एक जिला एक खेल (वन डिस्ट्रिक्स,वन स्पोर्ट्स) पर भी गंभीरता से काम कर रही है।

उल्लेखनीय है कि हर जिले में कुछ खास खेल अपेक्षाकृत अधिक प्रचलित होते हैं। संबंधित जिले में उन खेलों को खास प्रोत्साहन देने और उसी अनुसार बेहतरीन बुनियादी सुविधाएं और प्रशिक्षण देने की भी योजना है। मेरठ में युद्ध स्तर पर बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी योगी सरकार की खेल प्रतिभाओं को निखारने में मील का पत्थर बनेगी। सच तो यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खेलों के प्रति निजी रुचि के कारण पिछले सात वर्षों में खेल जगत का पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। आज प्रदेश में कानपुर , लखनऊ, वाराणसी, गाजियाबाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम हैं। कानपुर और लखनऊ में तो लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच भी होते हैं। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश का एकमात्र स्टेडियम होगा। कुछ दिनों पहले गोरखपुर में भी इंटरनेशनल स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की घोषणा मुख्यमंत्री कर चुके हैं।

युवा खिलाड़ी नामचीन खिलाड़ियों से प्रेरणा ले सकें इसलिए उनका भी सम्मान किया जा रहा है। हाकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यान चंद के नाम से बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के बाद मुख्यमंत्री ने अनुपूरक बजट में बाराबंकी स्थित पद्म श्री बाबू केडी सिंह के बाराबंकी स्थित पैतृक निवास को संग्रहालय घोषित करना भी एक ऐसा ही प्रयास है। इस बाबत सरकार ने अनुपूरक बजट में 19.34 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। गोरखपुर के रामगढ़ झील में नौकायन प्रतियोगिता के लिए पूरी सुविधा मौजूद है। राष्ट्रीय स्तर की एक सफल प्रतियोगिता वहां हो भी चुकी है। खेलो इंडिया के तहत उत्तर प्रदेश इंटर यूनिवर्सिटी गेम, नोएडा में मोटो जीपी के तहत पहली बार इंटरनेशनल बाइक रेस का आयोजन इस बात का सबूत है कि उत्तर प्रदेश में खेल संबंधी सुविधाओं के विस्तार के साथ यहां का पूरा परिदृश्य बदल चुका है। बदलाव की यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इसके नतीजे भी दूरगामी और बहुआयामी होंगे।

मसलन राष्टीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से हास्पिटलिटी और इससे संबंधित सेक्टर्स को लाभ होगा। खेल सामग्री की मांग बढ़ने से संबंधित इंडस्ट्री को भी लाभ होगा। स्थानीय स्तर पर रोजी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। युवाओं में जीत का जज्बा और अनुशासन का बढ़ना बोनस होगा।

यूपी में मनरेगा श्रमिकों के लिए सरकार का खुला खजाना

- केंद्र से 3600 करोड़ से भी ज्यादा धनराशि की गई जारी

सामग्री मद मे भी मिले 1,100 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि मनरेगा श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान शीघ्र ही किया जायेगा, उनके प्रयासों से भारत सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि उत्तर प्रदेश के लिए जारी की गयी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के मजदूरों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों के लिए एक राहत भरी खबर है। इन लोगों के बकाये का अब बहुत जल्द ही भुगतान होगा। सरकार ने उत्तर प्रदेश मनरेगा के लिए अपना खजाना खोल दिया है। श्रमांश, सामग्री और प्रशासनिक मद की बात करें, तो केंद्र सरकार से करीब 3,667 करोड़ से भी ज्यादा की धनराशि जारी कर दी गई है। इसमें श्रमांश की बात करें, तो करीब 2,517 करोड़ रुपए जारी किये गये हैं, सामग्री मद में 1,100 करोड़ की धनराशि जारी कर दी गई है, इसके अलावा प्रशासनिक मद हेतु भी करीब 50.41 करोड़ की धनराशि केंद्र ने जारी की है। जारी धनराशि से बकायेदारी भी दूर होगी। अब बहुत जल्द ही श्रमिकों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों तक यह धनराशि पहुंचेगी।

जारी धनराशि से जहां मजदूरों को उनका श्रमांश मिलेगा, वहीं मनरेगा में निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों को भी उनका बकाया भुगतान किया जा सकेगा। इस धनराशि के मिलने से मनरेगा कार्यों में भी तेजी आएगी। ऐसे में आपूर्तिकर्ता एजेंसियों के साथ-साथ मजदूर भी पूरी ऊर्जा के साथ मनरेगा कार्यों में अपना योगदान देंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार काम कर रही है। श्रमिकों की मजदूरी उनके खाते में समय से पहुंचे, इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। मनरेगा के लिए जारी धनराशि के लिए केंद्र सरकार का भी श्रमिकों की ओर से आभार भी जताया है। आपको बताते चलें कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 26 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक प्रदेश द्वारा 13.50 करोड़ से ज्यादा मानव दिवस सृजित कर लिये गये हैं।

ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना के लिए मांग के अनुरूप केंद्र द्वारा श्रमांश, सामग्री एवं प्रशानिक मद हेतु करीब 3,667 करोड़ ,जिसमें श्रमांश करीब 2,517 करोड़, सामग्री मद में 1,100 करोड़, और प्रशासनिक मद हेतु भी करीब 50.41 करोड़ की धनराशि केंद्र ने निर्गत की है। इस धनराशि से श्रमिकों का बकाया भुगतान किया जा सकेगा। बहुत जल्द ही यह धनराशि श्रमिकों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों तक पहुंचेगी।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि के पावन अवसर पर शुक्रवार को काशी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव जी के ज्योतिर्लिंग का दर्शन-पूजन व जलाभिषेक किया व बाबा विश्वनाथ से समस्त देश व प्रदेशवासियों के सर्वकल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने वाराणसी में काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव के दर्शन व पूजन भी किया। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने उसके बाद वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की और शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़ें विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

एससी, एसटी व ओबीसी के प्रति कांग्रेस-बीजेपी का रवैया नही रहा सुधारवादी: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आरक्षण पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया देते हुए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति में सब कैटेगरी बनाने के फैसले का विरोध किया है। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल पूछा है कि सरकार ने इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को मिलने वाले आरक्षण पर गुरुवार को दिए फैसले में कहा था कि एससी-एसटी की सूची में सब कैटेगरी बनाने को लेकर कोई संवैधानिक रोक नहीं है। शुक्रवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के खासकर करोड़ों दलितों और आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित? आगे उन्होंने लिखा कि देश के एससी, एसटी और ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टियों और सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। वे इनके सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के पक्षधर नहीं वरना इन लोगों के आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालकर इसकी सुरक्षा जरूर की गई होती।

बाढ़ से 1,57, 444 किसानों की फसलें हुई प्रभावित, पोर्टल पर डाटा किया गया फीड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- योगी सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों को जारी कर चुकी है अब तक 150 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि

अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि के साथ ही किसी आपदा में उन्हे होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भी योगी सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश में बाढ़ की वजह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए योगी सरकार ने अब तक 150 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जारी की गई है। यह धनराशि क्षतिग्रस्त फसलों को मुआवजा देने के लिए जिलों की डिमांड पर जारी की गई है। वहीं अब तक सवा लाख से अधिक किसानों को उनकी क्षतिग्रस्त फसलों के लिए 71 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा दिया जा चुका है। इसमें सबसे अधिक लखीमपुर खीरी के 70 हजार से अधिक किसानों को 47 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के बाढ़ग्रस्त इलाकों में लगातार क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय से मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि नेपाल और पहाड़ी क्षेत्रों से छोड़े गये पानी से प्रदेश के 18 जिलों की 82126.50 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। वहीं सर्वे के दौरान वास्तविक क्षतिग्रस्त फसल 29,243.74 हेक्टेयर पायी गयी। बता दें कि सरकार की ओर से बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और बाढ़ से क्षतिग्रस्त 33 प्रतिशत से अधिक फसल के नुकसान पर ही मुआवजा दिया जाता है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से 1,57,444 किसानों की फसल प्रभावित हुई जबकि लेखपाल द्वारा अब तक 1,56,952 किसानों को सहायता धनराशि देने के लिए पोर्टल पर फीड किया जा चुका है। इसके सापेक्ष अब तक 1,25,521 किसानों को 71.01 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चका है। वहीं बचे हुए किसानों की फीडिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। सबसे अधिक लखीमपुर के 88546 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई है। इसके सापेक्ष भुगतान के लिए अब तक 88544 किसानों की फीडिंग पोर्टल पर की जा चुकी है। वहीं 70,691 किसानों को 47 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसी तरह सिद्धार्थनगर 19805 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई है। सभी किसानों की फीडिंग पोर्टल पर की जा चुकी है जबकि 15478 किसानों को 7.70 करोड़ का भुगतान किया जा चुकी है।

लगातार तीसरे दिन मेरठ व बागपत में शिवभक्तों पर हुई पुष्प वर्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/मेरठ/बागपत

योगी सरकार के निर्देश पर लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को मेरठ और बागपत में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की गई। गुरुवार को मेरठ में जहां डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए थे तो वहीं शुक्रवार को श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर मेरठ मंडल की मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे और आईजी नचिकेता झा ने मेरठ में बाबा औघड़नाथ मंदिर और बागपत में पुरा महादेव मंदिर में कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। दोनों अधिकारियों ने पुष्प वर्षा के साथ ही मंदिर परिसर का सर्वेक्षण भी किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होते देख कावंडिये खुशी से झूम उठे और बोल बम बोल बम के नारे लगाने लगे। इससे पूर्व गुरुवार को मेरठ के डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा ने भी मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्टीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की थी।

गरीबों की जमीनें छीनकर उन्हें बेघर करने का षंडयंत्र रच रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार गरीबों की जमीनों को छीनकर उन्हें बेघर करने का षडयंत्र रच रही है। भाजपा सरकार गरीब विरोधी है। समाजवादी पार्टी और समस्त विपक्ष के विरोध के बाद भी सत्ता के अहंकार में चूर भाजपा सरकार नजूल जमीन विधेयक बीजेपी के कुछ लोगों के फायदे के लिए लायी है। ये लोग अपने आसपास की गरीब जनता की जमीने हड़पना चाहते हैं। सात साल से सरकार में रहकर बजट की लूट करने के बाद भी सश्रा में बैठे लोगों का पेट नहीं भरा है। अब ये नया कानून बनाकर जमीनें लूटना चाहते है।

अखिलेश यादव ने कहा कि नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से 'घर उजाड़ने' का फ़ैसला है क्योंकि बुलडोज़र हर घर पर नहीं चल सकता है। भाजपा घर-परिवार वालों के ख़िलाफ है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी ख़ुशी मानती है। जबसे भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोज़गार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। कुछ लोगों के पास दो जगह का विकल्प है, पर हर एक उनके जैसा नहीं है। बसे बसाये घर उजाड़कर भाजपा वालों को क्या मिलेगा। क्या भू-माफ़ियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अखिलेश यादव ने कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फ़ैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है। समाजवादी पार्टी की यही मांग है कि अमानवीय 'नजूल ज़मीन बिल' हमेशा के लिए वापस हो। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ये बिल अपने निजी फायदे के लिए लाकर गरीबों की जमीनें हड़पना चाहते है। इस बिल का जनहित और विकास से कोई वास्ता नहीं है। गोरखपुर में नजूल के अन्तर्गत आने वाली बेशकीमती जमीनों पर सीएम की नज़र है। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी जी ने सोचा कि सत्ता का फायदा उठाकर उन जमीनों पर कब्जाकर लिया जाए इसलिए ये बिल लाया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की पहले गोरखपुर, अयोध्या फिर लखनऊ और धीरे-धीरे पूरे यूपी की बेशकीमती नजूल भूमि पर कुदृष्टि है और गरीब जनता पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। ये जमीनें जनता से छीन कर बिल्डर्स, उद्योगपतियों को देने की साजिश है चूंकि लेकिन तमाम भाजपाई दिग्गजों की कोठियां, मकान, प्रतिष्ठान, बंगले भी नजूल में आ रहे हैं इसीलिए भाजपा के अंदर भी उसका विरोध हो रहा है।

भाजपा की सरकार उत्तर प्रदेश की जनता के लिए मुसीबत बन गयी है। इसका सत्ता में रहना जनता के लिए हर दिन दुखदायी है। भाजपा सरकार प्रदेश की जनता को सुकून से नहीं रहने देना चाहती है। भाजपा की गलत नीतियों से महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त जनता के सामने हर दिन भाजपा सरकार नए-नए संकट पैदा करके पेरशानी में डाल रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सफाये से ही जनता की परेशानियों और संकटों से निजात मिलेगी।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज को आज 55 करोड़ रुपए की सौगात देंगे सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज को 55 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों और सुविधाओं की सौगात देंगे। मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में दोपहर बाद 3.30 बजे से प्रस्तावित कार्यक्रम में सीएम योगी कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ ही जनहित में विभिन्न नई सुविधाओं का शुभारंभ करेंगे। लोकार्पण, शिलान्यास और सुविधाओं के शुभारंभ समारोह के मंच से मुख्यमंत्री स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण के तहत एमबीबीएस और पैरामेडिकल छात्रों को 483 टैबलेट-स्मार्टफोन का वितरण भी करेंगे।

बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों जिन प्रमुख सुविधाओं का शुभारंभ होगा उनमें 7 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन और 11.25 लाख रुपये की लागत वाली लिथोट्रिप्सी मशीन का लोकार्पण प्रमुख है। इसके अलावा सीएम जेनेटिक मेडिसिन और पीडियाट्रिक्स आर्थोपेडिक्स ओपीडी तथा मिल्क बैंक का भी शुभारंभ करेंगे।

मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री द्वारा माइक्रोबायोलॉजी विभाग में सैम्पल कलेक्शन सेन्टर की स्थापना, पैथालॉजी विभाग में फुली आटोमेटिक टिशु प्रोसेसर, फुली आटोमेटिक यूरिन एनालाइजर, 5 पार्ट सिमेक्स सीबीसी एनलाइजर तथा न्यू एडवांस टेक्नोलॉजी का हारमोन ट्यूमर मेकर डिडक्शन की एलाइनिटी मशीन की स्थापना का शुभारम्भ और आईएचसी पैनल के रेंज की वृद्धि कार्य का शुभारम्भ किया जाएगा। साथ ही वह फार्मेसी कालेज के विस्तार निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। इस पर 8 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत आई है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मै रोमेशा तारिक (RUMESHA TARIQ) मेरे पासपोर्ट में मेरी माता का नाम UZMA PARVEEN के स्थान पर UZMA RASHID लिख गया है जबकि सही नाम UZMA PARVEEN W/O TARIQ RASHID है। अतः भविष्य में सभी स्थानो पर UZMA PARVEEN ही पढ़ा लिखा जाये। निवासी 150 फिट रोड नॉर्दन टेनरी जाजमऊ कानपुर

सूचना

मै सैन्य सं –22050437L रैंक सिपाही नाम विद्युत विकास मोहन, मेरी माता का नाम गलती से मेरे सर्विस दस्तावेज में गलती से मामोनी मोहन है जबकि ठीक नाम मामी मोहन है।

सूचना

मेरे भवन संख्या 443 E.W.S (D/S) भूतल योजना– नौबस्ता, कानपुर नगर का मूल आवंटन पत्र दिनांकित 29/12/1988 व कब्जा प्रमाण पत्र एवं भवन संख्या 444 E.W.S. ब्लॉक (D/S) प्रथम तल, योजना– नौबस्ता, कानपुर नगर मूल आवंटन पत्र खो गया है, जिसका किसी प्रकार से प्रयोग अवैध एवं शून्य होगा। वर्तमान में उक्त दोनो भवन मेरे द्वारा श्री सुधीर कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद को विक्रय किये जा चुके है। पूर्व मकान मालिक –सुरेश चन्द्र गुप्ता पुत्र स्व. छोटे लाल।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
दबावग्रस्त आस्ति प्रबन्धन शाखा
प्रथम तल, मुख्य शाखा भवन, हजरतगंज,
लखनऊ–226001 फोन नं. 0522–2288988

सार्वजनिक सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत दिनांक 10.08.2020, 13.01.2023 तथा 01.02.2024 को जारी डिमांड नोटिस एवं धारा 13(4) के अंतर्गत दिनांक 03.06.2023 को जारी कब्जा नोटिस को कुछ तकनीकी कारणों से वापस लिया जाता है।
उधारकर्ता– मेसर्स नूर हुसैन
हम भविष्य में डिमांड नोटिस एवं कब्जा नोटिस को पुनः जारी करेंगे।

दिनांक –01.08.2024
स्थान – लखनऊ
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन बैंक

Karnataka Bank Ltd.
Your Family Bank. Across India.

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
प्लॉट नं. 8-बी, प्रथम तल, राजेंद्र पार्क,
पूसा रोड
नई दिल्ली – 110060

फोनः 011-40591567 (एक्स. 240)
ईमेलः delhiarm@kbank.com
वेबसाइटः www.karnatakabank.com
सीआईएनः L85110KA1924PLC001128

अचल सम्पत्ति की बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री नोटिस, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधान के साथ पठित

आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को यह सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, जिसका सांकेतिक कब्जा कर्नाटक बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी, सुरक्षित लेनदार द्वारा 14.07.2021 को लिया गया है, उसके उधारकर्ता/गारंटर/सह–ओब्लिगेंट (1) श्रीमती पुष्पा गुप्ता पत्नी श्री भोला गुप्ता (2) भोला गुप्ता पुत्र श्री बैजनाथ गुप्ता (3) श्रीमती सोनम गुप्ता पत्नी भैया लाल गुप्ता (4) श्री भैया लाल गुप्ता पुत्र श्री भोला गुप्ता सभी (1), (2), (3) और (4) निवासीः एसए 2/261 बी, पांडेपुर वाराणसी – 221002 (उत्तर प्रदेश) से सुरक्षित लेनदार कर्नाटक बैंक लिमिटेड, वाराणसी शाखा, प्लॉट नं. 37/164, प्रथम तल, स्पाइस केसीएम कॉम्प्लेक्स, बारादेव गोदौलिया वाराणसी–221001, उत्तर प्रदेश, की बकाया राशि रु. 19,32,381.16 (रु. उन्नीस लाख बत्तीस हजार तीन सौ इक्यासी और पैसे सोलह मात्र) अर्थात पीएस टर्म लोन खाता सं 7997001800006601 के तहत दिनांक 02.08.2021 से भविष्य के ब्याज के साथ, प्लस लागत इत्यादि सहित की वसूली हेतु "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 22.08.2024 को बेचा जाएगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

रिहायशी सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका क्षेत्रफल 63.25 वर्ग मी. एसएम प्लॉट नं. 103 में से, उस पर निर्मागित भवन, मौज़ा कोदोपुर, परगना, रामनगर, तहसील और जिला वाराणसी में स्थित, श्रीमती पुष्पा गुप्ता से संबंधित, चौहद्दीः पूरब में – ठाकुर प्रसाद का बगीचा पश्चिम में – 6'0" चौड़ा कच्चा रास्ता टी/ए जफर खान का मकान, उत्तर में – मुन्ना और अन्य का मकान, दक्षिण में – शाहजादी और अन्य का मकान
आरक्षित मूल्य/अपसेट मूल्य जिसके नीचे संपत्ति नहीं बेची जा सकतीः रु. 27,00,00,000/– (रु. सत्ताईस लाख मात्र)
जमा/निविदा की जाने वाली बयाना राशिः रु. 2,70,000/– (रु. दो लाख सत्तर हजार मात्र)
(उधारकर्ता/बंधककर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो सुरक्षित परिसंपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है।)
(यह नोटिस उधारकर्ता/गारंटर को सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम–2002 के नियम (9) के उपनियम (1) के तहत नोटिस के रूप में भी कार्य करेगा)
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया कर्नाटक बैंक की वेबसाइट अर्थात www.karnatakabank.com में दिए गए लिंक देखें। दिनांक 22.08.2024 को मेगा ई–नीलामी के अंतर्गत
ई–नीलामी 22.08.2024 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक 05 मिनट के असीमित विस्तार के साथ पोर्टल https://bankauctions.in/ के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता को https://bankauctions.in/ पर अपना नाम पंजीकृत करना होगा और उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड निःशुल्क प्राप्त करना होगा और ई–नीलामी (संभवतः 21.08.2024 को) मैसर्स 4क्लोजर, फ्लैट नं.102, प्लॉट नं. 20, अमृता अपार्टमेंट, मोतीनगर, हैदराबाद–500018 संपर्क नं. 040–23836405, मो. 8142000062 ई–मेल: info@bankauctions.in से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।

दिनांकः 02.08.2024
स्थान : वाराणसी
कृते कर्नाटका बैंक लि.
मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मास्टर प्लान तैयार

सरकार 10 सेक्टरों के जरिए साधेगी देश की सबसे बड़े अर्थव्यवस्था वाले राज्य का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अनुपूरक बजट के बाद प्रदेश को इस साल ऐतिहासिक साढ़े सात लाख करोड़ के बजट की सौगात देने के बाद अब योगी सरकार का लक्ष्य अगले चार कुछ साल में सूबे को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में स्थापित करने का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए 'दस का दम' लगाने पर जोर देते हुए विस्तार से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। एक दिन पहले ही सदन में प्रदेश के अनुपूरक बजट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए 10 सेक्टर में कार्य किये जाने की चर्चा की थी। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के बड़े लक्ष्य को साधने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन 10 सेक्टरों पर विशेष जोर देने के निर्देश सभी अधिकारियों को पहले ही दे दिये हैं। बीते फरवरी माह में आयोजित हुए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के जरिए प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश धरातल पर उतरने से योगी सरकार का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए योगी सरकार ने पूरी ताकत झोंकते हुए 10 सेक्टरों को चिह्नित किया है। इसमें प्रदेश के आर्थिक विकास से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों के बीच समन्वय कायम करते हुए कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। जिन 10 सेक्टर पर मुख्यमंत्री ने सबसे अधिक फोकस करने के निर्देश दिये हैं उनमें कानून व्यवस्था, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, नगरीय विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति और राजस्व संग्रह को लेकर अगले तीन साल तक मिशन मोड में कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। इन प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी एक-एक कैबिनेट मंत्री को दी गई है, जिन्हे अपर मुख्य सचिव स्तर के अनुभवी अधिकारी संभालेंगे। मुख्यमंत्री की ओर से निर्देश दिये गये हैं कि प्रत्येक सेक्टर के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं मॉनीटरिंग होगी। योगी सरकार अपना 7 साल का कार्यकाल पूरा कर चुकी है। बीते 7 वर्षों में प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर, कानून व्यवस्था, यातायात कनेक्टिविटी और रोजगार के मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली योगी सरकार ने अब आगामी तीन साल के लिए बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के विशाल लक्ष्य के लिए योगी सरकार के पास बड़ा आधार भी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के रूप में देखा जा सकता है, जोकि बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ रुपए रहा है। जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह 22.58 लाख करोड़ रुपए था। वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। राज्य सरकार के विगत सात वर्षों के नियोजित प्रयासों के परिणामस्वरूप इसमें और वृद्धि की संभावना है। इसके अलावा देश में सबसे उर्वर भूमि, प्रचुर जल संसाधन, युवा आबादी, देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता और श्रम बाजार होने के साथ ही उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है। यही नहीं देश की कुल 12 प्रतिशत कृषि भूमि और खाद्यान उत्पादन में यूपी करीब 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में भारत अगर आज दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो यूपी भारत के ग्रोथ को ड्राइव करने में एक अहम रोल निभाने जा रहा है।

इन 10 सेक्टर पर है फोकस

कानून व्यवस्था, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, नगरीय विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति, राजस्व संग्रह

गोमती नगर में अवैध रो-हाउस व आशियाना में निर्माणाधीन कॉम्पलेक्स सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए द्वारा गोमती नगर विस्तार व आशियाना क्षेत्र में कार्यवाही की गयी। काम्पलेक्सा पर विहित प्राधिकारी द्वारा नोटिस भेजकर सीलिंग की नोटिस दी गयी थी, लेकिन उदासनीता बरतने पर कार्रवाई के आदेश दिए गए। आदेश पर एलडीए प्रवर्तन टीम द्वारा रो.हाउस भवनों व एक निर्माणाधीन व्यावसायिक कॉम्पलेक्स को सील किया गया।

शुक्रवार को एलडीए ने गोमती नगर विस्तार में अवैध रो.हाउस व आशियाना में निर्माणाधीन कॉम्पलेक्स सील किया। प्रवर्तन जोन.1 की जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय ने बताया कि विपिन गर्ग व अन्य द्वारा गोमती नगर विस्तार के छोटा भरवारा में लगभग 500 वर्गमीटर क्षेत्रफ्ल के भूखण्ड पर अवैध रूप से रो.हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में सहायक अभियंता उदयवीर सिंह, अवर अभियंता आशीष श्रीवास्तव व एसके दीक्षित द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त भवनों को सील कर दिया गया। प्रवर्तन जोन.2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि अजय अहूजाए गौतम अहूजा व अन्य द्वारा कानपुर रोड योजना के सेक्टर.आई में भूखण्ड संख्या-ए.855 पर लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफ्ल में व्यावसायिक कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इस निर्माण कार्य के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश दिये गये थे। जिसके अनुपालन में शुक्रवार को सहायक अभियंता अनिल कुमार, अवर अभियंता विपिन बिहारी राय व एसके सिंह द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से निर्माणाधीन बिल्डिंग को सील कर दिया गया।

बसंतकुंज में पीएम योजना के तहत बने आवासों की होगी जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पांच-पांच इंजीनियरों की दो टीमें गठित

एलडीए की ओर से बसंतकुंज में बनाए गए पीएम आवास की जांच होगी। इसके लिए एलडीए सचिव द्वारा पांच-पांच इंजीनियरों की दो टीमें बना दी गयी हैं। इनको मकानों की गुणवत्ताए अधूरे और मानक के विपरीत हुए कामों की जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं, समिति को एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। टीमों को अधूरे कामों को एक सप्ताह में पूरा भी करवाना होगा। हरदोई रोड स्थित बसंतकुंज में पीएम आवास योजना के भवनों की जांच के लिए एलडीए प्रशासन ने टीमें बनाने का निर्णय लिया है। एलडीए सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने हाल ही में पीएम आवास योजना के बसंतकुंज योजना के मकानों का निरीक्षण किया था। उन्हें मकानों में तमाम खामियां मिली थीं। मानक के विपरीत और कुछ काम अधूरा भी मिला था। उन्होंने इसकी रिपोर्ट वीसी व सचिव को भी भेजी थी। वीसी के निर्देश पर अब सचिव विवेक कुमार श्रीवास्तव ने मकानों की जांच के लिए विशेषज्ञ इंजीनियरों की दो टीमें बना दी हैं। पहली टीम में सहायक अभियन्ता अतुल मिश्राए अवर अभियन्ता जितेन्द्र कुमारए रामभूल खलौरिया, राम सागर वर्मा तथा रवि प्रकाश तथा दूसरी टीम में सहायक अभियन्ता अखिलेश कुमार, अवर अभियन्ता लक्ष्मण सिंहए राजेश श्रीवास्तवए शिव कुंवर तथा भरत पाण्डेय शामिल हैं। इन दोनों टीमों को जांच के साथ साथ अधूरे कामों को भी ठेकेदार से पूरा कराने की जिम्मेदारी दी गई है। अधूरे कामों को पूरा करने की रिपोर्ट भी रोजाना सचिव को भेजनी होगी। अधिशासी अभियन्ता अजीत कुमार की निगरानी में सारा काम होगा।

भारतीय हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत पर सीएम ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक में अपने आखिरी ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया। यह ऑस्ट्रेलिया पर भारत की ओलंपिक में 52 साल में पहली विजय है। इस ऐतिहासिक जीत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी भारतीय टीम और देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने भारतीय टीम के विजयरथ के निरंतर जारी रहने की भी कामना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया। 52 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया पर विजय प्राप्त की है। सभी खिलाड़ियों और देश वासियों को हार्दिक बधाई। ये ऐतिहासिक विजय हर भारतीय की है। विजय का यह क्रम ऐसे ही चलता रहे। जय हिंद।' उल्लेखनीय है कि भारतीय हॉकी टीम ने 52 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक गेम्स में हराया है। भारतीय टीम पहले ही पेरिस ओलिंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और इस बड़ी जीत के साथ उसके ओलंपिक में लगातार दूसरी बार पदक जीतने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

विकास में तेजी के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों निवेश हों

● बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में केन्द्रीय बजट 2024-25 पर हुआ पैनल चर्चा का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अर्थशास्त्र विभाग की ओर से केन्द्रीय बजट 2024-25 पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जीआईडीएस लखनऊ के पूर्व निदेशक प्रो. ए. के. सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंच पर आईसीसीएमआरटी, लखनऊ के पूर्व निदेशक प्रो. अजय प्रकाश, लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. मनोज अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग, बीबीएयू के विभागाध्यक्ष एवं आयोजक प्रो. सनातन नायक, प्रो. डी. के यादव एवं डॉ. सुरेंद्र मेहेर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। सर्वप्रथम प्रो. सनातन नायक ने सभी को अतिथियों के परिचय से अवगत कराया एवं पैनल चर्चा का विषय प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. एन.एम.पी वर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि विकास में तेजी लाने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों निवेश किए जाने चाहिए। हालाँकि, सार्वजनिक क्षेत्र का निवेश कम हो गया है, जो चिंता का एक बड़ा कारण है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च वर्तमान बजट में आवंटित राशि से अधिक होना चाहिए था। प्रो. ए. के. सिंह ने बजट को राजनीतिक व आर्थिक नजरिये से समझने की जरूरत पर बल दिया। उनका कहना था कि जीडीपी में वृद्धि को गति देने के लिए निजी उपभोग मांग को बढ़ाना होगा। साथ ही अर्थव्यवस्था में रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने की जरूरत है।

प्रो. अजय प्रकाश ने चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान बजट में बुनियादी ढांचे, निवेश और कल्याण के अलावा रोजगार, कौशल और एमएसएमई पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने मौजूदा बजट के राजस्व और व्यय के आंकड़े भी पेश किये। प्रो. मनोज अग्रवाल ने बताया कि कैसे भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका और चीन जैसे दुनिया के विकसित हिस्सों में धूमिल वृहद आर्थिक परिदृश्यों के संदर्भ में आगे बढ़ रही है।

स्तनपान के लिए जागरूक करें फार्मेसिस्टः सुनील यादव

लखनऊ। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर फार्मेसिस्ट फेडरेशन ने एक लिखित अपील और वीडियो ट्यूटोरियल्स जारी करते हुए सभी फार्मेसिस्टो से अपील की है कि स्तनपान से होने वाले लाभ के बारे में जनता में जन जागरूकता फैलाने के लिए आगे आए। अपील के माध्यम से फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि फार्मेसिस्ट जनता के अत्यंत करीब होता है चाहे वह कम्युनिटी फार्मेसिस्ट हो जो मेडिकल स्टोर पर जनता के सीधे संपर्क में होता है, वही हॉस्पिटल या क्लिनिकल फार्मेसिस्ट भी मरीज के सीधे संपर्क में आकर औषधि वितरण, स्वास्थ्य सुविधाएं देने के साथ साथ उनकी काउंसलिंग भी करते हैं । एकेडमिक फार्मेसिस्ट, वैज्ञानिक फार्मेसिस्ट की भूमिका बौद्धिक होने के कारण और भी बढ़ जाती है। यादव ने कहा है कि इस संबंध में जागरूकता फैलाने हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है, जिसमें स्तनपान के बारे में जागरूकता, प्रचार प्रसार किया जाता है। यादव ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर एस आई एच एफ डब्लू के यूट्यूब चैनल पर शुक्रवार की शाम डॉक्टर के नाम शीर्षक से प्रत्येक शुक्रवार प्रसारित होने वाले लाइव वार्ताओं में एपिसोड 15 में एक वार्ता नवजात शिशु की देखभाल, स्तनपान शीर्षक से सुलभ है।

सामान्य कार्यदिवसों की तरह कल खुले रहेंगे सभी आरटीओ कार्यालयः परिवहन आयुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के समस्त आरटीओ कार्यालय 4 अगस्त, 2024 दिन रविवार को सामान्य कार्य दिवस की भांति प्रवर्तन टीम द्वारा पूरे प्रदेश में स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच हेतु शिविर कैम्प आयोजित किए जायेंगे। उल्लेखनीय है कि विगत माह से स्कूली एवं यात्री वाहनों की फिटनेस जांच हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त चन्द्रभूषण सिंह ने शुक्रवार को समस्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों (प्रशासन/प्रवर्तन) एवं निरीक्षकों को आगामी रविवार को कार्यालय खोलने के संबंध में निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच हेतु शिविर कैम्प लगाने के निर्देश दिये। स्कूली वाहनों के फिटनेस जांच हेतु वाहन स्वामियों को जागरूक करने को कहा है। परिवहन आयुक्त ने कहा कि शिविर कैम्प के अंतर्गत स्कूली वाहनों के फिटनेस जांच हेतु आवश्यक स्लाट की व्यवस्था की जाए। जिससे फिटनेस जांच कराने आने वाले वाहन स्वामियों को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने वाहन स्वामियों से आग्रह किया है कि वे स्वयं भी आरटीओ कार्यालय आकर अपनी-अपनी वाहनों का फिटनेस जांच करायें। सरकार की मंशा है कि किसी भी परिस्थित में अनफिट वाहनों से बच्चों को स्कूल न आना जाना पड़े। अनफिट वाहनों की वजह से बच्चों की जान का खतरा बना रहता है। सुरक्षित यातायात मुहैया कराना सरकार की प्राथमिकता है।

बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की जब्त भूमि को ईडी ने कराया कब्जामुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जौनपुर से सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा पर ईडी का शिकंजा फिर कस गया है। शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने लखनऊ-कानपुर रोड सरोजनीनगर इलाके में बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों रुपए मूल्य की 40 बीघा जमीन को कब्जामुक्त करने के साथ ही उस पर किए गए अस्थाई निर्माण को भी तोड़वा दिया। ईडी की टीम अवैध निर्माण को तोड़ने के लिए बुलडोजर भी साथ लेकर पहुंची थी। इस जमीन को ईडी ने दस वर्ष पूर्व जब्त किया था मगर बाद में इस पर दोबारा कब्जा हो गया। ईडी ने आज फिर से जमीन को जब्त कर दोबारा अपना कब्जा स्थापित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के बोर्ड लगा दिए।

दरअसल, ईडी ने बहुजन समाज पार्टी की सरकार में हुए एनआरएचम घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। इसी सिलसिले में ईडी की टीम कार्रवाई करने पहुंची। इसी केस की जांच के सिलसिले में यह पता चला था कि बाबू सिंह कुशवाहा की लखनऊ में कानपुर रोड पर करोड़ों की जमीन है। दस वर्ष पूर्व ईडी ने कुशवाहा और उनके करीबियों की इस 40 बीघा जमीन को जब्त किया था। इधर ईडी को सूचना मिली कि इस जमीन पर फिर से कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया और फसल भी उपजाने लगे हैं। जिसके बाद शुक्रवार को ईडी के अधिकारी स्थानीय पुलिस और बुलडोजर के साथ यहां पहुंचे और भूमि को कब्जा मुक्त कराया। इस बात की भी पड़ताल की जा रही है कि इस भूमि पर किन लोगों ने अपना कब्जा स्थापित किया था। बता दें कि कुशवाहा एनआरएचम घोटाले में जेल भी जा चुके हैं। कुशवाहा ने राजनीतिक वनवास काटने के बाद लोकसभ चुनावा 2024 में जौनपुर से समाजवादी पार्टी के टिकट पर जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा के कृपाशंकर सिंह को हराया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अभी दो दिन पूर्व ही बाबू सिंह कुशवाहा को लोकसभा में समाजवाटी पार्टी का उपनेता नियुक्त किया है।

फिल्म प्रमोशन को लेकर राजधानी पहुँचे सितारे, एलयू में लगाये ठुमके

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फिल्म स्त्री की सफलता के बाद मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 के आगामी 15 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज़ होने को लेकर शुक्रवार को प्रमोशन के लिए अभिनेता राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पवन सिंह लखनऊ पहुँचे। दिन में लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच पहुँचे सितारों ने ठुमके भी लगाये। इस दौरान पॉवर स्टार के नाम से मशहुर भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह ने छात्रों से भोजपुरी में बात करते हुए फिल्म देखने की अपील की। प्रमोशन के बाद एक निजी होटल में मीडिया से मुखातिब हुए। फिल्म में विक्की का किरदार निभा रहे राजकुमार राव कहते हैं, स्त्री के पहले पार्ट में दीवारों पर ओ स्त्री कल आना लिखा जाता था, सिर्फ इसलिए ताकि स्त्री उसे पढ़कर फिलहाल चली जाए। लेकिन, नए पार्ट में इन दीवारों पर लिखा मिलेगा ओ स्त्री रक्षा करना। यह देखना वाकई मजेदार होगा कि आखिर क्यों नए पार्ट में लोग चाहते हैं कि स्त्री है दिन उनके शहर चंदेरी में आए। विक्की की चोटी वाली गर्लफ्रेंड का किरदार निभा रहीं श्रद्धा कपूर कहती हैं कि इस बार फिल्म में फैंस और दर्शकों को सरकटे का दमदार आतंक देखने को मिलेगा। सरकटे का आतंक कहानी में नया आकर्षण जोड़ने का काम करेगा। फिल्म स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। वहीं दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स ने इसे निर्मित किया है।

अम्बेडकर चौराहे से होटल ताज तक जलभराव की समस्या होगी दूर

लखनऊ। गोमतीनगर के अम्बेडकर चौराहे से होटल ताज तक जलभराव की समस्या दूर करने की कवायद शुरू हो गई है। पीडब्ल्यूडी पूरे क्षेत्र का सर्वे कराकर प्रस्ताव तैयार करेगी, जिससे बारिश में जलनिकासी की उचित व्यवस्था की जा सके। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने वर्ष 2021 में अम्बेडकर चौराहे से ताज होटल तक सड़क पीडब्ल्यूडी को हैंडओवर किया था, जिसके बाद सड़क की मरम्मत और रखरखाव की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग परिवार और दोस्तों संग घूमने और मस्ती करने पहुंचते हैं, लेकिन जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश के दौरान यहां घुटनों तक पानी भर जाता है। इससे वाहन चालकों को काफी दिक्कत होती है। जलभराव के कारण सड़क भी खराब हो जाती है। बुधवार की बारिश के दौरान भी यहां जलभराव के कारण काफी लोग फंस गए। इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने पूरे एरिया का सर्वे कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत ड्रेनेज सिस्टम, नाला निर्माण समेत अन्य पहलुओं को देखा जाएगा।

हॉस्टल में मूलभूत सुविधाओं को लेकर नर्सिंग छात्रों ने दिया धरना

लखनऊ। हॉस्टल में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर शुक्रवार को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के नर्सिंग संवर्ग की छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को धरना दिया। धरने के दौरान छात्राएं हॉस्टल में सुविधा बढ़ाने की मांग कर रही थी। धरने पर बैठी छात्राओं ने बताया कि बारिश के दौरान हॉस्टल में पानी भर जाता है। एक-एक कमरे में कई-कई छात्राओं को रखा गया है। छात्राओं ने बताया कि कोई रेगुलर साफ-सफाई नहीं होती है। टायलेट का सीवर चोक हो जाता है। परिसर में दिन भर चले प्रदर्शन के दौरान विवि के अधिकारियों ने छात्रों को मनाने का प्रयास किया लेकिन नर्सिंग छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे।

मेडिकल कालेजों की मदद को लेकर डिजिटल स्लाइड स्कैनर पर फोकस करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसजीपीजीआई के पैथोलॉजी विभाग द्वारा पल्मोनरी पैथोलॉजी पर सतत चिकित्सा शिक्षा के साथ अपना दूसरा स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर निदेशक प्रोफेसर राधा कृष्ण धीमन ने विभाग की नई नैदानिक तकनीकों की सराहना की। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को पूर्ण समर्पण से काम करने और अन्य मेडिकल कॉलेजों की मदद के लिए डिजिटल स्लाइड स्कैनर और डिजिटल पैथोलॉजी को शामिल करके विभाग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित किया।

विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर मनोज जैन ने विभागीय प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही उन्होने सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए तरल आधारित साइटोलॉजी, रोगों के सटीक निदान और पूर्वानुमान के लिए आणविक परीक्षण, शीघ्र व अधिक परीक्षण के लिये पूरी तरह से स्वचालित क्लिनिकल रसायन विज्ञान प्रयोगशाला के माध्यम से नई नैदानिक तकनीक प्रदान करने में विभाग की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। इस मौके पर विभाग द्वारा हाल ही में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। फेफड़े के कैंसर के प्रचलित होने और 1 अगस्त को विश्व फेफड़े के कैंसर दिवस के रूप में पहचाने जाने के अवसर पर पल्मोनरी पैथोलॉजी पर आधे दिन की सीएमई का आयोजन किया गया। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के प्रसिद्ध पल्मनरी पैथोलाजिस्ट प्रोफेसर अमनजीत बाल ने इस बात पर जोर दिया कि उन्नत नैदानिक परीक्षण के साथ फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कई चिकित्सीय विकल्प सामने आ रहे हैं। पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर आलोक नाथ ने छोटे और सटीक फेफड़ों के नमूने प्राप्त करने की नई तकनीकों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन डॉ. राम नवल राव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इंटर्नशिप अब सीपीसी बोर्ड की पहल का हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के राधाकमल सभागार में शुक्रवार को केंद्रीय प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, विश्वविद्यालय के डीन और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। सत्र को प्रो-वाइस चांसलर मनुका खन्ना ने संबोधित किया और सीपीसी बोर्ड के निदेशक प्रोफेसर अनूप के. भारतीय ने नेतृत्व किया।

प्रो. मनुका खन्ना ने प्रमाणन के साथ लघु अवधि के पाठ्यक्रमों को शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो विश्वविद्यालय के छात्रों को प्लेसमेंट इंटरव्यू में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करेंगे। प्रोफेसर अनूप भारतीय ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य सीपीसी बोर्ड की प्रभावशीलता को बढ़ाना था। उन्होंने घोषणा की कि इंटर्नशिप अब सीपीसी बोर्ड की पहलों का हिस्सा होंगी। हालांकि, उन्होंने विभागीय स्तर पर प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रोफेसर भारतीय ने पारंपरिक पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए अवसरों को आमंत्रित करने के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि पेशेवर पाठ्यक्रमों के लिए पहले से ही कई नियोक्ता हैं। विभागाध्यक्षों से पूर्व छात्रों, प्लेसमेंट डेटा और उपलब्धियों की सूचियाँ प्रदान करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने नए छात्रों के लिए सीपीसी के साथ ओरिएंटेशन प्रोग्राम की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि उन्हें भविष्य के करियर संभावनाओं को समझने में मदद मिल सके। जिला रोजगार ब्यूरो के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग से एक सरकारी अधिकारी ने बैठक में भाग लिया और प्लेसमेंट पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। यह बताया गया कि आज के नौकरी बाजार में डिग्री से अधिक कौशल को महत्व दिया जाता है। विभागाध्यक्षों ने वर्तमान प्लेसमेंट आवश्यकताओं पर अपने विचार साझा किए। बैठक का समापन डॉ. अनुपमा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

फर्जी टाउनशिप को चिन्हित कर करें कार्रवाईः डॉ रोशन जैकब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में सरोजिनी नगर तहसील में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जो के विरुद्ध चल रही कार्यवाही के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक की गयी। मंडलायुक्त द्वारा सरकारी भूमि की पैमाइश नगर निगम व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर उपस्थित रहते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। वहीं, मंडलायुक्त द्वारा शहर के अवैध प्लाटिंग एवं फर्जी टाऊन शिप को चिन्हित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्यवाही में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। शुक्रवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में सरोजिनी नगर तहसील में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जो के विरुद्ध चल रही कार्यवाही के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन स्मार्ट सिटी ऑफिस के सभागार में की गई। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारी द्वारा मंडलायुक्त को अवगत कराया गया कि सात गाँवो को पहले चरण में 70 गाटो का सर्वे करा लिया गया है। जिस पर उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सरकारी भूमि की पैमाइश के लिये बनाई गई स्पेशल टीम के द्वारा सरकारी भूमि के सर्वे में तेजी लाये।

सर्वे किये गये भूमि का चिन्हाकन एवं सीमांकन कराते हुए संबंधित भूमि को अपने स्वामित्व में लेते हुएए उक्त भूमि पर बोर्ड व पत्थर गाड़ते हुए सरकारी भूमि को सुरक्षित किया जाये। इसके मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शहर के अवैध प्लाटिंग व फर्जी टाऊन शिप को चिन्हित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाये। उन्होंने मार्गो एवं चकमार्गो पर जानवरो को न बाधने को लेकर प्रतिबंधित किया जाने के निर्देश दिये। सर्वे के लिए बनाई गई स्पेशल टीम के प्रभारी द्वारा नियमित रूप से की जारी कार्यवाही की मॉनिटरिंग करते रहें। नगर निगम व राजस्व की टीम संयुक्त रूप से मौके पर रहते हुए कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करेंगे। पैमाइश के दौरान अवैध अतिक्रमण मिलने पर तत्काल ध्वस्तीकरण कराते रहे।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे मेंअधिकारियों की संलिप्तता पर मंडलायुक्त की कड़ी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीकेटी में अवैध कब्जे की शिकायत पर मंडलायुक्त द्वारा दौराकर क्षेत्र का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान मंडलायुक्त द्वारा रामपुर, देवरई, हाजीपुर सहित अन्य क्षेत्र में अधिकारियों के साथ पहुंची। अधिकारियों को पैमाईश कर जमीन को अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया गया।

शुक्रवार को सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा की शिकायत मिलने पर मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब तहसील बीकेटी के ग्राम रामपुर देवरई, हाजीपुर, उनई पहुंचकर, संबंधित सरकारी भूमि का जायजा लिया। साथ ही सरकारी भूमि के संबंधित गाटों की गहनता पूर्वक पड़ताल करने के निर्देश संबंधित को दिए। रामपुर देवराई में गाटा संख्या 316, 317, 652, 653 का जायजा लेते हुए कहा कि उक्त भूमि की पैमाइश कराते हुए अपने स्वामित्व में लिया जाये। उन्होंने कहा कि तहशील के संबंधित अधिकारियों द्वारा सरकारी भूमि के अवैध कब्जों में संलिप्तता व भू माफ्यिो को संरक्षण देने की जानकारी मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। मंडलायुक्त ने बताया कि लखनऊ जनपद के समस्त सरकारी भूमि को अवैधकब्जा से अतिक्रमण मुक्त कराने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जो कि जनपद के समस्त क्षेत्र के सरकारी भूमियों की पैमाइश, जीएस मैपिंग व जीरो टेगिंग कराया जाना सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीनों का चिन्ह्यांकन सीमांकन करके अपने स्वामित्व में लिया जाएगा।

कावड़ यात्रा मार्गों, प्रमुख धार्मिक स्थलों व मंदिरों में हो 24 घंटे विद्युत आपूर्तिः ऊर्जा मंत्री

● बार-बार ट्रांसफार्मर जलने और ओवरलोड फीडर की लगातार निगरानी किए जाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से अभिषेक करने के लिए शिवभक्त दूर-दूर से कावड़ लेकर चलते हैं, श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, कावड़ यात्रा मार्गों और प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाए। बरसात की उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिले और कृषि कार्यों के लिए किसानों को पर्याप्त बिजली मिले, इसके लिए सभी क्षेत्रों को निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप बिजली आपूर्ति की जाए, कहीं पर भी अनावश्यक कटौती न हो। ट्रांसफार्मर के जलने पर निर्धारित समय पर बदलने का प्रयास किया जाए। सभी विद्युत कार्मिक पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें, अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाए रखें, सभी के फोन उठाए, उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान करें। ऊर्जा मंत्री शुक्रवार को शक्ति भवन में विद्युत व्यवस्था और कार्यों की वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिए कि बार-बार ट्रांसफार्मर के जलने, किसी एक फीडर पर बार-बार विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही, फीडर के ओवर लोड होने और लो वोल्टेज की समस्याओं की लगातार मॉनिटरिंग करें। ऐसी जगहों पर विद्युत चोरी करने, कटिया लगाने की संभावना रहती है, इसकी नियमित जांच की जाए और विद्युत चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी करें। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जलने पर अगर उस क्षमता का ट्रांसफार्मर उपलब्ध न हो तो उससे ज्यादा क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाए, उन्होंने इसके लिए एसओपी जारी करने के भी निर्देश दिए। ट्रांसफार्मर के जलने और उसके बदलने की जानकारी को सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को उपलब्ध कराए और मुख्यालय को भी इसकी जानकारी दें। किसी फीडर में रिकॉर्ड से ज्यादा लोड होने पर तत्काल इसकी विजिलेंस जांच कराए। सभी डिस्कॉम के एमडी निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए मैनेजमेंट और प्लानिंग पर फोकस करें तथा अपनी टेक्निकल टीम को सतर्क रखें।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बेहतर प्रबंधन और कार्मिकों की मेहनत के कारण ही 30 से 31 हजार से अधिक मेगावाट बिजली देने में हम सक्षम हुए हैं। फिर भी बिजली न आने की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने लोड मैनेजमेंट पर ध्यान देने तथा माइक्रो मैनेजमेंट के तहत कार्य करने को कहा। विद्युत आपूर्ति को लेकर कई जनप्रतिनिधियों ने शिकायतें की हैं, मऊ से शिकायत है की बिजली न आने से इंसुलिन के इंजेक्शन खराब हो गए। सभी डिस्कॉम अपनी क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर कार्य योजना बनाएं और उसी के तहत आरडीएसएस और बिजनेस प्लान के तहत कार्य कराए। ऊर्जा मंत्री ने मऊ जनपद में बुधवार को हुई बारिश से 152 पोल एलटी लाइन के 11 पोल एचटी लाइन के तथा एक पोल 33 केवी लाइन का गिरने की जांच कराकर संबंधित कंपनी पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विद्युत पोल की ग्राउंडिंग ठीक से कराई जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा विभाग अवध प्रांत के प्रांत गोरक्षा प्रमुख राजेश सिंह ने की शिष्टाचार भेंट

नवनियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों को दिया जा रहा है आधारभूत प्रशिक्षण

लखनऊ। केन्द्रीय सचिवालय भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में नवनियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों को 12 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में दिया जा रहा है। इन्हें ग्रामीण लगाव एवं भारत दर्शन विषय पर व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं ग्रामीण अध्ययन भ्रमण भी कराया जा रहा है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान के प्रभारी अपर निदेशक बीडी चौधरी ने बताया कि इस आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार के संघ लोक सेवा आयोग, जल संसाधन, भूतल परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग, सूचना एवं प्रसारण, संचार, पेट्रोलियम एंव प्राकृतिक गैस,रक्षा, नीति आयोग, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विकास, नागरिक उड्डयन, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, कृषि एवं कृषक कल्याण, विधि मामले, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आवास एवं शहरी कार्य तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इत्यादि मंत्रालयों से सम्बद्ध सहायक अनुभाग अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान संस्थान के प्र. अपर निदेशक बीडी चौधरी द्वारा प्रतिभागी अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये संस्थान के संस्थागत ढाँचा, संकायों से सम्बद्ध कार्यों तथा प्रशासनिक नियंत्रणाधीन प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थानों की कार्यशैली तथा प्रशिक्षण विधा के अन्तर्गत आने वाली समस्त गतिविधियों तथा प्रशिक्षकों की भूमिकाओं से, विधिवत व विस्तृत रूप से परिचित कराया गया और प्रशिक्षण क्या है? प्रशिक्षण क्यों? प्रशिक्षण कब? इन विषयों पर भी व्याख्यान दिया गया।

रालोद के जिलाध्यक्ष 31 अक्टूबर तक घोषित होंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय की अध्यक्षता में प्रकोष्ठ के अध्यक्षों एवं क्षेत्रीय अध्यक्षों की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी मौजूद रहे। बैठक में किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलजीत सिंह बिटटू उपस्थित रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों व क्षेत्रीय अध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी प्रकोष्ठों 31 अगस्त तक क्षेत्रीय कमेटी एवं 31 अक्टूबर तक जिलाध्यक्ष घोषित कर दिये जाय, 15 सितंबर से समीक्षा की शुरुआत होगी। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि संगठन किसी भी राजनैतिक दल की रीढ़ होती है एवं संगठन की मजबूती पर ही राजनैतिक दल की सफलता निर्भर करती है।

बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की सजा

विधि संवाददाता। लखनऊ

चार वर्ष की मासूम बच्ची से दुष्कर्म करने के मामले में दोषी करार दिए गए अभियुक्त रूपक जैन उर्फ काजू को पॉक्सो की विशेष अदालत ने 20 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष जज विजेन्द्र त्रिपाठी ने इस पर 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। 13 जुलाई 2022 को इस मामले की एफआईआर पीड़िता की मां ने थाना पारा में दर्ज कराई थी। विशेष लोक अभियोजक अभिषेक उपाध्याय व अरुण कुमार के मुताबिक पीड़िता और उसका भाई घर के नीचे खेल रहे थे। पापा ने पीड़िता को मार दिया तो रोते हुए अंदर कमरे में चली गई। इतने में आरोपी गाड़ी की चाभी लेने आया। वो पीड़िता को चुप कराने लगा। इस दौरान वो पीड़िता के साथ गलत हरकत करने लगा। पीड़िता और जोर से रोने लगी और मम्मी मम्मी चिल्लाने लगी। उसकी मम्मी आई तो रोकर बताने लगी कि काजू अंकल उसके साथ गलत काम कर रहे थे।

नाथ नगरी इंटीग्रेटेड टाउनशिप में शापिंग कांपलेक्स के ऊपर बनाए जाएंगे फ्लैट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप टाउनशिप के साथ विकसित होगा रामगंगा रिवरफ्रंट

बरेली मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप बरेली विकास प्राधिकरण बरेली में प्रदेश की पहली अनूठी नाथ नगरी इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित करने जा रहा है। बीडीए ने इसके लिये पांच गांवों की जमीन चिह्नित की है। जमीन खरीदने की तैयारी शुरू हो गई है। इंटीग्रेटेड टाउनशिप में आइटी पार्क, औद्योगिक क्षेत्र, मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, अपार्टमेंट, शापिंग कांप्लेक्स, आउटलेट, शिक्षण संस्थान विकसित करने के लिये लेआउट और डिजाइन तैयार किया गया है। विश्वस्तरीय सौंदर्यीकरण के साथ टाउनशिप में आने जाने के लिये इलेक्ट्रिक वाहनों की सुविधा मिलेगी। अत्याधुनिक पार्किंग स्थल रहेगा।

इंटीग्रेटेड टीओडी टाउनशिप में शापिंग कांप्लेक्स के ऊपर फ्लैट बनेंगे। इसमें ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति के प्रविधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें तीन चार मंजिल तक नीचे शापिंग कांप्लेक्स होंगे। उसके ऊपर गगनचुंबी फ्लैट बनेंगे। बीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि इसके विकास के साथ नाथ नगरी बरेली के विकास को नये आयाम मिलेंगे। नाथ धाम इंटीग्रेटेड टाउनशिप से आवासीय विकास के साथ एमएसएमई एवं बरेली के उत्पादों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जायेगा।

बीडीए सचिव योगेंद्र कुमार ने बताया कि यह प्राधिकरण का महात्वकांक्षी प्रोजेक्ट है। टाउनशिप के साथ बीडीए रामगंगा रिवरफ्रंट का डेवलपमेंट भी करवाएगा। इसका विकास जैविक संरक्षण के साथ पर्यावरण के अनुकूल होगा। इसमें बायोडायवर्सिटी पार्क का भी विकास कराया जाएगा। मुख्य आकर्षण-भारत सरकार की टीओडी नीति के तहत विकास, शॉपिंग काम्प्लेक्स एवं ऊपरी तल पर फ्लैट, ज़री ज़रदोज़ी सेंटर का विकास, फ़्लैटेड डेवलपमेंट माड्यूल के तहत, विश्व स्तरीय स्टेडियम प्रस्तावित, लघु उद्योग की स्थापना के लिए पर्याप्त अवसर, गंगा एक्सप्रेसवे से 15 मिनट की दूरी पर प्रस्तावित है। इससे एमएसएमई एवं ज़री ज़रदोज़ी के निर्यात में सुगमता होगी। बरेली के उत्पाद ज़री ज़रदोज़ी के कामगारों की स्किल को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी लगेगी। इसके साथ उत्पाद बेचने के लिए दुकान और काम करने लिए के लिए कॉमन सेंटर की व्यवस्था की जायेगी। आर्किटेक्ट सुमित अग्रवाल ने बताया कि टाउनशिप में छोटे कामगारों एवं व्यापारियों के लिए फ़्लैटेड डेवलपमेंट के रूप में छोटी पूँजी में जगह उपलब्ध होगी। जिसके नीचे एक्जिविशन एवं कन्वेंशन सेंटर होंगे। ज़री ज़रदोज़ी के उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाने के लिए एक्सपोर्ट हाउस एवं आधुनिक होटल प्रस्तावित किये जा रहे हैं। टाउनशिप को विश्व स्तरीय मानकों पर विकसित किया जा रहा है।

आजमगढ़ से वांछित 25 हजार का ईनामी अपराधी आशीष उर्फ हंटर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजमगढ़ से वांछित 25 हजार के ईनामी अपराधी आशीष यादव उर्फ बिट्टू उर्फ हंटर को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। हंटर के खिलाफ थाना निजामाबाद धारा 109/ 115 (2)/ 352/ 351(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है। एसटीएफ को सूचना मिली कि कुख्यात अपराधी आशीष यादव उर्फ बिट्टू उर्फ हंटर अपने घर आने वाला है। इस सूचना पर एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर घेराबंदी की और आशीष यादव को असनी पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। आशीष यादव ने पूछताछ पर बताया कि उसने 29 जुलाई 2024 को रात्रि लगभग 10 बजे अपने गांव के बाल्मीकि यादव पुत्र जगधारी यादव निवासी मोहनपुर, थाना निजामाबाद को गोली मारी थी। उसके साथ ब्रजेश यादव जो कि उसके गांव के रहने वाले है, के साथ बाइक चलाकर बाल्मीकि यादव के घर गया था। उसने बाल्मीकि यादव को गोली मारी और ब्रजेश के साथ बाइक से भाग आया। कड़ाई से पूछताछ पर बताया कि बाल्मीकि यादव के पुत्र नीरज यादव से उसका विवाद चल रहा था और उसने मेरे पिता व परिवार वालों को कुछ दिन पहले मार-पीट किया था। जिसमें मेरे पिता व भाई को चोट लग गयी थी। जिसका बदला मैंने बाल्मीकि यादव को गोली मार कर लिया था। नीरज यादव के विरुद्ध भी कई मुकदमें दर्ज है। अभियुक्त तभी से अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए वह छिपता फिर रहा था।

कलीमुद्दीन ने सपा मुख्यालय पहुंचकर भेंट किए मुलायम सिंह व अखिलेश यादव नाम के दो आम

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में शुक्रवार को कई किस्मों के आमों के उत्पादन के लिए मशहूर पद्मश्री कलीमुद्दीन ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भेंटकर उन्हें नेताजी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव नाम के दो आम भेंट किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक महबूब अली तथा रविदास मेहरोत्रा सहित समाजवादी पार्टी के तमाम कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। स्मरणीय है, राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद की ख्याति दशहरी आमों के बाग के लिए है। अपने आम के बाग में कलीमुद्दीन द्वारा आमों की तमाम किस्में विकसित की गई हैं। कलीमुद्दीन ने नेताजी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के नाम से आम की दो नई किस्में विकसित की हैं, जिसे भेंट करने के लिए वे स्वयं अखिलेश यादव से मिलने आए थे।

वरासत के लिए तहसील का चक्कर लगा रहा परिवार

मोहनलालगंज। वरासत दर्ज कराने के लिए तहसील के चक्कर काट रहे परिवार का आक्रोश फूटा तो नाराज लेखपाल केस दर्ज कराने थाने पहुंच गए। हालांकि परिवार लेखपाल पर बेवजह परेशान करने का आरोप लगा रहा है। उधर पुलिस ने शिकायत की जांच शुरू कर दी है। मोहनलालगंज में भदेसुआ गांव के दयाराम का परिवार कुछ वर्ष से लखनऊ में रहता है। लेकिन उनकी थोड़ी सी जमीन और मकान गांव में भी है। वर्ष 2020 में दयाराम का निधन हो गया था। उनके परिवार ने अब जमीन की वरासत के लिए आवेदन किया है। आरोप है कि लेखपाल ने गांव में जांच कर लोगों के बयान दर्ज करने के बगैर ही परिवार को बाहरी करार देकर वरासत के आवेदन को तहसीलदार की कोर्ट भेज दिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अजीत कुमार ने बताया दयाराम गांव के पैतृक निवासी थे उनके परिवार को पूरा गांव जानता और पहचानता है। लेखपाल ने जांच के बिना ही वरासत आवेदन को कोर्ट भेज दिया। उधर लेखपाल से खफा मृतक दयाराम के बेटे से लेखपाल की फोन पर नोकझोंक हो गई। जिससे नाराज लेखपाल ने धमकाने का आरोप लगाकर पूरे मामले की शिकायत थाने पहुंचकर पुलिस से की है। एसएचओ आलोक राव ने बताया जांच की जा रही है। एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने बताया आवेदन में कुछ कमियां थी जिसकी वजह से लेखपाल ने वरासत आवेदन तहसीलदार कोर्ट भेज दिया। फिलहाल मामले की जांच कराई जा रही है।

तेईस दिन में 28 नवनियुक्त लेखपालों को गांव आवंटित नही कर सके अफसर

मोहनलालगंज। सीएम से नियुक्ति पत्र लेकर आए दो दर्जन से अधिक नवनियुक्त लेखपालों को तेईस दिन बाद भी तैनाती नही मिल सकी है। लिहाजा तहसील में स्टाफ की भारी कमी और राजस्व संबंधी कार्य पिछड़ने के बावजूद नवनियुक्त लेखपाल खाली घूम रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील में 230 राजस्व ग्राम के लिए लेखपालों के कुल 80 पद सृजित हैं। जिनमें से 52 लेखपाल पूर्व से ही तहसील में तैनात हैं। हालांकि उनमें से 45 लेखपाल ही फील्ड ही जिम्मेदारी संभालते हैं। शेष 7 लेखपालों में से आरके दफ्तर खतौनी काउंटर नायब तहसीलदार कोर्ट और नगर निगम में संबद्ध हैं जबकि एक लेखपाल छुट्टी पर बताई जा रही हैं। 10 जुलाई को तहसील में नवनियुक्त 28 लेखपाल और भेजे गए हैं। इस तरह तहसील में लेखपालों के सारे पद भर गए हैं। लेकिन राजस्व विभाग के तमाम कार्य पिछड़ने के बावजूद इन नवनियुक्त लेखपालों को 23 दिन बाद भी तहसील अधिकारी गांव आवंटित नही कर सके हैं। लिहाजा नवनियुक्त लेखपाल इतने दिन से महज तहसील में उपस्थिति दर्ज कराकर वापस लौट रहे हैं। जिससे राजस्व गांवों में सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य नही हो पा रहे हैं। तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय ने बताया तहसील में लेखपालों के सारे पद भर गए हैं। नवनियुक्त लेखपालों को गांव आवंटित करने की प्रक्रिया चल रही है। एक दो दिन में सभी को तैनाती दे दी जाएगी।

हत्याकांड में शामिल अभियुक्त मुठभेड़ में गोली लगने के बाद गिरफ्तार, चार साथी भी धरे गए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हरदोई जिले में हुए चर्चित कनिष्क मेहरोत्रा हत्याकांड के अभियुक्त नीरज को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। नीरज से हुई पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके चार अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया। हत्या की यह वारदात प्रापर्टी के विवाद में अंजाम दी गई थी।

हरदोई के एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि 31 जुलाई 2024 को वादी हर्ष मेहरोत्रा द्वारा कोतवाली शहर पर तहरीर दी गयी कि 30 जुलाई 2024 को समय करीब 7.30 बजे उनके भाई कनिष्क मेहरोत्रा अपने घर पर मौजूद थे। 2 अज्ञात अभियुक्तों द्वारा वादी के भाई को घर में घुसकर गोली मारकर घायल कर दिया। घायल कनिष्क मेहरोत्रा उपरोक्त की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। इस संबंध में कोतवाली शहर पर धारा 61 (2)/103 (1) बीएनएस के तहत अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान धारा 109 बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट की वृद्धि की गई। एसपी ने बताया कि विवेचना के दौरान अभियोग में प्रकाश में आए अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत थी। इस दौरान सूचना मिली कि संबंधित अभियुक्त साण्डी-बावन रोड के मध्य बन रहे बाईपास के निकट मौजूद है। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंची। जहां सामने से आ रहे एक व्यक्ति को रुकने का इशारा करने पर उस व्यक्ति द्वारा खुद को पुलिस से घिरा देख पुलिस के ऊपर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग की गई। जिसमें अभियुक्त नीरज पुत्र संतराम निवासी ग्राम झरोईया थाना कोतवाली शहर जनपद हरदोई गोली लगने से घायल हो गया।

ऋण वितरण व ब्याज उपादान भुगतान की कार्रवाई तेजी से पूरी की जाए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के खादी भवन के सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. उज्ज्वल कुमार द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यालय के अधिकारियों के साथ-साथ परिक्षेत्रीय/जनपदीय अधिकारियों एवं मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्यों से विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में डॉ. कुमार ने निर्देश दिए गए कि जनपद के मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में प्रति सप्ताह होने वाली बैठकों में बैंकों को प्रेषित आवेदन पत्रों का विवरण उपलब्ध कराते हुए ऋण वितरण एवं स्वीकृति की कार्यवाही कराई जाए, साथ ही ब्याज उपादान के दावों के भुगतान की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। टूलकिट्स का वितरण कराने हेतु पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्र ऑनलाइन प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि खादी बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं में जनपदीय अधिकारियों के सहयोग से यदि कोई उद्यमी अच्छा कार्य कर रहा है तो उसका विवरण उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यूपी के सभी सेक्टरों में तेजी से हो रहा विकासः मनोज कुमार सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्य सचिव से प्रांतीय सिविल सेवा के 31 प्रशिक्षु अफसरों से भेंट की

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से प्रांतीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के 31 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की। इस मौके पर मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों का उत्तर प्रदेश शासन परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि यूपी कैडर देश के सर्वश्रेष्ठ कैडर में से एक है। आप सभी भाग्यशाली है कि आप लोगों को उत्तर प्रदेश में काम करने का मौका मिला। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के सभी सेक्टरों में तेजी से विकास हो रहा है। यह सेवा दूसरों की जिंदगी को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करती है। नए जोश एवं उत्साह के साथ जनहित में कार्य करें। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। राजस्व संबंधी मामलों को लम्बित न रखें। जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। विकास कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण कर उसे समयावधि में पूरा करायें। बैठक में अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव परिवहन एल. वेंकटेश्वर लू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के सभी प्रमुख मार्गों के किनारे 1001 ढाबों पर पर्यटकों को मिलेंगी मनपसंद सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और राज्य राजमार्ग (एसएच) सहित अन्य प्रमुख मार्गों के किनारे स्थित 1001 ढाबों की सूची बनाई है। यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन विभाग की ओर से 25 से 30 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा, ढाबों का बड़ी कंपनियों के साथ कोलैबोरेशन कराया जाएगा। ताकि, पर्यटकों को इन कंपनियों के प्रोडक्ट भी ढाबों पर आसानी से मिल सकें। ढाबों पर काम करने वाले कर्मचारियों को अच्छे आतिथ्य-सत्कार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास करने वाला राज्य है। यहां वर्ष 2023 में 48 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया था। प्रतिदिन देश-दुनिया से लाखों लोग अयोध्या, काशी, मथुरा, बौद्ध स्थल सहित अन्य स्थानों पर पहुंच रहे हैं। राज्य में पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि पर्यटकों को गंतव्य स्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। पर्यटक कहीं घूमने जा रहे हैं तो सफर में ऐसे स्थल की आवश्यकता होगी, जहां आराम करने के साथ-साथ खाने-पीने सहित अन्य सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध हों। पर्यटन विभाग इसी जरूरत को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में एनएच, एसएच सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर स्थित ढाबों को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि पूरे प्रदेश के 1001 ढाबों की सूची तैयार की गई है।

प्रदेश भर में 10 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा सर्वजन दवा सेवन अभियान

● 340 ब्लॉक में 61512 टीमें घर-घर जा कर कराएंगी दवा का सेवन

फाइलेरिया प्रभावित 27 जिलों में 6.69 करोड़ लोगों को खिलाई जाएगी दवा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश भर में 10 अगस्त से शुरू हो रहे सर्वजन दवा सेवन अभियान में 6 करोड़ 69 लाख लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई जाएगी। यह दवा फाइलेरिया से बचाव के साथ-साथ पेट से कीड़े निकालने और शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक साबित होती है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अलावा शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायती राज और महिला कल्याण विभाग से भी सहयोग लिया जा रहा है।

दो सितंबर तक चलने वाले इस अभियान के संबंध में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि संक्रमित मच्छर के काटने से किसी भी आयु वर्ग में होने वाला यह संक्रमण लिम्फैटिक सिस्टम को नुकसान पहुंचाता है और अगर इससे बचाव न किया जाए तो शारीरिक विकलांगता भी आ सकती है। स्वास्थ्य प्रणाली के पास फाइलेरिया रोग की रोकथाम, प्रबंधन और उन्मूलन के लिए सारे समाधान उपलब्ध हैं। इन समाधानों से न केवल फाइलेरिया रोगी लाभान्वित हो रहे हैं बल्कि ऐसे लोगों को भी फायदा हो रहा है जिनके शरीर में फ़ाइलेरिया परजीवी मौजूद हैं और जिन्हें इसके संक्रमण का जोखिम है।

27 फाइलेरिया प्रभावित जिलों में चलेगा अभियानः यह अभियान प्रदेश के 27 फाइलेरिया प्रभावित जिलों में चलाया जाएगा। ये जिले हैं औरैया, बहराइच, बलरामपुर, बस्ती, चन्दौली, देवरिया, इटावा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, गाजीपुर, गोण्डा, गोरखपुर, हरदोई, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कौशाम्बी, लखीमपुर खीरी, कुशीनगर, मीरजापुर, रायबरेली, महाराजगंज, संतकबीरनगर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सुल्तानपुर एवं सीतापुर। प्रमुख सचिव ने अपील की कि यदि आप इनमें से किसी भी जिले में रह रहे हैं तो अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करें। क्षेत्र की आशा से संपर्क करें या निकटतम बूथ पर जाएँ और फ़ाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करें जिससे आप खुद को, परिवार को, आस-पड़ोस, समुदाय, गाँव, कस्बे, शहर और प्रदेश के हर व्यक्ति को सुरक्षित रख सकें। समुदाय की भागेदारी से ही प्रदेश से फाइलेरिया का उन्मूलन संभव है। हाथीपांव, हाइड्रोसील, हाथ-पैर व स्तन में सूजन हैं तो ये फाइलेरिया के लक्षण हो सकते हैं।

इस बार 6.69 करोड़ लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्यः संयुक्त निदेशक वेक्टर बोर्न डीजीज एवं राज्य के नोडल अधिकारी डा. ए.के. चौधरी ने बताया कि यूपी में इस बार 6.69 करोड़ लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य साधने के लिए 1,23, 024 स्वास्थ्यकर्मी और 12,302 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। इस बार अभियान मे 340 ब्लॉको मे टीमें घर-घर जाकर दवा सेवन कराएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में दवा का वितरण नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान सभी को फाइलेरिया रोधी दवा की निर्धारित खुराक प्रशिक्षित स्वास्थ्यककर्मी बूथ व घर-घर जाकर अपने सामने खिलाएंगे। ध्यान रहे कि यह दवा खाली पेट नहीं खानी है। इस दवा का सेवन एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और गंभीर रूप से बीमार को छोड़कर सभी को करना है। एक वर्ष से दो वर्ष तक के बच्चों को केवल अल्बेंडाजोल की आधी गोली (200 मिलीग्राम) खिलाई जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा विभाग में लागू होगा सिटीजन चार्टर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इस बार सरकार शिक्षक दिवस पर माध्यमिक शिक्षकों को तोहफा देने की तैयारी कर रही है। इसके अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा विभाग में सिटीजन चार्टर लागू किया जायेगा। जिससे सभी संवर्गों की दशकों पुरानी लंबित समस्याओं का जल्द निपटारा हो सकेगा। साथ ही विभाग के साथ-साथ सभी माध्यमिक स्कूलों में सभी पक्षों की शिकायतों का भी समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा।

इतना ही नहीं सिटीजन चार्टर लागू होने से विद्यालय स्तर से लेकर मंडल और निदेशालय स्तर तक के लंबित मामलों के निस्तारण की जबाबदेही तय होगी और समस्याओं का भी समयबद्ध निस्तारण होगा। तय समय के भीतर सिटीजन चार्टर की रूप-रेखा तैयार हो सके, इसके लिए विभाग के सभी संवर्गों के संगठनों से 31 जुलाई तक सुझाव मांगे थे। सूत्रों का कहना है कि अन्तिम तिथि तक अलग-अलग संगठनों से इस दिशा में दर्जनों उपयोगी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिसका परीक्षण किया जा रहा है। वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के विद्यालय से लेकर निदेशालय स्तर पर लंबित वर्षों से अवशेषों का भुगतान एक बहुत ही बड़ी समस्या है।

यह होगा लाभः जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर की विभिन्न समस्याओं के अलावा शिक्षकों व कर्मचारियों के चयन एवं एसीपी, अस्थायी जीपीएफ, अग्रिम वेतन निर्धारण, प्रधान एवं प्रबंधक के हस्ताक्षर प्रमाणित किये जाने आदि मामले तय समय सीमा के भीतर निस्तारित हो जाएंगे। इसके अलावा मंडल स्तर की समस्याओं के निस्तारण के साथ-साथ जीपीएफ अग्रिम, आदेश एवं भुगतान, पदोन्नतियां, विनियमितिकरण, पीपीओ एवं सेवा निवृत संबंधी सभी देयकों के भुगतान के मामले भी तय समय के भीतर निस्तारित हों सकेंगे।

विद्या शक्ति केंद्र का सीडीओ ने किया शुभारम्भ

संवाददाता। सोनभद्र

जनपद में नीति आयोग द्वारा अधिगम स्तर सुधार हेतु संचालित पैललैब का द्वितीय सत्र और विद्या शक्ति केंद्र का जनपद में एक साथ सभी विद्यालयों में शुभारम्भ मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार द्वारा कंपोजिट विद्यालय मुसही राबर्ट्सगंज में किया गया। इस अवसर पर, मुख्य विकास अधिकारी ने योजना का लाभ ले रहे कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों से वार्ता कर स्थिति को परखा। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय सारणी के साथ शिक्षण और पैललैब में छात्रों को उनकी अधिगम क्षमता के अनुसार पुनरावृत्ति, उपचारात्मक शिक्षण एवम मूल्यांकन अपेक्षित अधिगम स्तर को प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को भाषा, गणित और विज्ञान को रोचक तरीके से पढ़ाने के लिए आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर वी. कामाकोटी द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट विद्या शक्ति को भी सोनभद्र में स्थापित स्मार्ट क्लासों में चलाया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय ने बताया कि कक्षा 1 और 2 के लिए शिवनाडर फाउन्डेशन द्वारा शिक्षा इनेशिएटिव अन्तर्गत भाषा और गणित हेतु डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराया गया है जो छात्रों के बुनियादी भाषा और संख्या को सुदृढ़ करने में मदद कर रहा है।

इस कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी राबर्ट्सगंज धनंजय सिंह, एआरपी ह्रदेश सिंह, जिला कार्यक्रम सहयोगी, नीति आयोग फरदीन अहमद, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुधांशु तिवारी और शिक्षक मौजूद रहे और सभी ने मिलकर जनपद को निपुण बनाने की प्रतिज्ञा ली।

मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालयी परिवेश के बाहर सामुदायिक सहभागिता के माध्यम भी निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपस्थित अभिभावकों, विद्यालय प्रबंध समिति और प्रधान का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय मुसही के छात्रों से विभिन्न स्तर के प्रश्न पूछकर उनके अधिगम स्तर को परख रहे थे, उन्होंने कक्षा 5 के छात्रों से सामूहिक रूप से प्रश्न किया कि सप्ताह में कितने दिन होते हैं, तो सभी ने सही जवाब दिया।

फिर उन्होंने पूछा कि एक महीने में कितने सप्ताह होते हैं तो एक छात्र ने तपाक से सही उत्तर दिया, तब उन्होंने उसी छात्र से पूछा कि क्या तुम बता सकते हो कि एक साल में कितने सप्ताह होते हैं, छात्र ने इधर उधर देखा और कक्षा में लगे हुए स्मार्ट बोर्ड की ओर चला गया, लोग भौचक्के रह गए कि ये क्या कर रहा है। उसने स्मार्ट बोर्ड को बड़े ही आत्मविश्वास से ऑन किया और प्रश्न को हल करते हुए सही उत्तर बता दिया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षण प्रणाली की उपयोगिता को इस छात्र ने सार्थक किया है, आकांक्षी जनपद सोनभद्र में परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास को प्रारंभ करने का निर्णय सार्थक साबित हो रहा है।

इफको यूनियन चुनाव की अंतिम सूची प्रकाशित हुई

प्रयागराज। इफको इम्पलाइज यूनियन के चुनाव छह अगस्त को होना है। जिसमें अंतिम सूची प्रकाशित कर दी गई। कुल 31 उम्मीदवार विभिन्न पदों पर चुनावी मैदान में होंगे। अध्यक्ष पद पर पंकज पाण्डेय मनोज कुमार तिवारी एवं संतोष कुमार उपाध्यक्ष पद पर धर्म सिंह पटेल प्रभात कुमार एवं सुरेश कुमार सिंह यादव महामंत्री पद पर मनोज कुमार श्रीवास्तव विजय कुमार यादव एवं विनय कुमार यादव संयुक्त मंत्री संगठन पद पर विनोद कुमार यादव वीरम यादव संताज अली एवं सालिक राम पटेल संयुक्त मंत्री प्रचार पद पर अभयराज यादव रजनीश राव एवं राहुल कुमार सहायक मंत्री पद पर अभिषेक पटेल एन जी नायर राम चन्द्र गौतम राम बाबू जायसवाल विनीत कुमार राय एवं ज्ञान सिंह पटेल कोषाध्यक्ष पद पर अतुल तिवारी गौरव श्रीवास्तव एवं दिनेश कुमार मौर्य वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद पर पंकज सिंह मो आरिफ अंसारी मनोज पटेल विनोद कनौजिया सुनील वैश्य एवं सुनील कुमार पाल मैदान में होंगे।

कानपुर स्टेशन पर बिना टिकट यात्रियों एवं अनधिकृत वेंडरों के विरुद्ध चला अभियान

संवाददाता। प्रयागराज

मंडल रेल प्रबन्धक प्रयागराज के नेतृत्व में रेल यात्रियों को सुरक्षित सुखद और आरामदायक यात्रा के साथ बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज मंडल में अवैध वेंडरों गंदगी फैलाने वालों टिकट रहित और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों व गाड़ियों में विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलता रहता है। इसी क्रम में शुक्रवार को कानपुर वाणिज्य टीम ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा अनियमित यात्रा एवं अनाधिकृत वेंडरों के विरूद्ध सघन अभियान चलाया गया।

कानपुर सेंट्रल पर गाड़ी संख्या 12488 आनंद विहार टर्मिनल जोगबानी सीमांचल सुपर फास्ट एक्सप्रेस के प्लेटफार्म संख्या छह पर आगमन के समय वाणिज्य टीम ने चेकिंग के दौरान दो अनाधिकृत वेंडरों को खानपान सामग्री के साथ पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल कानपुर को सौंप दिया गया । इन वेंडरों से 08 कार्टून बिसलरी ब्रांड का पानी ज़ब्त कर एलपीओ आफिस में जमा कर दिया गया। इस चेकिंग अभियान में 38 बिना टिकट एवं अनियमित यात्रियों को पकड़ गया और 14850 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। टिकट चेकिंग अभियान के दौरान यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के लिए जागरूक भी किया गया।

प्रयागराज मण्डल में इस तरह के अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे रेल यात्रियों से अपील करता है कि असुविधा से बचने और सम्मान के साथ यात्रा करने के लिए उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करें। यह जानकारी अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मण्डल उत्तर मध्य रेलवे ने दी।

कृषि विकास योजना के तहत किया जाये लाभार्थियों का चयनः डीएम

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति/जिला मिशन समिति एवं डब्लूसीडीसी की बैठक सम्पन्न हुई, परियोजना क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों को उपायुक्त स्वत: रोजगार के माध्यम से चयनित कर लाभ पहुंचाया जायेगा व पं0दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत क्षेत्रफल 800.00 हे0 तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत कुल 70 लघु तालाब पहले आवक पहले पावक के आधार पर ऑनलाईन पंजीकरण के माध्यम से चयन कर किया जायेगा। मनरेगा कन्वर्जेन्स के अन्तर्गत क्षेत्रफल 1497.00 हे0 भूमि सुधार का कार्य विकास खण्ड-घोरावल, नगवॉ एवं चोपन में किया जायेगा, इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त समस्त योजनाओं का पारदर्शिता पूर्वक क्रियान्वयन कराया जाना सुनिश्चित किया जाये, उक्त योजनाओं से सम्बन्धित कार्यों में किसी स्तर पर लापरवाही व शिथिलता न बरती जाये और पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र लाभार्थियों का कृषि विकास के अन्तर्गत लाभार्थियों का चयन पारदर्शिता के साथ किया जाये।

विकसित भारत की संकल्पना दूरस्थ शिक्षा से होगी पूर्णः कुलपति

●प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता। प्रयागराज

2047 तक विकसित भारत की संकल्पना दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ही पूर्ण की जा सकती है। इसमें दूरस्थ शिक्षा माध्यम से जुड़े अध्ययन केंद्र समन्वयकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो सत्यकाम ने शुक्रवार को प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के लिए आयोजित नामांकन संवाद सम्पर्क एवं सम्प्रेषण विषय पर आयोजित कार्यशाला में कहीं।

प्रो सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अपना संपूर्ण योगदान दे रही है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की साक्षरता दर को बढ़ाने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश भर में फैले अपने अध्ययन केंद्रों के माध्यम से महती भूमिका निभा रहा है।

प्रो सत्यकाम ने कहा कि पाठ्य सामग्री के बिना दूरस्थ शिक्षा का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकता। विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में स्व अध्ययन सामग्री लेखन के कार्य में सभी शिक्षक सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति ने छात्रों की समस्याओं के निदान के लिए ग्रीवांस पोर्टल के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल का पर्यवेक्षण वे स्वयं करेंगे। उन्होंने सभी केंद्र समन्वयकों से अपेक्षा की कि वह समर्थ पोर्टल पर विश्वविद्यालय के एक लाख प्रवेश के लक्ष्य को पूरा करने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सीधे संवाद से कई समस्याओं का समाधान हो जाता है।समन्वयकों के सामने जो भी समस्याएं आएंगी। विश्वविद्यालय उनका हर तरह से निदान प्रस्तुत करेगा।

इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी प्रो जेपी यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से योग में डिप्लोमा और प्रमाण पत्र कार्यक्रम फिर से प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लोकप्रिय कार्यक्रम एमए होम साइंस जनवरी 2025 में पुन प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर केन्द्र समन्वयक प्रो मान सिंह डॉ वीरेंद्र मिश्रा डॉ राम लखन पाल डॉ गया प्रसाद गुप्ता डॉ धीरज सिंह डॉ मुनेश गुप्ता आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किये। केंद्र समन्वयकों ने विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कुलपति प्रो सत्यकाम का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया।

प्रारम्भ में कार्यशाला की रूपरेखा तथा अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय केन्द्र प्रभारी डॉ दिनेश सिंह ने किया। डॉ जी के द्विवेदी ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर कुलगीत निकेत सिंह डॉ स्मिता अग्रवाल एवं धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह ने किया। विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो सत्यकाम तीन अगस्त को कानपुर चार अगस्त को झांसी पांच अगस्त को आगरा छह अगस्त को बरेली तथा सात अगस्त को लखनऊ क्षेत्र केंद्र में अध्ययन केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

क्विक न्यूज

स्रोतों को जानने समझने और परखने की आवश्यकताः पांडेय

प्रयागराज। मध्यकालीन इतिहास विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज के द्वारा शुक्रवार को भारतीय इतिहास लेखनः श्रोत संदर्भ और व्याख्याएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ निर्मल कुमार पांडेय असिस्टेंट को ऑर्डिनेटर इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च नई दिल्ली ने इतिहास लेखन इतिहास के स्रोत स्रोतों का स्रोत देश काल परिस्थितियों में स्रोतों का प्रयोग तथ्य जो अभी तक प्रकाश में नही आए। उस तरह के तथ्यों के प्रयोग से क्या बदल सकता है पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास लेखन में हो हो हॉप ऑन हॉप ऑफ और स्पॉट लाइट पद्धति के प्रयोग से बचना चाहिए। उन्होंने स्रोतों को जानने समझने और परखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया ताकि दबे हुए इतिहास के उन पहलुओं को भी मुख्यधारा में लाया जा सके। जिन्हें इतिहासकारों ने या तो राष्ट्रीय इतिहास में कम स्थान दिया या फिर बिल्कुल ही भुला दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन विभाग के संयोजक डॉ नीरज कुमार सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिबाला द्वारा दिया गया। व्याख्यान के अवसर पर डॉ मुनीद्र कुमार शुक्ल डॉ अखिलेश कुमार यादव डॉ अरुण वर्मा डॉ रविन्द्र प्रताप सिंह डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव शोध छात्र विनय कुमार हिन्द अर्जुन पांडेय सागर वर्मा मीनाक्षी पांडे अतुल सिंह चंदेल समेत अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

सांसद संगीता बलवंत ने उठाया अंधुऊ हवाई पट्टी का मुद्दा

गाजीपुर। आम बजट 2024-25 पर चर्चा में भाग लेते हुए राज्यसभा सांसद डा. संगीता बलवंत ने अपने गृह जनपद की तरफ केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि गाजीपुर - मऊ मार्ग पर ग्रामसभा अंधुऊ में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 63 एकड़ में हवाई पट्टी बनायी गई थी जो आज भी सक्रिय है। संगीता बलवंत ने सरकार की महत्वाकांक्षी उड़ान योजना के तहत विमान सेवा स्थापित कराने की माँग रखी। साथ ही संगीता बलवंत ने कहा कि विमान सेवा शुरू होने से जनपद के साथ साथ जनपद मऊ, बलिया, आज़मगढ़,चंदौली तथा सीमावर्ती बिहार प्रांत के कई जिले के लोगों को आवागमन हेतु सुविधा प्राप्त होगी। उन्हों ने कहा की पूर्ववर्ती सरकारों को आईना दिखाते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा कि आजादी के 67 साल 2014 से पहले सम्पूर्ण भारतवर्ष में मात्र 74 एयरपोर्ट थे । 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में पिछले 10 वर्षों में एयरपोर्टों की संख्या में दोगुनी वृद्धि हुई और एयरपोर्टों की संख्या बढ़कर 148 हो गई हैं।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बीजपुर, सोनभद्र। पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देशो के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र ने वारंटीयों व मादक पदार्थों के अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसने के लिए थाने के उपनिरीक्षको के नेतृत्व में अलग-अलग टीमें बनाई हैं ।जिसमें प्रथम टीम का नेतृत्व कर रहे उपनिरीक्षक सूखखुराम यादव ने गुरुवार को अपराहन हमराहियों के साथ ढाई बजे जनपद सोनभद्र के थाना बभनी के अंतर्गत स्थित सांगोबांध बाजार परिषद मे मौजूद आर्यावर्त बैंक के समीप से 40 वर्षिय प्रेमचंद्र रौनियार पुत्र मंगरू नामक वारंटी को गिरफ्तार करने मे कामयाबी हासिल की हैं ।गिरफ्तार किये गए वारंटी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। वारंटी के ऊपर न्यालय मे 3/25 आर्म्स एक्ट का मुकदमा चल रहा था ।समय से न्यायालय में उपस्थित न होने के कारण आरोपी के ऊपर न्यालय द्वारा वारन्ट जारी किया गया था ।

शायर रिंद बनारसी को साहित्यकारों ने किया याद

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वाधान में दो अगस्त पुण्य तिथि पर शायर रिंद बनारसी को साहित्यकारों ने कचहरी परिसर सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में आयोजन कर याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेंद्र संपादक असुविधा पत्रिका व गीतकार जगदीश पंथी मुख्य अतिथि ने रिंद साहब के चित्र पर माल्यार्पण व शमां रौशन कर विधिवत शुभारंभ किया। रिंद बनारसी के पुत्र शायर जुल्फिक्कार हैदर ने नम आंखों से पुष्प अर्पित किए और उनकी स्मृतियों को साझा करते हुए भावुक हो गए।दिवाकर द्विवेदी मेघ, प्रभात सिंह चंदेल, शकेश शरण मिश्र नोटरी अधिवक्ता, जयराम सोनी, कवयित्री कौशल्या चौहान, धर्मेश चौहान, दयानंद दयालू ,दिलीप सिंह, दीपक, मदन चौबे, सुधाकर स्वदेशप्रेम ने उनके कृतित्व व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए सजल नेत्रों से उनकी ग़ज़लों पर प्रकाश डाला। गीतकार जगदीश पंथी ने सच्चे आम आदमी से जुड़े गजल गो रिंद साहब की शायरी जो सीधे दिल में उतर जाती थी बताया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन कर रहे निदेशक शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने कविता,,,रिंद वंशज मेरे पूज्य को है नमन, शब्द सुमनों से मैं कर रहा हूं वंदन। पुण्य तिथि पर समर्पित है श्रद्धांजली, तुम खुदा रूप तेरा तुझको है अर्पण। सुनाकर भाव विभोर होकर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की।

विभिन्न मांगों को लेकर एनएचएम संविदा कर्मियों ने सीएमओ को सौंपा पत्र

संवाददाता। गाजीपुर

एनएचएम संविदा कर्मचारी जो अपने कई मांगों को लेकर पिछले 26 जुलाई से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में संविदा कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अपनी मांगों से संबंधित एक पत्र सौपा। संविदा कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष राघवेंद्र शेखर सिंह ने बताया कि उ0प्र0राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ(रजि0) के बैनर तले प्रदेष भर के लगभग 1.50 लाख की संख्या में संविदा कर्मचारी संगठित हैं। समस्त संविदा कर्मचारियों द्वारा वैश्विक महामारी में शहर से लेकर गाँव तक समुदाय के अन्तिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा को पहुंचाने में जीवन तक कुर्बान करते हुये अतुलनीय योगदान दिया है, जिसको कभी भुलाया नहीं जा सकता हैं।

महोदय स्वास्थ्य विभाग के एनएचएम संविदा कर्मचारियों के भविष्य को सुदृढ़ करने हेतु आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया संगठन की समस्त 15 सूत्रीय प्रमुख जायज मांगों को लेकर पत्र सौंपा गया है। उन्होंने अपने मुख्य मांगों में म्यूचुअल एवं रिक्त पदों पर गैर जनपद स्थानान्तरण का अनुमोदन एवं संविदा कर्मचारियों हेतु भी प्रत्येक वर्ष स्वयं के अनुरोध पर गैर जनपद स्थानान्तरण नीति को लागू किया जाये। केन्द्र सरकार से उत्तर प्रदेश को आवंटित अतिरिक्त 3: प्राप्त बजट से वेतन विसंगति का निस्तारण कर वेतन वृद्धि की जाये।

बढ़ती हुई महंगाई के दृष्टिगत संविदा कर्मचारियों हेतु म्च्छ, ग्रेड-पे ।(मंहगाई भत्ता) लागू किया जाये। प्रदेश के शेष 35 जनपदों के डाटा आपॅरेटर को जिला स्वास्थ्य समिति में समायोजित किया जाये। पी0बी0आई0 उनके मानदेय में जोड़ा जाये(बिहार राज्य के अनुसार)। नियमित पदों के सापेक्ष होने वाली भर्ती प्रक्रिया में स्टॉफ नर्स की भाँति अन्य समस्त संविदा कर्मचारियों को भी भारांक/वरीयता दिया जाये।

ट्रक चालकों की सुविधा के लिए बना विश्राम कक्ष

सोनभद्र। रेणुसागर पावर डिवीजन स्थित कोल गेट ट्रक पार्किंग एरिया में ट्रक चालकों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए यूनिट हेड आर पी सिंह द्वारा चालकों के उपस्थिति में फीता काट कर आराम कक्ष का उद्घाटन किया गया। यूनिट हेड ने चालकों को समझाते हुए कहा कि रेणुपावर प्रबंधन ने आप सभी के सुरक्षा का सदैव ध्यान रखा है, और यह आराम कक्ष आप सभी के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। इसमें बैठने, सोने, स्नान इत्यादि की पूरी व्यवस्था है। आराम कक्ष होने से चालकों में बहुत ही प्रसन्नता है और इसकी भूरि भूरि प्रशंसा कर रहे है। इस अवसर पर एच आर हेड श्री शैलेश सिंह ने चालकों से कहा की जिस प्रकार आप लोग परिश्रम करते है ,इसके लिए आराम कक्ष बहुत ही अच्छा रहेगा। इस मौके पर आर मृदुल भारद्वाज, सिविल से शशिकांत,डी पी सिंह, सतनाम सिंह, कैप्टन रोहित फासी, दुबे, ए डी पांडेय, सदानंद पांडे,सूरज, जैनुल आदि मौजूद रहे।

बिजली तारों के टकराने से प्रभावित हुए चार बच्चे, डीएम ने ली जानकारी

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने जनपद के तहसील जलालपुर क्षेत्र के थाना मालीपुर अंतर्गत स्थित ग्राम पंचायत टिकरी में 11000 वोल्ट के विद्युत तार व 440 वोल्ट के विद्युत तार के आपस में टकराने के कारण विद्युत स्पर्शाघात से प्रभावित बच्चा सत्यम पुत्र सतगुरु का ज्योतिबा फुले संयुक्त जिला चिकित्सालय के बर्न वार्ड पहुंचकर चिकित्सकों से स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त घटना में कुल चार बच्चे प्रभावित हुए थे, जिसमें से तीन बच्चों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उपचार के उपरांत स्वास्थ्य ठीक होने पर घर भेज दिया गया तथा सत्यम का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। जिसके संबंध में चिकित्सकों द्वारा अवगत कराया गया है कि बच्चा पूर्ण रूप से ठीक है तथा बच्चे को इंफेक्शन से बचाव व सुरक्षा के दृष्टिगत अभी चिकित्सालय में चिकित्सकों के निगरानी में रखा गया है जिसे चिकित्सकों के अनुरूप सही होने पर घर भेज दिया जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक ने किया विवि परीक्षाओं का औचक निरीक्षण

संवाददाता। गाजीपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के नवागत परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनोद कुमार सिंह गुरुवार को विश्वविद्यालय परीक्षाओं का औचक निरीक्षण के क्रम में अलग-अलग परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इसी क्रम में वह स्नातकोत्तर महाविद्यालय भी पहुंचे। बताते चलें कि बी0एड0 सेकेंड सेमेस्टर एवं अन्य विषयों के सेमेस्टर की परीक्षाएं वर्तमान में चल रही है। सुचिता पूर्ण परीक्षा संपन्न हो, इसके दृष्टिगत डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने संबद्ध कॉलेजों का औचक निरीक्षण किया।

गुरुवार को परीक्षाओं की तैयारियों और अन्य मानकों की जांच के क्रम में डॉक्टर विनोद कुमार सिंह पी0 जी0 कॉलेज भी पहुंचे। उन्होंने परीक्षा कक्ष का स्वयं निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान महाविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं के लिए की गई तैयारी की उन्होंने सराहना की। डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने पी0 जी0 कॉलेज प्रशासन की ओर से सीसीटीवी कैमरे आदि की व्यवस्था को भी देखकर संतुष्ट दिखे। उन्होंने कहा कि पी जी कॉलेज की तरह ही जनपद के अन्य संबद्ध कॉलेजों को भी पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपन्न करनी चाहिए। परीक्षा संबंधित सभी दस्तावेजों को नियमानुसार सुरक्षित रखा जाना चाहिए। जांच के क्रम में उन्होंने प्रश्न पत्र कोठार एवं उत्तर पुस्तिका कोठार का भी निरीक्षण किया।

जांच में विनोद कुमार सिंह को सभी तैयारी मानक के अनुरूप लगी। इसके उपरांत परीक्षा नियंत्रक महाविद्यालय के शोध ग्रंथालय का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आगंतुक पुस्तिका में अपना संदेश भी लिखा। निरीक्षण की समाप्ति के बाद प्राचार्य कक्ष में स्मृति चिन्ह देखकर परीक्षा नियंत्रक को सम्मानित भी किया गया।

बताते चले कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बीते शनिवार को विनोद कुमार सिंह ने परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रभारी परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह ने उन्हें कार्यभार सौंपा। इसके पूर्व वह लखनऊ विश्वविद्यालय में कुल सचिव पद पर कार्यरत थे।विनोद सिंह के परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारिओं की शिष्टाचार बैठक आहुत की थी।परीक्षा नियंत्रक ने केन्द्रीय शोध ग्रंथालय का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्रीय शोध ग्रंथालय में रखे आगंतुक संदेश पुस्तिका में अपना संदेश भी लिखा।

निरीक्षण के अंत में परीक्षा नियंत्रण को स्मृति चिन्ह देखकर प्राचार्य कक्ष में सम्मानित किया गया। पी जी कालेज में दूसरी पाली में हो रही परीक्षाओं का परीक्षा नियंत्रक द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रोफे0 (डॉ0) एस0 डी0 सिंह, प्रोफे0 (डॉ0) अवधेश सिंह, प्रोफे0 (डॉ0) एस एन सिंह, डॉ0 लवजी सिंह, डॉ0 रामदुलारे, डॉक्टर योगेश कुमार, डॉक्टर अमरजीत सिंह, डॉक्टर धर्मेन्द्र, डॉक्टर अशोक कुमार, डॉक्टर मनोज कुमार मिश्र, अरूण कुमार सिंह के साथ ही परीक्षा विभाग से संबद्ध अन्य प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

अधीक्षक की गैर मौजूदगी में चिकित्सकों की मौज ही मौज

मड़िहान, मिर्जापुर। मड़िहान कस्बे में स्थिति मड़िहान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाल वगैर महावत के हाथी जैसे हो गया है। ज्यादातर स्वास्थ्य कर्मी मनमानी ढंग से कार्य करने पर उतारू हैं। पर्ची काटने वाले की जगह पर कूक कार्य कर रहा है। कूक के जगह पर सफाई कर्मी, मरीजों को अपने पर्ची पर स्त्री लिंग के जगह पुरूष लिंग, पुरूष लिंग के जगह पर स्त्री लिंग नाम प्राप्त हो रहा है। डाक्टरों के परामर्श के समय मरीजों को हलकानी हो रही है। सूत्रों की मानें तो सभी चिकित्सक सीएचसी पर मौजूद नहीं रहते। चिकित्सको के गैरमौजूदगी के बाबजूद भी हाजिर पंजिका उनके नामों से दुरूस्त पाई जाती है। डाक्टर पंकज ज्यादातर गैरहाजिर रहते हैं। इनके नाम से हाजरी पंजिका हमेशा मेनटेन पाया जाता है।मौजूद चिकित्सकों का गैर जिम्मेदाराना रवैया खूलेआम बाहर की दवा व जांच के लिए मरीजों को मजबूर कर दे रहा है। और आलम यह है कि अस्पताल में जगह-जगह गंदगी देखी जा रही है। जांच के कमरे की तरफ जाते समय मरीजों व तिमारदारों को नाक ढकना पड़ है। अस्पताल में आसानी से फिनायल मुहैया होने के बाबजूद भी छिड़काव नहीं कराया जाता । अस्पताल में मरीजों के साथ आये तीमारदारों को बिमारी की आंशका सताने लगती है। सफाई को लेकर एनम की प्रशिक्षण लेने वाली प्रशिक्षु शिकायत कर चुकी है। इन लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश किया गया था। कुछ प्रशिक्षु आधे में प्रशिक्षण छोड़ कर घर जाने के लिए तैयार हो गई थी। किसी तरह इस मामले को शांत कराया गया। बिना मुखिया के अस्पताल के कर्मचारियों में अपने ज़िम्मेदारियों को लेकर लापरवाही करते देखा जा रहा है। विगत कुछ माहों से सीएचसी के अधिक्षक पद का कार्य भार अपर चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश यादव सम्भाल रखें है अपर चिकित्सा अधिकारी होने के कारण पुरे जनपद की चिकित्सा प्रबंधन व्यवस्था इनको देखनीं पड़ती है। सीएचसी पर हमेशा उपलब्ध नहीं हो पाते ।

आग लगने से झोपड़ी जलकर हुई राख 3 भैसों व 6 बकरियों की मौत

गाजीपुर। जनपद के नगसर थाना क्षेत्र के अवंती गांव में बीते गुरूवार की देर रात्रि को रीता देवी के एक निजी गौशाला में अज्ञात कारणों से आग लगने से झोपडी जलकर राख हो गई,जबकि आग की चपेट में आने से तीन भैंसे एवं छह बकरियां झुलसकर मर गई। इस भीषण अगलगी में जानवरों का चारा,कपडा, आदि अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया, इस अगलगी में पिडित परिवार को करीब तीन लाख रूपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है,आग लगने की सूचना पर शुक्रवार को लेखपाल आशुतोष कुमार मौके पर पहुंच नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिया। वहीं पिडित व ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक शशिभूषण कुमार ने मौके पर मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया,इसके बाद मृत जानवरों को सुरक्षित जगहों पर दफन कर दिया गया। अंवती गांव निवासी रीता देवी ने बताया कि वह रोज की तरह शाम को जानवरों को चारा खिलाने एवं दूध दूहने के बाद अपने निजी गौशाला में जानवरों को बांधने के बाद खुद भी भोजन कर सोने चली गई, उन्होंने बताया कि इसी दौरान देर रात को शोर सुनकर जब वह कमरें से बाहर आई तो देखा की उसके निजी गौशाला की झोपड़ियां धू-धूकर जल रही है। कडीं मशक्कत के करीब घंटे भर बाद आग पर काबू पाया जा नुकसान के सर्वे रिपोर्ट लेखपाल के द्वारा मिलते ही पीड़ित परिवार को जल्द सरकारी सहायता दी जाएगी।

वायनाड त्रासदी

पर्यावरणीय चेतावनी

वायनाड त्रासदी पर्यावरणीय चेतावनी अनदेखा करने के खतरनाक नतीजे प्रदर्शित करती है। लेकिन भारत में दुर्भाग्य से त्योहारों से लेकर त्रासदी तक हर चीज के 'राजनीतीकरण' की बुरी आदत विकसित हुई है और इसका प्रयोग विरोधियों के खिलाफ अवसर के रूप में किया जाता है। केरल के वायनाड में त्रासद भूस्खलन से 170 से अधिक लोगों की जानें गई हैं, लेकिन इसका भी राजनीतिक प्रयोग हो रहा है। इसने राज्य और केन्द्र सरकार के नेताओं के बीच गर्मागर्म बहस को जन्म दिया है। इस त्रासदी में जीवन और संपत्ति का भारी विनाश हुआ है और इसने आपदा के लिए तैयारी तथा पर्यावरणीय अनदेखी जैसे मुद्दों को सामने ला दिया है। भूस्खलन के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य सरकार को जल्दी चेतावनी मिल गई थी, पर वह आवश्यक बचाव के उपाय करने में विफल रही। उन्होंने लापरवाही के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए संकेत किया कि यदि समय पर कार्रवाई की गई होती तो अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता था। इस पर केरल के मुख्यमंत्री पिनारई विजयन ने फौरन शाह के दावों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी उपलब्ध चेतावनियों पर कार्रवाई की और उसने संभावित प्राकृतिक आपदा का प्रभाव कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए थे। विजयन ने जोर दिया कि भूस्खलन की अभूतपूर्व विकरालता शीघ्र चेतावनियों के अनुमान से बहुत अधिक थी और राज्य के आपदा प्रबंधन बलों ने अथक रूप से स्थिति से निपटने के प्रयास किए। इस टकराव से कुछ हासिल नहीं हुआ। इससे न घायल लोगों को राहत मिली और न भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किसी कार्ययोजना पर विचार हुआ। लेकिन इस प्रकार की बयानबाजी से केन्द्र और राज्य सरकारों ने स्वयं को 'क्लीन चिट' देने का प्रयास जरूर किया।

यह त्रासदी आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को उजागर करते हुए राज्य और केन्द्र सरकारों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता रेखांकित करती है। वायनाड त्रासदी ने पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति की अनदेखी पर व्यापक विमर्श की आवश्यकता भी उजागर की है। केरल सरकार इस बात की दोषी है कि उसने 'पश्चिमी घाटों' पर बेलगाम विकास की अनुमति दी है, जबकि यह देश का एक सर्वाधिक संवेदनशील परिस्थितिकी तंत्र है। बार-बार आने वाली विभीषिकाओं के बावजूद केरल सरकार 'विकास' के नाम पर गैर-टिकाऊ गतिविधियां जारी रखे है। इसके कारण भूमि प्रयोग बदलने से घना वृक्षाच्छादन नष्ट हुआ है। इसने सदाबहार जलधाराओं व नदियों को मौसमी बना दिया है तथा मानसून के मौसम में बाढ़ आने का खतरा बढ़ा है। वायनाड भूस्खलन पर्यावरणीय संकेतों की अनदेखी करने के खतरनाक परिणामों की चेतावनी है। निर्वनीकरण व अनियोजित निर्माण ने वायनाड जैसे क्षेत्रों में प्राकृतिक विभीषिकाओं का खतरा पैदा कर दिया है। वायनाड भूस्खलन आपदा प्रबंधन में जवाबदेही तथा सक्रिय कदमों का महत्व भी उजागर करता है। ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से यह हमारे पर्यावरण के सम्मान और देखभाल की आवश्यकता उजागर करता है। जंगल मिट्टी को स्थिर रखने तथा जल-चक्र को नियमित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। निर्वनीकरण से परिस्थितिकी तंत्र बाधित होते हैं जिनसे भूस्खलन जैसी घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। वायनाड त्रासदी सरकारों, समुदायों और आम जनता का आह्वान करती है कि वे हम सबका अस्तित्व बनाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता प्रदान करें।

कौशल व रोजगार को प्राथमिकता

युवा सशक्तीकरण के लिए सरकार ने तीन परिवर्तनकारी योजनाओं की घोषणा की है। इनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में कौशल का विकास करना है।

दिनेश सूद
(लेखक, कौशल संवर्धन क्षेत्र से संबद्ध हैं)

केंद्रीय बजट की नौ सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इस दृष्टिकोण से कौशल विकास के लिए तीन योजनाओं की घोषणा की गई है। पहली योजना में उच्च कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए अधिकतम कर्ज प्रदान करना है। इसके लिए संशोधित 'आदर्श कौशल कर्ज योजना' लाई गई है जिसमें प्रति वर्ष 1.5 प्रतिशत के ब्याज पर 1.5 लाख से लेकर 7.5 लाख रुपये तक कर्ज का प्राविधान किया गया है। इस योजना से युवाओं के सशक्तीकरण की उम्मीद है। इससे उनको उत्कृष्ट स्तर के कौशल पाठ्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाई जाएगी। इससे योग्य छात्रों के सामने आने वाली वित्तीय बाधायें काफी सीमा तक हटाने तथा उम्मीदवारों को भविष्योन्मुखी और उद्योगों में वांछित कौशल प्रदान करने में सहायता मिलेगी। इससे भविष्य के लिए तैयार और सशक्त कार्यबल तैयार होगा।

कौशल संवर्धन कर्ज बाजार में गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों-एनबीएफसी व माइक्रो-फाइनेंस संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए कौशल विकास एवं रोजगार मंत्रालय-एमएसडीई ने योजना में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। इस योजना में एनबीएफसी, माइक्रो फाइनेंस संस्थानों तथा छोटे फाइनेंस बैंकों को शामिल कर गारंटी के आधार पर कर्जों की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत कर्ज का 75 प्रतिशत हर साल 25,000 उम्मीदवारों को 7.5 लाख तक का कर्ज बिना किसी गारंटी के दिया जाएगा। इसका अर्थ है कि सरकार अपनी ओर से ऐसे कर्जों की गारंटी लेगी। सरकार ने यह तथ्य स्वीकार किया है कि बिना जीवन्त कौशल कर्ज बाजार के अनेक नौजवान तथा इच्छुक उम्मीदवारों को आवश्यक वित्तीय समर्थन नहीं मिल पाता है जिसके कारण वे अपना कौशल संवर्धन तथा कौशल प्रशिक्षण नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

कुशल क्षेत्र को कर्ज का निरंतर व सहज प्रवाह सुनिश्चित करने तथा कम आय वाले नौजवानों को विशेष कौशल पाठ्यक्रमों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एमएसडीई ने पहले जुलाई, 2015 में क्रेडिट गारंटी फंड योजना शुरू की थी, लेकिन यह योजना अपनी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

पिछले दशक में इस योजना के अंतर्गत पैसे का कम प्रयोग कर्ज का 1.5 लाख रुपये तक सीमित आकार था, हालांकि मुद्रास्फीति के कारण पाठ्यक्रमों का खर्च और फीस बढ़ी थी। इसके कारण बहुत से अधिक खर्च वाले पाठ्यक्रमों को योजना से बाहर रखना पड़ा था। इसके साथ ही सरकार-प्रायोजित योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए निजी बैंकों में इच्छाशक्ति जगाना जरूरी था। 31 मार्च, 2024 तक पिछले दशक में इस योजना के अंतर्गत 10,077 कर्ज लेने वालों को केवल 115.75 करोड़ रुपये कर्ज ही दिया जा सका था। लेकिन नई माडल कौशल कर्ज योजना से सरकार की इस मुद्दे के प्रति अडिग प्रतिबद्धता प्रकट होती है जिसका उद्देश्य तेज गति से होने वाले तकनीकी परिवर्तनों को देखते हुए उच्च कौशल वाला कार्यबल तैयार करना है।

वर्तमान समय में मांग किए जाने वाले प्रासांगिक कौशलों को प्राप्त करने का खर्च काफी अधिक है। तथाकथित कुशल कार्यबल का केवल 5 प्रतिशत ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है। इससे कौशल की कमी व्यापक रूप से सामने आती है जिसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए। हालांकि, हर साल स्कूलों में 26.5 करोड़ बच्चे प्रवेश लेते हैं, पर उच्च शिक्षा तक पहुंचने पर उनकी संख्या घट कर केवल 4.3 करोड़ रह जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-एनईपी 2020 के अनुसार स्कूली शिक्षा पास करने वाले अतिरिक्त पांच करोड़ बच्चों को उच्च शिक्षा के दायरे में लाया जाना चाहिए। इसके लिए न केवल प्रत्येक व्यक्ति की कौशल शिक्षा तक पहुंच होनी चाहिए, बल्कि ग्रामीण भारत के छात्रों की बड़ी संख्या को इसके दायरे में लाना होगा।

इस कमी को दूर करने के लिए आदर्श कौशल कर्ज योजना न केवल एक समाधान है, बल्कि यह आवश्यकता और तात्कालिक कदम है। कौशल अर्थव्यवस्था लगातार बाजार-संचालित होती जा रही है जिनमें नए युग के शिक्षण को कौशल विकास परिस्थितिकी से जोड़ा जाता है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के नौजवान कौशल संवर्धन एवं आजीविका में सुधार के अवसरों की पहचान करते हैं। ऐसे में आदर्श कौशल कर्ज योजना जैसी पहल अपने दरवाजे अनेक कौशल पाठ्यक्रमों के लिए खोलती है जिसमें स्वास्थ्यरक्षा, सौंदर्य-बेहतरी, आईटी, एआई-डेटा साइंस, क्लाउड प्रयोग, डिजिटल मार्केटिंग, अतिथि सत्कार क्षेत्र, एनीमेशन, गेमिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग तथा ड्रोन टेक्नोलोजी शामिल हैं। उद्योगों की बदलती गतिशीलता से संचालित ये पाठ्यक्रम बड़ी संख्या में नौकरियों के अवसर प्रदान करते हैं तथा वैश्विक स्तर पर नौकरियों की संभावनायें खोलते हैं। इससे नौजवानों को भविष्य के दरवाजे खोलने तथा अंतरराष्ट्रीय कॅरियर विकल्प खोजने में सहायता मिलती है।

दूसरी योजना का लक्ष्य अगले पांच साल में 20 लाख नौजवानों का कौशल संवर्धन करना है। कुल 60,000 करोड़ रुपये के आबंटन वाली इस योजना का लक्ष्य इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों-आईटीआई का 'हब एंड स्पोक' व्यवस्था के अंतर्गत उच्चीकरण करना है जिससे उन्मुखीकरण में सुधार होगा। यह एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका लक्ष्य नौजवानों को विशिष्ट-उद्योग कौशलों से समृद्ध कर उनको ज्यादा रोजगारों के उपयुक्त बनाना है। इसके लिए पाठ्यक्रम की विषयवस्तु व डिजाइन को उद्योगों की कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप उच्चीकृत करना होगा। उदाहरण के लिए, उभरते आईटी क्षेत्र को साइबर सुरक्षा या डेटा विश्लेषण कौशलों की आवश्यकता है जिनको पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। बजट में शामिल तीसरी योजना का उद्देश्य युवाओं को समग्र रूप से कौशल प्रदान करना है ताकि नौजवानों को सर्वोच्च 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर मिल सकें। इस प्रकार की पहली योजना में अगले पांच साल में एक करोड़ नौजवानों को शामिल किया जाएगा। यह नौजवानों में बेरोजगारी समस्या का समाधान करने में गेमचेंजर हो सकती है। इस इंटर्नशिप योजना का खोजी दृष्टिकोण और संभावित प्रभाव इसे युवा जनसंख्या को भावी रोजगार दिलाने में प्रकाश की किरण जैसा है। इससे युवा बेरोजगारी दरों में काफी कमी आने की उम्मीद है। लेकिन इंटर्नशिप करना कठिन है क्योंकि इससे निराशा और हताशा का दुष्चक्र पैदा हो सकता है। एमबीए, इंजीनियरिंग, आदि पेशेवर डिग्री वाले छात्रों को स्नातक के बाद अच्छी नौकरियां व इंटर्नशिप प्राप्त करने में आसानी होगी। लेकिन यह परिदृश्य उन स्नातकों के लिए ज्यादा कठिन होगा और उनको नौकरियों के अयोग्य बनाएगा जो मानविकी विषयों से स्नातक होंगे और उनके पास बाजार के उपयुक्त तत्काल कोई कौशल उपलब्ध नहीं होगा।

प्रमुख कंपनियों में विभिन्न विषयों में शिक्षित युवा स्नातकों को इंटर्नशिप प्रदान करने वाली यह योजना एक 'गेम चेंजर' साबित हो सकती है। लेकिन इसके लिए योजना का समुचित व प्रभावी क्रियान्वयन बहुत जरूरी होगा। इसके लिए बड़ी कंपनियों को मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी और सरकार को इसके लिए उनको प्रेरित करना होगा। शायद भविष्य में सरकार इस योजना का दायरा बढ़ाने और कंपनियों के लिए इंटर्नशिप देना अनिवार्य करने पर विचार कर सकती है। कम से कम यह एक आकार से बड़ी कंपनियों के लिए अनिवार्य किया जा सकता है। सरकार इस उद्देश्य से कुछ विशिष्ट मानक भी निर्धारित कर सकती है।

कपंनियां अपने कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड-सीएसआर के अंतर्गत हर साल निश्चित संख्या में इंटर्न लेने की व्यवस्था कर सकती हैं। इस फंड से वे इंटर्नशिप के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की फंडिंग कर सकती हैं। ये फंड कंपनियों की पहल पर पर्यावरणीय व सामाजिक बेहतरी के लिए खर्च किए जाते हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से इस योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली इंटर्नशिप से नौजवानों में नौकरियां प्राप्त करने की क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान प्राप्त अपने सटीक अनुभव के आधार पर वे रोजगार प्राप्त करने में सफल होंगे। लेकिन रोजगार व नौकरी योग्य कौशल प्रदान करने में योजना का क्रियान्वयन, प्रभावशीलता व जवाबदेही सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगी।

भारत का संतुलनकारी राजनय

भारत सरकार पिछले महीने राष्ट्रपति पुतिन के साथ पीएम मोदी की बैठक के बारे में अमेरिका और यूरोपीय चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रही है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

एक तरह से संतुलन बनाने की कोशिश में, भारत सरकार पिछले महीने राष्ट्रपति पुतिन के साथ पीएम मोदी की बैठक के बारे में अमेरिका और यूरोपीय चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रही है, जब कई नेता नाटो शिखर सम्मेलन के लिए वाशिंगटन में एकत्रित थे। राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को में पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए एक अतिरिक्त कदम उठाया, जो भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के बारे में अमेरिका को एक मजबूत संदेश देता है।

अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों ने पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा में शामिल दिखावे पर गहरी चिंता व्यक्त की, जबकि उन्होंने दोहराया कि कुछ भी महत्वपूर्ण हासिल नहीं हुआ। रूस के साथ द्विपक्षीय संबंध एक कठिन रस्सी है, जिस पर भारत पिछले दशकों में अमेरिका के साथ अपने बढ़ते जुड़ाव के बावजूद सावधानी से चलने में कामयाब रहा है। इसलिए, इस सप्ताह टोक्यो में क्वाड विदेश मंत्रियों का सम्मेलन, जिसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्ष एंथनी ब्लिंकन से मुलाकात की, महत्वपूर्ण था। संयुक्त बयान में स्पष्ट शब्दों में यूक्रेन में रूस की कार्रवाई की निंदा की गई, शायद पहली बार इस तरह के बहुपक्षीय आधिकारिक संचार में शामिल हुआ।

संयुक्त बयान में कहा गया, हम यूक्रेन में चल रहे युद्ध और उसके भयानक और दुखद मानवीय परिणामों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप व्यापक, न्यायसंगत और स्थायी शांति की आवश्यकता को दोहराते हैं, जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान सहित संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और

सिद्धांतों के अनुरूप हो। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों और बाद में सार्वजनिक संदेशों में भी युद्ध के मैदान से दूर यूक्रेन संकट का स्थायी समाधान खोजने की आवश्यकता का उल्लेख किया था, साथ ही रूस द्वारा बच्चों के अस्पताल सहित लगभग 41 लोगों की हत्या करने वाले हमले की निंदा की थी। पीएम मोदी ने कहा, चाहे युद्ध हो, संघर्ष हो या आतंकवादी हमला हो, मानवता में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति जान गंवाने पर दुखी होता है। लेकिन उसमें भी जब मासूम बच्चों की हत्या होती है, तो दिल दुखता है और वह दर्द बहुत भयानक होता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने पीएम मोदी की रूस यात्रा की निंदा की है। सरकारी अधिकारियों ने अब संकेत दिया है कि पीएम भू-राजनीतिक गतिशीलता को संतुलित करने और भारत और यूरोप के संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए अगस्त में यूक्रेन की यात्रा कर सकते हैं। इस बीच, क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में गाजा संकट और लाल सागर क्षेत्र में इसके फैलाव पर ध्यान केंद्रित करना जारी रहा, जिससे लोगों के जीवन पर असर पड़ रहा है और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है।

विदेश मंत्रियों ने संयुक्त रूप से संवाद किया, हम सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून भी शामिल है, का पालन करने का आग्रह करते हैं। हम यूएनएससी संकल्प का स्वागत करते हैं और सभी संबंधित पक्षों से सभी बंधकों की रिहाई और तत्काल युद्धविराम की दिशा में तुरंत और लगातार काम करने का आग्रह करते हैं।

हम सभी पक्षों से सहायता कर्मियों सहित नागरिकों के जीवन की रक्षा करने और मानवीय राहत के तेजी से परिवहन की सुविधा के लिए हर संभव कदम उठाने का आह्वान करते हैं। हम इंडो-पैसिफिक सहित अन्य देशों को भी प्रोत्साहित करते हैं कि वे जमीन पर गंभीर मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाएं। हम इस बात पर जोर देते हैं कि गाजा पट्टी के भविष्य की बहाली और पुनर्निर्माण को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा समर्थन दिया जाना चाहिए। हम दो-राज्य समाधान के हिस्से के रूप में इजरायल की वैध सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए एक संप्रभु, व्यवहार्य और स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इजरायल और फिलिस्तीनियों दोनों को न्यायपूर्ण, स्थायी और सुरक्षित शांति में रहने में सक्षम बनाता है।

भारत इस साल होने वाले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा, हालांकि, नवंबर में होने वाले महत्वपूर्ण अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव इस समय के प्रमुख निर्धारक होंगे। राष्ट्रपति बिडेन जिन्होंने अतीत में ज्यादातर क्वाड कथा को आकार दिया है, वे चार के इस समूह पर एक स्थायी छाप छोड़ना चाहेंगे।

आप की बात

कोटे के भीतर कोटा

सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपश्रेणियां बनाने, यानी कोटे के भीतर कोटा बनाने की अनुमति राज्यों को दे दी ताकि इन वर्गों में अधिक पिछड़ी जातियों को लाभ मिले। यह फैसला आरक्षण व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ में 6:1 के बहुमत से दिए गए फैसले से जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी ने असहमति व्यक्त करते हुए राज्यों को यह अधिकार देना गलत माना। एससी-एसटी में भी ओबीसी की तरह क्रीमी लेयर लागू करने और आरक्षण को एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे अलग-अलग सुझाव दर्ज भी बहुमत से फैसला देने वाले न्यायाधीशों द्वारा दर्ज कराए गए। क्रीमी लेयर व आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे सुझावों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए। आरक्षण का यही सबसे स्याह पहलू है कि आजादी के बाद से ही आरक्षण का फायदा उठाने वाले अब भी आरक्षण को यथावत जारी रखना चाहते हैं। इसी वजह से आरक्षण का 75 प्रतिशत से अधिक फायदा आरक्षित वर्गों के ही गरीबों तक नहीं पहुंच पा रहा है। हालांकि, वोटबैंक राजनीति के चलते अब भी अधिक संख्या वाली दलित जातियों को पहले की तरह अधिक लाभ मिलने तथा कम संख्या वाली दलित जातियों को वंचित रहने की आशंका बनी हुई है।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

कमला हैरिस को बढ़त

एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, डेमोक्रेटिक अमेरिकी राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस ने सात स्विंग राज्यों में से छह में रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बढ़त हासिल की है। कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद से ट्रम्प एक तरह से बचाव की मुद्रा में आ गए हैं। उन्होंने हैरिस पर व्यक्तिगत व नस्ली हमला करते हुए उनको बाइडेन से भी खराब उम्मीदवार तथा उनसे भी अधिक वामपंथी बता दिया है। उन्होंने कहा कि हैरिस पहले स्वयं को भारतीय मूल की महिला के रूप में पेश करती थीं, पर अब वे अश्वेत के रूप में सामने आ रही हैं। कमला हैरिस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ट्रंप को जो कुछ कहना हो, हमारे सामने कहें और राष्ट्रीय बहस में हिस्सा लें। मजेदार बात है कि जो ट्रंप पहले बाइडेन को बहस के लिए चुनौती देते थे, अब इससे कन्नी काट रहे हैं। उनको अहसास हो गया है कि भावी प्रथम अमेरिकी अश्वेत महिला के रूप में कमला हैरिस का पलड़ा उनसे लगातार भारी होता जा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी की गर्भपात-विरोधी और आप्रवासी-विरोधी नीतियों के कारण अमेरिकी जनता का वही वर्ग और ज्यादा मजबूती के साथ कमला हैरिस के साथ आ रहा है जिसने जो बाइडेन को विजय दिलाई थी।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

आरक्षण की सीमा

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पंकज मिथल का विचार है कि आरक्षण केवल पहली पीढ़ी तक ही मिलना चाहिए। अगर कोई पहली पीढ़ी आरक्षण लेकर उच्च स्तर पर पहुँच गई है तो उसको इसका हकदार नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह बात एससी-एसटी आरक्षण के कोटे में कोटा पर सुप्रीम कोर्ट में जजों के पेनल में हिस्सा लेने के दौरान कही। उनकी बात सही और तार्किक भी है। जिन्हें आरक्षण का लाभ मिल चुका है और वे व उनका परिवार उसे पाकर सक्षम हो चुका है और यह लाभ अब उनकी ही जाति के दूसरे वंचित लोगों को मिलना चाहिए। ऐसा न होने पर सक्षम लोग ही अपने लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। आरक्षण नीति में कुछ ऐसे परिवर्तन होने चाहिए जिसमें अधिक से अधिक लोगों को आरक्षण का लाभ देकर सक्षम बनाया जा सके। संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर ने भी आरक्षण के जरिये अधिक से अधिक लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठाने की बात कही थी। उन्होंने कुछ मामलों में आरक्षण 10 वर्षों तक रखने का सुझाव दिया था। लेकिन अब आरक्षण वोटबैंक व चुनावी लाभ का हथकंडा बन गया है और भविष्य में इसकी सीमा और बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति समाज कल्याण के बजाय निहित स्वार्थों को बढ़ावा देगी।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

योगी का कठोर कदम

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुछ अराजक युवाओं द्वारा स्कूटर सवार व्यक्ति व महिला पर गंदा पानी फेंकने और महिला के साथ छेड़खानी करने की घटना सामने आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कठोर कदम उठाया है। उन्होंने क्षेत्र के डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी का ट्रांसफर करने के साथ थाना इंचार्ज और पुलिस चौकी के सभी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। कैमरों में दिखने वाले सभी अराजक व बेलगाम युवाओं को गिरफ्तार किया गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री और यूपी पुलिस प्रशासन की सराहना की जानी चाहिए। यूपी पुलिस की कार्रवाई अपनी जिम्मेदारी न निभाने वाले पुलिस कर्मियों तथा अराजक शहरी युवाओं के लिए सबक है। योगी आदित्यनाथ का यह कठोर कदम उन विपक्षी राजनेताओं के लिए भी सबक है जो युवाओं को बहका कर प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब कर मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार की छवि खराब करना चाहते हैं। विपक्षी दलों को ऐसी घटिया हरकतों से बचना चाहिए, नहीं तो 2027 में उनका फिर पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

नगर पालिका व विकास कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

● जिलाधिकारी ने पंचायतो में हो रहे कार्यों की ली विस्तृत जानकारी

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में नगर पालिका/नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारियों के साथ शहर एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों में साफ-सफाई नालियों की सफाई, कूड़े का प्रबन्धन एवं अपने-अपने क्षेत्रों में कूड़ा डम्पिंग किये जाने हेतु जगह चिन्हित करने आदि के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के नगर पालिका/नगर पंचायतों के अधिशाषी अधिकारियों से एक-एक उनके क्षेत्रों में साफ-सफाई, जल निकासी, नालियों की सफाई, वेस्ट मैनेजमेन्ट सहित चल रहे निर्माण कार्य आदि के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि शहर, नगर एवं सड़को से एकत्रित किये जा रहे कूड़े को उचित स्थान पर आबादी से हट कर निस्तारित करने की समुचित व्यवस्था बनायी जाए।

उन्होंने सभी अधिशाषी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रेस वेस्ट के डिस्पोजल हेतु प्रोसेसिंग साइट की अवस्थापना हेतु भूमि चिन्हांकन के पश्चात बाउड्रीवाल, गार्ड रूम एवं पर्श आदि की कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए। कूड़ा डम्पिंग के स्थान तक एप्रोच मार्ग सही करा दिया जाए। बाउड्रीवाल के किनारों पर पेड़ अवश्य लगाये जाए। जिलाधिकारी ने मो0 बरईटोला में नगर पालिका के भूमि पर खेल मैदान विकसित कर बाउड्री निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि खेल मैदान के चारों तरफ पाथवे भी बनाया जाए। नगर पालिका/नगर पंचायत में आवश्यकतानुसार सी0सी0 रोड एवं नाली/नाला का निर्माण कराया जाए, नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्रों में कही पर भी जल जमाव नही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट वेन्डर्स निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे शहर में यातायात सुगम हो। शहर में आवश्यकतानुसार सी0सी0 टी0बी0 कैमरा एवं स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था एवं संचालन सुनिश्चित किया जाए।

मेंहदावल बाईपास से मोती चौराहा तक डिवाईडर पर पेटिंग कार्य पूर्ण करा लिया जाए। जिलाधिकारी ने नगर पालिका/नगर पंचायत हेतु समस्त अधिशाषी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ सुन्दर, हरा-भरा एवं सुगम यातायात के दृष्टिगत जहां पर भी जिस चीज की जरूरत हो उसका निरीक्षण/सर्वेक्षण कर कार्ययोजना के अनुसार गुणवत्तापरक कार्य कराया जाए। सभी अधिशाषी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रियता के साथ अपूर्ण कार्यो को पूर्ण करा लें। नगरीय निकायों में तीन पालियों में करायी जा रही साफ-सफाई की व्यवस्था का फोटोग्राफ भी उपलब्ध कराया जाए। उपवन योजना हेतु जमीन का चिन्हांकन कर वृक्ष लगाये जाए। सभी नगर पालिका/नगर पंचायत में कूड़ा डम्प का स्थान सुनिश्चित हो और नियमित रूप से कूड़ा उठान होता रहे।

अधूरे निर्माण कार्यो को अतिशीघ्र पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने नगर पालिका/नगर पंचायतों में विशेष रूप से बरसात के मौसम में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से कहा कि नगर पालिका सहित सभी नगर पंचायतों में साफ-सफाई की व्यवस्था सहित कहां-कहां पर अभी भी गन्दगी है, नालियां बाधित है आदि का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि गन्दगी/कूड़े की सफाई करने के उपरान्त लोकेशन के साथ फोटोग्राफ भी उपलब्ध करायी जाए। जिलाधिकारी ने सभी अधिशाषी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां-जहां निर्माण कार्य चल रहा है उसका स्वयं निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण व समय से निर्माण कार्य पूर्ण कराये। उन्होंने कहा कि समस्त नगर पालिका/नगर पंचायतों में कूड़ा घर अवश्य होना चाहिए।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ समापन

संवाददाता। मुसाफिरखाना, अमेठी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत आशाओं का माड्यूल 6 एवं 7 पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम केन्द्र अधीक्षक की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इसमें एचबीएनसी विषय पर प्रशिक्षण टीम द्वारा आशाओं को प्रशिक्षित करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुसाफिरखाना में एचबीएनसी विषय पर आशाओं का प्रशिक्षण शुरू हुआ इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा नवजात शिशुओं की मृत्यु में कमी लाने हेतु प्रदेश में समुदाय स्तर प्रसवोपरांत माँ एवं नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें आशाओं द्वारा 1,3,7,14,21,28 तथा 42वें दिन तक गृह भ्रमण करते हुए शिशुओं एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य की घरेलू स्तर पर स्वस्थ एवं सुरक्षित रखने की निगरानी करती रहेंगी। केन्द्र अधीक्षक डाक्टर आलोक मिश्रा ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण 29 जुलाई से दो अगस्त तक चलाया गया इसमें तीस आशाओं को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें उनको हाथ धोने का, डिजिटल थर्मामीटर से तापमान लेने, बच्चे का वजन, हाइपोथर्मिया से बचाव के लिए कम्बल में लपेटने का, कुपोषण से बचाव के लिए छः महत्वपूर्ण संदेश तथा गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क के बारे में विस्तृत जानकारी ट्रेनरों द्वारा दी गयी। प्रशिक्षण समापन के पश्चात अधीक्षक डाक्टर आलोक मिश्रा द्वारा सभी आशाओं को प्रमाण पत्र भी दिया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में डाक्टर शैलेश गुप्ता, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अभय प्रताप सिंह, बीसीपीएम राजीव पाण्डेय, एनजीओ से आलोक कुमार तिवारी तथा शशिकांत द्विवेदी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर डीएम ने लगाई कड़ी फटकार

अयोध्या। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के चार लेन में चौड़ीकरण एवं विस्तारीकरण तथा नाले व रोड निर्माण के कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बूथ संख्या 04, दर्शन नगर क्रॉसिंग, फतेहपुर क्रासिंग, मुरावन टोला रामनगर व चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में खण्ड के श्री शशि भूषण सिंह, अधिशासी अभियन्ता, श्री पूर्ण कुमार रस्तोगी, श्री अखिल वर्मा, श्री विपिन कुशवाहा, सहायक अभियन्ता एवं निर्माणकर्ता फर्म के श्री वीरेश सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने चैनेज-0.200, 1.000, 5.300, 6.900 एवं 11.900 का स्थलीय निरीक्षण के दौरान उक्त चैनेजों पर कार्य की प्रगति अत्यन्त धीमी पाई गयी एवं मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति भी धीमी पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी निंदा करते हुए अधिशासी अभियन्ता एवं निर्माणकर्ता फर्म को निर्देशित किया है कि कार्य की महत्ता देखते हुए कार्य को मानकों के अनुरूप ससमय निर्माण कराना सुनिश्चित करें। जिससे कि किसी भी विषम परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला विवाहिता का शव

श्रावस्ती, मल्हीपुर। थाना मल्हीपुर अंतर्गत ग्राम लालबोझा में शुक्रवार को एक विवाहिता का शव उसके घर में पड़ा मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई। सिरसिया थाना क्षेत्र के उल्लहवा गांव की गीता की शादी पांच वर्ष पूर्व मल्हीपुर थाना क्षेत्र के लालबोझा गांव निवासी हीरा लाल के साथ हुई थी। किसी बात को लेकर शुक्रवार पति पत्नी में विवाद हुआ था इसके बाद पति हीरा लाल जमुनहा बाजार चला गया था पति हीरा लाल ने बताया कि जब वह घर पहुँचा तो गीता का शव कमरे में छत के कुढ़े से साड़ी के फंदे से लटक रहा था। उसने बताया कि उसने गीता को फंदे से उतार कर जमीन पर लिटाया तथा मायके वालों को सूचना दिया। सूचना मिलते ही मौके पर क्षेत्रीय दरोगा साहब राय पहुंच गए और शव को कब्जे में लिया। खबर लिखे जाने तक पुलिस मायके वालों के आने का इंतजार कर रही थी।

पीड़िता से मिलीं राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्या, दिया कार्रवाई का आश्वासन

संवाददाता। अयोध्या

सदस्या उप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग श्रीमती अनीता अग्रवाल ने मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशों पर जिला महिला अस्पताल अयोध्या में रेप पीड़ित बालिका से मुलाकात करते हुए उसका हाल-चाल जाना तथा उसके परिजनों से विशेष मुलाकात करते हुए उनको पूर्ण न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि अयोध्या के निषाद परिवार की 12 वर्षीय की बालिका के साथ दरिंदगी की गई है, जो की निंदनीय घटना है, उन्होंने बताया कि परिजनों द्वारा अवगत कराया गया की बच्ची खेतों में काम करने जाती थी, बहला फुसला कर उसके साथ हैवानियत की गई, दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है, इसका जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आश्वासन किया गया है। बाल आयोग सदस्य श्रीमती अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए की सर्वप्रथम पीड़िता को जनरल वार्ड से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया जाए तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को उससे मिलने ना दिया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कहा कि पीड़िता की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला चिकित्सालय एवं उसके आवास पर सुरक्षा के कडें इंतजाम किए जाएं। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिए की बच्ची का बैंक में खाता खोलकर उसको शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जाए। बाल आयोग सदस्य श्रीमती अग्रवाल ने इस संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों से मुलाकात करते हुए स्थिति का अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई और कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक घटना है। जिसका मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वयं संज्ञान लेते हुए पीड़िता की मां को मुलाकात करने के लिए बुलाया गया है।

क्विक न्यूज

पुरानी रंजिश मे विवाहिता को पीटा, चार पर केस दर्ज

नसीराबाद, रायबरेली। पुरानी रंजिश को लेकर दबंगो ने एक युवती को घर मे घुसकर गली गलौज करते हुए लात घूसो मारा पीटा साथ ही पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी।बाद में घायल विवाहिता को मेडिकल के लिए सीएचसी नसीराबाद भेजा। पुलिस ने पीड़िता से मिली तहरीर पर तीन महिला सहित चार लोगो के विरूद्ध सम्बधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना थाने के उपनिरीक्षक को सौपी गयी है। नसीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मवैया मजरे अशरफपुर निवासी नगमा बानो पत्नी सुहेल ने थाने मे तहरीर दी है कि बीते 31 जुलाई को सुबह आठ बजे अपने घर मे बैठी तभी वहाँ गांव के ही कल्लू व आशमा बानो ,शहनाज़, तथा खैरून निशा पहुंचे। पहले की रंजिश को लेकर गाली गलौज करते हुए घर मे घुसकर लात घूसो से मारा पीटा ।जिससे विवाहिता के शरीर मे गभीर चोटे आयी। बाद में पुलिस ने घायल विवाहिता को मेडिकल के लिए सामुदायिक केंद्र नसीराबाद भेजा। पुलिस ने पीड़िता से मिली तहरीर पर कल्लू पुत्र शरीफ ,आशमा बानो पत्नी कल्लू ,शहनाज पत्नी अख्तर व खैरून निशां पत्नी शरीफ निवासीगण ग्राम मवैया मजरे अशरफपुर के विरूद्ध सम्बधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना थाने के उपनिरीक्षक अतुल कुमार को सौंपी गई है।

माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता व वरिष्ठ पत्रकार से मारपीट

लालगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) के नेता व वरिष्ठ पत्रकार अवनींद्र पांडेय से विद्यालय के ही एक शिक्षक व उसके अज्ञात साथियों ने मारपीट की। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित शिक्षक और उसके अज्ञात साथियों के विरुद्ध मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। शिक्षक नेता अवनींद्र पांडेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि सुबह करीब 11:30 बजे वह कक्षा में पढ़ाने के बाद स्टाफ रूम में बैठे हुए थे, तभी विद्यालय के ही भौतिक विज्ञान प्रवक्ता राकेश मिश्रा आकर अभद्रता करने लगे, ऐतराज व्यक्त करने पर उनके साथ मारपीट की। जिससे उनके सिर और माथे पर गहरी और अंदरूनी चोटे आ गई हैं। मारपीट से विद्यालय में अफरा तफरी का माहौल हो गया। आनन फानन में बच्चों की छुट्टी कर दी गई। थोड़ी देर में विद्यालय परिसर पूरी तरह से खाली हो गया।

जिलाधिकारी ने विकास भवन में स्थित सभी कार्यालयों का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज विकास भवन में स्थित सभी कार्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर शासन द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा किया तथा सभी अधिकारियों को नियमित रूप से अपने-अपने कार्यालय में बैठने एवं संचालित योजनाओं का सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, जिला विकास अधिकारी वीर भानु सिंह, पीडी डीआरडीए ऐश्वर्य यादव, डीसी एनआरएलएम प्रवीणा शुक्ला, डीपीआरओ मनोज त्यागी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विकास भवन में स्थित पंचायती राज विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, लघु सिंचाई, मनरेगा, डीआरडीए, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण कर अभिलेखों के रखरखाव का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को कार्यालय में पर्याप्त साफ सफाई रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय में नियमित रूप से बैठने, जनता की समस्याओं को सुनने तथा उनका समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के निर्देश पर आज समस्त उपजिलाधिकारियों द्वारा भी विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

चोरी की दो मोटरसाइकिल समेत आरोपी गिरफ्तार

ऊंचाहार। बाइक चोरी के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। युवक की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई दो बाइकों को भी बरामद किया है। शुक्रवार की भोर में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के दलापुर पट्टी रहस कैथवल स्थित बाईपास के निकट से एक युवक को गिरफ्तार किया,जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई दो बाइकों को बरामद किया है।बताया जा रहा है कि जगतपुर थाना क्षेत्र से कुछ समय पूर्व स्प्लेंडर बाइक चोरी की गई थी, जिसका मुकदमा भी थाने में दर्ज किया गया था। पकड़े गए युवक द्वारा ही बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था।जिसे पुलिस ने बरामद किया है।

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने को वकीलों ने सौंपा ज्ञापन

मुसाफिरखाना अमेठी। अधिवक्ताओं पर आए दिन हो रहे हमले के विरोध एवं अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने हेतु अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना को ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को स्थानीय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह एवं महासचिव अंजनी मिश्र के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। हरदोई में वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा के घर में घुसकर गोलियां मार कर नृशंस हत्या कर दी गई जिस घटना को लेकर उत्तर प्रदेश के समस्त अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है बार एसोसिएशन मुसाफिरखाना जनपद अमेठी के अधिवक्ताओ ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की हैं कि अभियुक्त गण की गिरफ्तारी अतिशीघ्र की जाए और विवेचना भी अतिशीघ्र पूरी की जाय अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को जल्द से जल्द लागू किया जाय।

अधिवक्ताओं को सुरक्षा शस्त्र लाइसेंस जारी किया जाय मृत अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में मुआवजा एक करोड़ रुपए की संस्तुति कर आदेश पारित किया जाए

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के पुनर्गठन हेतु संगठन की बैठक का हुआ आयोजन

अमेठी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह ने बताया कि आज इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के पुनर्गठन हेतु संगठन की वार्षिक बैठक का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। जिसमें इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी प्रबंध कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह एवं चुनाव पर्यवेक्षक अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राम केवल त्रिपाठी की देखरेख में संपन्न हुई। जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से प्रबंध कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चुनाव किया गया।

जिसमें मानसिंह प्रधानाचार्य एएच इंटर कॉलेज जगदीशपुर को चेयरमैन, संजय सिंह इंडस्ट्रियल एरिया जगदीशपुर को वाइस चेयरमैन, मनोज कुमार पटेल स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी को ट्रेजरर, धीरेंद्र कुमार सिंह एसटीएलएस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी को सेक्रेटरी, सुरेश प्रताप सिंह अध्यापक अमेठी को सदस्य, महमूद आलम अध्यापक अमेठी को सदस्य, अर्जुन मौर्या अध्यापक ब्लॉक गौरीगंज सदस्य, वसीम अध्यापक ब्लॉक गौरीगंज सदस्य, अनिल कुमार सामाजिक कार्यकर्ता अमेठी सदस्य, अवधेश कुमार मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता मुसाफिरखाना सदस्य, आनंद बरनवाल व्यापारी अमेठी सदस्य, शाहीन बानो चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी सदस्य, अभिषेक सिंह एसटीएलएस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीगंज सदस्य तथा गौरव सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष प्रधान संघ जगदीशपुर अमेठी को सदस्य के रूप में चुनाव किया गया। कमेटी की बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए रेड क्रॉस सोसाइटी के समस्त सदस्यों को जरूरतमंद लोगों की सहायता करने तथा स्वयं भागीदारी करते हुए अधिक से अधिक सदस्यों को समिति में जोड़ने का आवाहन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिलाधिकारी ने की बैठक

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया है कि सरकार के मंशानुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसके तहत 13 से 15 अगस्त तक हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। इसके लिए उन्होने समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद के सभी सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों शिक्षण संस्थाओं शहीद स्मारकों स्वयं सेवी संस्थाओं प्रत्येक घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया कि 11 अगस्त को डिजिटल माध्यम से सभी जनपद वासियों को आमंत्रण पत्र भेजकर शुभारंभ किया जाएगा 12 अगस्त को जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में खुली बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें राष्ट्रध्वज फहराने/लगाने के बारे में बताया जाएगा वहीं समस्त प्राथमिक/उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में रैली/प्रभात फेरी का आयोजन कर हर घर तिरंगा के बारे में जागरूक किया जाएगा। 13 अगस्त को जनद के समस्त विकास खण्डों में स्थित स्मारकों पर 75 दीपों का प्रज्वलन किया जाएगा तथा लोगों को हर घर तिरंगा की शपथ दिलायी जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि 13 से 15 अगस्त के बीच जिले में झण्डा संहिता की अनुसार तिरंगा झण्डा लगाया/फहराया जायेगा। इसके अन्तर्गत प्रत्येक नागरिक को अपने घर एवं शासकीय अर्द्धशासकीय एवं निजी प्रतिष्ठानों पर झण्डा फहराया जाना है। सभी आवासीय भवनों पर राष्ट्र ध्वज 3:2 आकार का लगाया जायेगा। झण्डा बनाने की सामग्री खादी अथवा हाथ से कता हुआ कपड़ा/मशीन से बना हुआ कपड़ा, सूती, पॉलीस्टर, ऊनी, सिल्क आदि हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत अधिकारियों/ग्राम प्रधानों के माध्यम से तथा नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारियों के माध्यम से हर घर को झण्डा उपलब्ध कराया जाय। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे के ऊपर की तरफ होनी चाहिए। झण्डा लगाने/फहराने के अवसर पर झण्डागीत एवं राष्ट्रगान गायेंगे। झण्डा उतारने के बाद किसी भी नागरिक के द्वारा इसे फेंका नही जायेगा। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित प्रभात फेरी स्थल, पार्कों एवं शहीद स्मारकों में विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था की जाय सरकारी कार्यालयों/पंचायत भवनों पर लाइटिंग की व्यवस्था भी की जाय। समस्त राजकीय भवनों स्कूलों पंचायत भवनों ऑगनवाडी केन्द्रों इत्यादि सार्वजनिक स्थानों पर विशिष्टजनों को आमंत्रित कर 15 अगस्त को प्रात: 8 बजे तिरंगा झण्डा फहराया जाय। बैठक का संचालन मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने किया।

उर्वरक दूकानो की हुई जांच, दो को नोटिस

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में जिला कृषि अधिकारी डॉ0 सर्वेश कुमार यादव द्वारा जनपद के खाद बीज पेस्टीसाइड की 6 दुकानों मे छापेमार की कार्यवाही की गयी। जिसमे धनघटा की प्रदीप बीज भंडार तथा भारती खाद भंडार मे एक्सपायारेड पेस्टीसाइड रखा हुआ पाया गया, इनको कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। आईएफ0एफ0डी0सी0 केंद्र अलीनगर अपना बिक्री रजिस्टर नही दिखा सके एवं रेट बोर्ड भी भरा नही पाया गया इनको भी चेतावनी जारी किया गया। साधन सहकारी समिति शनिचरा बाजार बंद पाया गया। सतगुरु खाद भंडार, साईं बीज भंडार, पी0सी0एफ0 केंद्र भी चेक किये गये।

शिक्षकों की मांगों पर गौर नहीं कर रहीं बीईओ सतांव, डीपीए देगा धरना

संवाददाता। रायबरेली

खण्ड शिक्षा अधिकारी सतांव की तरफ से शिक्षकों की मांगों और समस्याओं पर बिल्कुल ही ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिक्षकों की समस्याओं पर बिल्कुल ही ध्यान न दिए जाने और सीसीएल में किए जा रहे शोषण से नाराज होकर डीपीए ने एक बार फिर से डीएम और बीएसए को ज्ञापन देकर सतांव बीईओ की तरफ से की जा रही मनमानी से अवगत कराया है। बीईओ किस तरह से शिक्षकों का मानसिक और आर्थिक शोषण कर रही है, उससे अवगत कराया है।

दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक शिक्षक एसोसिएशन सतांव शाखा के ब्लॉक अध्यक्ष शीलभद्र शेखर ने बताया कि 27 अप्रैल 2024 को एक ज्ञापन खण्ड शिक्षा अधिकरी को दिया गया था जिस पर उनके द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में नहीं बैठती है यदि किसी शिक्षक को कोई समस्या होती हैऔर वह कार्यालय में नहीं होती है और सम्बंधित शिक्षक द्वारा फोन किया जाता है तो वो फोन नहीं उठाती है। जब कोई शिक्षक या शिक्षिका अवकाश हेतु आनलाईन आवेदन करता है तो उसका समयान्तर्गत निस्तारण न करके अपने कार्यालय स्टाफ द्वारा फोन करवाकर सम्बंधित शिक्षिका को कार्यालय बुलाकर उत्पीड़न किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसकी पुष्टि के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी की आईडी की जांच की आवश्यकता है। मंत्री मुनीश कुमार ने बताया कि बीएसए के स्तर पर किसी भी शिक्षिका का आवेदन 24 घंटे से ज्यादा पेन्डिंग नहीं रहता है। बल्कि उसका तत्काल निस्तारण होता है। लेकिन बीईओ कार्यालय के स्तर आवेदन की पेन्डेन्सी कई दिनों तक पड़ी रहती है। इसी तरह से समस्याओं हेतु संगठन के पदाधिकारियों द्वारा यदि समय माँगा जाता है तो कहा जाता है कि कार्यालय समय के बाद मेरा निजी समय है। वहीं, विद्यालय अवधि में हम लोग बिल्कुल ही बाहर नहीं निकल सकते हैं। उन्होंने बताया कि निपुण भारत अभियान की सफलता के लिए सभी जगहों ओर समय-समय पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। लेकिन सत्र 2024-25 में आजतक बीईओ व प्रधानाध्यापक बैठक का आयोजन नहीं किया गया है। संगठन मंत्री प्रदीप सिंह ने बताया कि अभी हाल में ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुलाई गई बैठक में बीईओ द्वारा बिना किसी विभागीय चर्चा के अपने रजिस्टर पर भी हस्ताक्षर करवाकर बैठकों की खानापूर्ति की है। मार्च में भी अध्यक्ष एस एम सी व प्रधानाध्यापकों की कार्यशाला में बिना सभी की उपस्थिति के हस्ताक्षर बनाकर फर्जीवाड़ा किया गया है। इसकी भी जांच की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर हम लोगों की मांग को पूरा नहीं किया गया तो फिर सतॉव के कार्यालय पर 12 अगस्त से एक दिन का सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा ले जा रहे युवक की हादसे में मौत दो गंभीर रूप से घायल

● **पुलिस अधीक्षक ने किया घटनास्थल का दौरा**

मोहम्मदी खीरी। सीतापुर के महोली से मोटरसाइकिल पर सवार होकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए कावड़ यात्रा लेकर निकले एक युवक की पिकअप से टक्कर में घटना स्थल पर मौत हो गई है वहीं पीछे बैठे दो लोगों के गंभीर चोटे आई हैं। पुलिस उपाध्यक्ष दलबल के साथ मौके पर पहुंचे तथा उसके उपरांत पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक ने परिवार वालों से वार्ता की, तथा शव को मोहम्मदी सीएचसी पहुंचाया जहा से पोस्टमार्टम हेतु लखीमपुर भेजा गया, प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चौकी अमीरनगर के अंतर्गत विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप से मोटरसाइकिल सवार आकाश कश्यप पुत्र राजकुमार 22 वर्ष की मौके पर मौत हो गई वही पीछे बैठे शिवा व रितिक कश्यप गंभीर रूप से घायल हो गए मटका आकाश का पंचनामा वर्कर पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर भेजा गया है दोनों घायलों को समुचित इलाज के लिए मोहम्मदी से लखीमपुर रेफर किया गया है, तीनों सीतापुर के महोली के निवासी हैं पिकअप को कब्जे में ले लिया है।

बेतवा नदी के स्लैब मरम्मत का कार्य झूल रहा है लोनिवि व सेतु निगम के बीच

● **मरम्मत नही हुई तो कभी भी हो सकता है बड़ी घटना,एसई ने कहा कि करेंगे बातचीत**

हमीरपुर। सरीला तहसील के बेतवा नदी में बना जलालपुर पथरेड़ा गांव के पुल की खुली स्लैब की मरम्मत का कार्य लोनिवि व सेतु निगम के मध्य इधर उधर झूल रहा है दोनो विभाग के अभियंता इसके लिये एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे है, लिहाजा दो दिन से मरम्मत न होने से कभी कभी कोई दुर्घटना हो सकती है। तहसील सरीला के जलालपुर गांव के पास बेतवा नदी पर बने पुल की स्लैब के सरिया निकल आने से आने जाने वाले वाहनों के लिए तो खतरा उत्पन्न हो ही गया है साथ ही पुल के भी दरकने की आशंका बढ़ गई है यह पुल करीब पंद्रह साल पहले सेतु निगम ने निर्माण कराया था। पुल की लंबाई एक किलोमीटर से अधिक है। करोड़ो रुपये की लागत से यह पुल बनाया गया था। पुल की जगह जगह स्लैब खुलने लगी है। पुल की स्लैब पिछले साल भी खुल गयी थी मगर किसी तरह जद्दोजेहाद के बाद सेतुनिगम ने मरम्मत करा दी थी। इधर दो दिन पहले पुल की स्लैब फिर से खुल गयीहै। लोनिवि निर्माण खंड दो के सहायक अभियंता राधेश्याम गुप्ता का कहना है कि पुल की मरम्मत का काम सेतुनिगम द्वारा कराया जायेगा। लोनिवि के अधिशासी अभियंता ने दो मर्तबा पत्र भी सेतु निगम को लिखा है। जोरदेकर कहा कि मरम्मत का काम सेतु निगम ही करायेगे। सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक आफताब रसूल का कहना हैकि उनका काम पुल बनाकर संबंधित विभाग को हैंडओवर करना है।

एआरपी के गोली मारने में आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। एआरपी को गोली मारनें के आरोपी को पुलिस नें गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा आदि सामान भी पुलिस नें बरामद किया है। पता चला की आरोपी बीते लगभग दो सालों से एआरपी विश्राम सिंह को रास्ते से हटाने की योजना बना रहा था। थाना जहानगंज के रूनी चुरसई निवासी विश्राम सिंह को कमालगंज खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पेट में एक महिला के कपड़े पहने आरोपी नें गोली मार दी थी। विश्राम सिंह के भाई विजय सिंह नें घायल के साथी वीरेंद्र सिंह राजपूत निवासी गीतापुरम कालोनी फ़तेहगढ़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस कई पहलुओं पर जाँच कर रही थी। पुलिस लाइन में एसपी आलोक प्रियदर्शी नें प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी वीरेंद्र राजपूत को पुलिस नें गिरफ्तार किया है।

आरोपी की निशानदेही पर 2 तमंचा 315 बोर, 5 जिंदा कारतूस 315 बोर, 1 मिस कारतूस 315 बोर, 2 दुपट्टा, 1 कुर्ती, 1 लैगी, 1 अंडर गारमेंट्स 2, 1 हेयर बिग, 1 जोड़ी हाथों के दस्ताने, 1 जोड़ी जूता, 1 काला चश्मा बरामद हुआ है।

विश्राम के चक्कर में आरोपी व पत्नी में होता था विवाद

आरोपी वीरेंद्र राजपूत नें पुलिस को बताया कि एआरपी विश्राम सिंह राजपूत के चक्कर में वीरेंद्र और उसकी पत्नी में नही बनती थी। दोनों का आपस में विवाद हो जाता था। परेशान होकर वीरेंद्र नें गोली मारनें की योजना को अमली जामा पहनाया।

2 साल से बना रहा था योजना

एसपी आलोक प्रियदर्शी नें बताया कि आरोपी पत्नी से आये दिन विवाद के चलते बीते लगभग दो सालों से विश्राम सिंह को रास्ते से हटानें की योजना बना रहा था। एक बार उसने मार्ग दुर्घटना की योजना बनायी, कामयाबी नही मिली। उसने फिल्मी अंदाज में विश्राम सिंह को महिला बनकर गोली मार दी।

एमेजॉन से 2022 में खरीदा था महिलाओं का बिग

आरोपी नें 18 अक्टूबर 2022 को महिलाओं का बिग ऐमजॉन से 3,999 में खरीदा था। जिसकी फ़ेन डिटेल भी पुलिस को आरोपी के मोबाइल से मिली है। आरोपी नें यूट्यूब पर पुलिस कैसे चेक करती है लोकेशन यह भी 12 जुलाई को खोजा था। पुलिस नें मोबाइल में रिकार्ड बरामद किया है। खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी साक्ष्यों के आधार पर की गयी। पुलिस अभिरक्षा में आरोपी नें अपने जुर्म का इकबाल किया है।

सीडीओ ने की काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस कार्यक्रम के संबंध में बैठक

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. की अध्यक्षता में काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस से संबंधित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक मुख्य विकास अधिकारी कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी समारोह अंतर्गत कार्यक्रम आयोजन के संबंध में शासन से दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं।

तत्क्रम में 9 अगस्त को जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जनपद स्तरीय कार्यक्रम शहीद स्मारकएड्को पार्क में आयोजित किया जाएगा। जिसके अंतर्गत शहीद स्मारक पर माल्यार्पण/पुष्पांजलि, शहीद स्मृति यात्रा, वृक्षारोपण, शहीद परिवारों का सम्मान व अन्य संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि समय अंतर्गत सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। काकोरी ट्रेन एक्शन कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे भाषण, पेंटिंग, लोगो डिजाइन, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाय।

मुख्य विकास अधिकारी ने डीपीआरओ व जिला परियोजना निदेशक को निर्देशित किया की जनपद के सभी शिलाफलकम पर भी माल्यार्पण कराया जाय। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमित कुमार राठौर, जिला परियोजना निदेशक वीरेंद्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जूनियर शिक्षकों का स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस प्रशिक्षण

पुखरायां, कानपुर देहात। आयुष्मान भारत के अंतर्गत विकासखंड अमरौधा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरौधा में आयोजित पांच दिवसीय स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिसके पांचवें दिन शुक्रवार को मास्टर ट्रेनर दिनेश बाबू ने किशोरावस्था में शारीरिक परिवर्तन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किशोरावस्था में बच्चे असहज महसूस करते हैं। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि प्रत्येक जूनियर एवं माध्यमिक विद्यालय से दो हेल्थ एवं वैलनेस एम्बेसडर प्रशिक्षित किए जाएंगे। प्रशिक्षित एम्बेसडर अपने विद्यालय के प्रत्येक कक्षा से दो मैसेंजर एक बालक और बालिका की नियुक्ति करेंगे। सप्ताह में एक बार स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि कराई जाएगी। बताया गया कि बच्चों को धूम्रपान से बचाएं। बच्चे सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करें। कम से कम प्रयोग करें योग और व्यायाम के माध्यम से बच्चों के अंदर स्वस्थ जीवन की शैली को बढ़ाने का प्रयास किया जाए। मास्टर ट्रेनर डॉक्टर गिरिराज सिंह ने बताया गया कि बच्चों के अंदर व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। उन्हें प्रेरित किया जाए कि जंक फूड का सेवन न करें। बच्चों को बैलेंस डाइट के बारे में बताया जाए। जिससे बच्चे स्वस्थ और निरोगी हो सकें। परिषदीय विद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली आयरन फोलिक एसिड की गोली बच्चों को सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से खिलाई जाए। और उसका विफ्स रजिस्टर में अंकन किया जाए। एल्बेंडाजोल की गोली 6 महीने में एक बार अगस्त और फरवरी माह में अनिवार्य रूप से खिलाई जाए। प्रशिक्षण के प्रभारी डॉक्टर अमित निरंजन के ने शिक्षकों को टी.शर्ट कैप बैच एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया। प्रशिक्षण में उपस्थित जयपाल सिंह यादव, संजय सचान, प्रभा श्रीवास्तव, मालती यादव, शिखा यादव, विकास पोरवाल, अशोक कुमार, मनोज कुमार गुप्ता अंकिता सचान अर्चना यादव शैलेंद्र कुमार, जगभान सिंह, अनुराग दिक्षित, मुजफ्फर हुसैन, अलका शर्मा, संदीप कुमार, मोहम्मद साबिरए अब्दुल वाजिद अंसारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षार्थी शिक्षक एवं प्रशिक्षक

किसान अब 10 अगस्त तक करा सकते हैं फसलों का बीमा

लखीमपुर खीरी। सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अगस्त कर दी है। पहले यह तिथि 31 जुलाई थी। अब जिले के ऋणी एवम गैर ऋणी किसान भाई 10 अगस्त तक फसलों का बीमा करवा सकते हैं। यह जानकारी सीडीओ ने दी। सीडीओ ने किसान भाइयों से अनुरोध करते हुए कहा कि अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुये योजना का लाभ लें। ऋणी किसान अपने बैंक शाखा से संपर्क कर यह सुनिश्चित कर लें कि बैंक शाखा द्वारा उनकी फसल का बीमा किया गया है अथवा नहीं। बैंक शाखा को सूचित कर दे तथा गैर ऋणी कृषक आधार कार्ड, स्व प्रमाणित फसल बुवाई का घोषणा पत्र, खतौनी की नकल, पासबुक की छायाप्रति (आईएफएससी कोड) के साथ कामन सर्विस सेंटर, बैंक शाखा से फसल पर देय प्रीमियम अंश को जमा करते हुये अधिसूचित फसल धान, मक्का, मूंगफली एवं उर्द आदि का बीमा करा सकते हैं।

क्विक न्यूज

पंचायत उप निर्वाचन हेतु मतदान कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर देहात। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में सहायक निर्वाचन अधिकारी अजीत पांडेय की अध्यक्षता में पंचायत उप निर्वाचन मैथा विकासखंड के ग्राम पंचायत अरिमल न्यायी एवं रसूलाबाद के ग्राम पंचायत इटैली में प्रधान पद हेतु दिनांक 6 अगस्त को होने वाले निर्वाचन हेतु मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों के अनुसार मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी को निर्देशित किया गया। सभी मतदान कार्मिक प्रशिक्षण में दिये गये निर्देशों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। पोलिंग पार्टियां 5 अगस्त को रवाना होगी। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर सहित मतदान कार्मिक आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ के औचक निरीक्षण ने चार अधिकारी

हमीरपुर। आज सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने विकास भवन की औचक निरीक्षण किया जिसमे चार अधिकारी व चौदह कर्मचारी गायब पाये गये सभी का अग्रिम आदेशो तक बेतन रोकने की कार्यवाही की गयी है।जानकारी के मुताबिक सीडीओ ने दस बजकर दस मिनट के बाद विकास भवन का निरीक्षण किया जिसमे जिला कृषि अधिकारी डा.हरीशंकर,डीओ पीआरडी सिद्धार्थ,कृषि रक्षा अधिकारी,अपर जिला कृषि अधिकारी गैर हाजिर पाये गये इसी प्रकार चौदह कर्मचारी भी गायब पाये गये हैसभी का बेतन रोकने की संस्तुति कर दी गयी है। बताया जाता है कि विकास भवन से अधिकांश अधिकारी गायब रहतेहै यहा तक कि तीन बजे तक ज्यादातर आफिस खाली हो जाते है। कर्मचारी तो अधिकारी से पहले ही चले जाते है जिससे दूर दराज से आने वाली जनता निराश होकर वापस लौट जाती है। अधिकारियों के न रहने से शासन की छबि खराब हो रही है। हालाकि कई मर्तवा उच्चाधिकारी छापा मारा है मगर कोई सुधार नही हो पा रहा है।

परिवार रजिस्टर में फर्जी नाम दर्ज करने पर सचिव निलंबित

सुमेरपुर। परिवार रजिस्टर में हेराफेरी करके फर्जी नाम दर्ज कर नकल जारी करने के आरोप में जांच के बाद जिला विकास अधिकारी ने टेढ़ा के ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया है। जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत टेढ़ा में तैनाती के दौरान ग्राम विकास अधिकारी रामसेवक द्वारा पंचायत के परिवार रजिस्टर में कटिंग करके फर्जी ढंग से नाम दर्ज कर परिवार रजिस्टर की नकल जारी कर देने पर जांच के बाद निलंबित करके कुरारा विकासखंड में संबद्ध किया है। बताते हैं कि पंचायत सचिव ने जिसे फर्जी ढंग से परिवार रजिस्टर की नकल जारी की है। उसने फर्जी ढंग से वरासत कराकर करोड़ों रुपए की भूमि हड़प ली है। इसकी जांच कराई जा रही है। इस प्रकरण में राजस्व कर्मी भी संलिप्त बताए जा रहे हैं। बताते हैं कि 2022 में पंचायत सचिव ने परिवार रजिस्टर में फर्जीवाडा करके गांव निवासी सतीश श्रीवास्तव की जमीन पर कब्जा कराने का प्रयास किया था। इसकी शिकायत सतीश श्रीवास्तवए मानसिंह यादवए देवीदीन प्रजापतिए दीपू तिवारीए शत्रुघ्न तिवारी आदि ने जिलाधिकारी से की थी जांच के बाद मामला सही पाए जाने पर अब कार्यवाही का सिलसिला शुरू हुआ है।

शराब की दुकान से किशोरी, युवक व संचालक धर दबोचे गए

फर्रुखाबाद। पुलिस नें कथित हुक्का बार से किशोरी व युवक के साथ ही दुकान मालिक को उठाया है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।शहर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड़ स्थित एक कथित हुक्का बार से एक किशोरी व उसके साथी युवक के साथ पकड़ा। पुलिस नें दुकान मालिक को भी उठाया है। पुलिस के पंहुचने पर हड़कंप मच गया। तीन माह पूर्व भी पुलिस नें दी थी दबिश शहर कोतवाली नें मोहल्ला अमेठी कोहना इसी कथित हुक्का बार में दबिश देकर कई युवकों को हुक्का गुड़गुड़ाते पकड़ा था। पुलिस को यहीं से ही एक बोरी में हुक्का बार से सम्बन्धित सामान भी बरामद हुआ था। रेलवे रोड़ चौकी प्रभारी राजेश गौतम नें बताया कि बालिका और युवक को पकड़ा गया है। दुकान संचालक भी पुलिस के कब्जे में है। पुलिस जाँच कर रही है। शहर कोतवाल जेपी शर्मा नें बताया कि जाँच की जा रही है। जाँच के बाद कार्यवाही पर विचार होगा।

जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में जिला सेवायोजन कार्यालय कानपुर देहात द्वारा केन्द्रीय विद्यालय माती अकबरपुरए कानपुर देहात में छात्र.छात्रओं के लिए ऑन लाइन कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। काउन्सलर भारतीय वायु सेना के विंग कमाण्डर ए. गुणशेकर कमांडिंग ऑफीसर, 3 वायु सैनिक चयन केन्द्र वायु सेना स्टेशन चकेरी कानपुर द्वारा भारतीय वायु सेना की अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु के रूप में भर्ती किये जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन कैरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सीज डंपो से हो रही मौरंग की चोरी, प्रशासन को नहीं लग पाती भनक

फतेहपुर। खखरेरू थाना क्षेत्र के अंतर्गत कई स्थानों पर सीज पड़े मौरंग के डंपो से आए दिन मौरंग चोरी हो रही है। जिसकी भनक प्रशासन को भी नहीं लग पाती है। जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और रात भर चोरी का सिलसिला चलता है। बताते चलें कि बारिश के मौसम में मौरंग खदानों के बंद होने से पहले मौरंग माफियाओं द्वारा बड़ी मात्रा में जगह-जगह मौरंग के डंप लगाए जाते हैं। जिनका खनन विभाग की ओर से चालान व कार्रवाई की जाती है। तहसील क्षेत्र के कबरे, घरवासीपुर, मोईउद्दीनपुर मोड़ समेत अन्य स्थानों पर लगे मौरंग डंपों पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज कर दिया था। सूत्रों के अनुसार सीज मौरंग को भी माफिया नहीं छोड़ रहे हैं और प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में वाहन सहित जेसीबी मौरंग डंप स्थल पहुंच जाते है और रात भर मौरंग चोरी का सिलसिला जारी रहता है। शायद अब तक खनन समेत पुलिस विभाग को इनकी भनक नहीं लग सकी है।

जिलाधिकारी ने खरीफ गोष्ठी व तिलहन मेले का किया शुभारंभ

● **मिलेट्स, तिलहन व दलहन फसलों के मिनीकिट व मृदा स्वास्थ्य कार्ड का कराया वितरण**

फतेहपुर। शुक्रवार को प्रेक्षागृह सभागार में जनपद स्तरीय खरीफगोष्ठी के साथ कृषि सूचना तंत्र के सुदृणीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय किसान मेला, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खरीफ गोष्ठी व नेशनल मिशन आन एडिबिल आयल योजना के अंतर्गत खरीफ तिलहन मेले का आयोजन डीएम सी. इन्दुमती की अध्यक्षता में किया गया। डीएम के अलावा सीडीओ, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी ईईसी सहित तमाम अधिकारियों व प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। गोष्ठी में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए। डीएम ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उप कृषि निदेशक राम मिलन सिंह परिहार ने संचालन करते हुए कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कर अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। डीएम ने कृषकों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए अवगत कराया कि फसल क्राप कैलेंडर को कृषकों की मांग के अनुसार 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक शासन द्वारा विस्तार कर दिया गया है। कृषकों की उर्वरक की अधिक मांग के दृष्टिगत जनपद में अधिक केले के उत्पादन को देखते हुए केले की फसलों के क्षेत्रफल में जोड़कर शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। जिससे कृषकों की मांग के अनुसार गत वर्ष की अपेक्षा वर्तमान वर्ष में अधिक उर्वरक जनपद को उपलब्ध होगा। डीएम ने विद्युत समस्या के निदान हेतु अवगत कराया कि 11 केवी नया फीडर तैयार किया जा रहा है। जो तीन माह में बनकर तैयार हो जाएगा।

कीचड़ युक्त गलियों से निकलना हुआ दुश्वार

● **ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन डीएम से की विकास कार्यो की मांग** ● **गंगागंज गुरौली में गौशाला में गायों की स्थिति हुई दयनीय, भूख प्यास से हो रही बीमार**

गौशाला में बीमार पड़ी गाय, कीचड़ युक्त पानी से निकलते एवं प्रदर्शन करते ग्रामीण।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। गंगागंज गुरौली स्थित गौशाला में भूख प्यास तड़प रही गायों का बुरा हाल है। वहीं सिंहपुर में विकास कार्यों के अभाव में कीचड़ युक्त गलियों से ग्रामीणों का निकलना दुश्वार हो गया है। विकास कार्यों के नाम पर प्रधानों एवं सचिवों द्वारा गोलमाल का आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाया गया है। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन से जांच कराए जाने एवं विकास कार्य करवाने की मांग की है। विदित हो कि प्रदेश सरकार गौशालाओं में गायों की सुरक्षा हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं योजनाएं चला रही है। समय-समय पर अधिकारियों को गाइडलाइन भी दी जाती है। इसके बावजूद भी अधिकारी एवं जिम्मेदार ध्यान नहीं देते हैं। क्षेत्र के ग्राम गंगागंज गुरौली स्थित गौशाला में लगभग एक दर्जन पालतू गायों में एक गाय गंभीर रूप से घायल है और दूसरी गाय गाय भी बीमार होकर तड़प रही है। केयरटेकर मौके से गायब था उसके स्थान पर उसका उसका बच्चा गौशाला की सफाई कर रहा था। चारा के स्थान पर सूखा भूसा भी नहीं था। पूंछे जाने पर सचिव विमल दुबे ने कहा कि निरीक्षण किया जा चुका है। गायों का इलाज चल रहा है उधर तालग्राम ब्लाक के ग्राम सिंगपुर में विकास कार्यों एवं सफाई के अभाव में गलियां कीचड़ पानी से भरी है। कीचड़ युक्त गलियों से निकलना ग्रामीणों की मजबूरी है। ग्राम प्रधान पुष्पेंद्र एवं सचिव लगातार अनदेखी कर रहे हैं। अमृत सरोवर की सफाई का ध्यान नहीं रखा गया है। कूड़े के ढेर गांव की हर गली में लगे हुए हैं। इसके विरोध में ग्रामीण ओम प्रकाश, बांकेलाल, पूरन, राकेश चंद, सतीश, सावित्री, रेखा, डॉ. रामकेश सहित तमाम लोगों ने प्रधान एवं सचिन के विरुद्ध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने जिम्मेदारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए आने वाले बजट का बंदरबाट हो रहा है। ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से एक टीम भेज कर निरीक्षण करवाने एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

पुलिस नें अंतर्जनपदीय गिरोह के चार बदमाशों को दबोचा

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं क्षेत्राधिकारी छिबरामऊ ओमकार नाथ शर्मा के पर्यवेक्षण मे थाना छिबरामऊ पुलिस द्वारा घरों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के चार शातिर अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार कर चोरी हुए जेवरात व हजारों रूपये की नगदी बरामद की। शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए बताया कि विगत 27 जुलाई को अरविन्द कुमार दुबे निवासी मोहल्ला नयी बस्ती मैनपुरी थाना छिबरामऊ ने अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोड़कर पाँच लाख रुपये के जेवरात, 54,600 की नगदी 12 कारतूस 12 बोर, कपड़े व अन्य सामान चोरी कर लिये थे। अज्ञात चोर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के क्रम में व साक्ष्य के आधार पर अभियुक्तगण अजीत जाटव पुत्र धनपाल जाटव निवासी ग्राम भारापुर थाना छिबरामऊ, शैलेश यादव पुत्र कालीचरन यादव निवासी गढी मदारी थाना पचोखरा फिरोजाबाद, सुशील जाटव पुत्र लल्लू सिंह निवासी ग्राम किनावर थाना बिछवा मैनपुरी, दीपक जाटव पुत्र स्व. रामनरेश निवासी हलपुरा थाना दन्नाहार मैनपुरी को छिबरामऊ फर्रुखाबाद मार्ग पर स्थित इण्डियन आयल पैट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से अरविन्द कुमार दुबे (रिटायर्ड सैनिक) के घर से चोरी किये गये जेवरात व नगदी तथा 12 कारतूस 12 बोर व घटना में प्रयुक्त औजार व एक तमंचा 315 बोर व एक कारतूस बरामद हुआ। धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी अभियुक्तगण ने करीब एक 5 माह पूर्व चौकी सिकंदरपुर थाना छिबरामऊ क्षेत्र के ग्राम शाहजहांपुर में पंचायत घर से चोरी की घटना को अंजाम दिया था जिसके सम्बन्ध में थाना छिबरामऊ पर मुकदमा पंजीकृत है। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढोत्तरी कर अजीत जाटव व शीलेश यादव को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

चोरी की घटना का खुलासा करते एसपी व छिबरामऊ सीओ।

नि:शुल्क लगवाएं स्मार्ट मीटर गलत बिलों से पाएं छुटकारा

फतेहपुर। दोआबा के बिजली उपभोक्ताओं को अब स्मार्ट मीटर से बिजली आपूर्ति देने की तैयारी तेजी पर है। पूरे जिले के बिजली उपभोक्ताओं के घरों में लगे डिजिटल मीटर को पहले हटाया जा रहा है। इसके बाद स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को मीटर रीडिंग की गड़बड़ी और गलत बिलों से छुटकारा मिल जाएगा, वहीं अधिकारी किसी भी मीटर का ऑनलाइन जायजा भी ले सकेंगे।

सदर एसडीओ इंजी. एमएम सिद्दीकी ने बताया कि स्मार्ट मीटर पूरे जिले के बिजली उपभोक्ताओं के यहां नि:शुल्क लगाए जाएंगे। पहले चरण में शहरी क्षेत्र को लिया गया है। शहर के अंदर सिविल लाइन में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरु हो चुका है, अभी तक करीब 600 से ऊपर उपभोक्ताओं के परिसर पर स्मार्ट मीटर स्थापित किया जा चुका है। बताया कि इस व्यवस्था से बिजली का लाइनलॉस काफी हद तक घटेगा। अभी तक डिजीटल मीटर से बिजली आपूर्ति दी जा रही है। इससे मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी, रीडिंग स्टोर करने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। इस समस्या से निजात पाने को अब उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से आपूर्ति देने की तैयारी तेजी पर है। इसकी कवायद शुरू हो गई है, सभी डिजिटल मीटर को हटाया जाएगा, जिसके स्थान पर स्मार्ट मीटर से आपूर्ति मिलेगी।

स्मार्ट मीटर की ये हैं खूबियां: उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर पर लगी डिस्प्ले स्क्रीन के माध्यम से वर्तमान शेष बिजली बिल, बिजली की खपत का शेष राशि, पिछले महीने खपत बिजली की स्थिति का पता चल सकेगा। इसके जरिए उपभोक्ता बिजली की खपत को नियंत्रण में रख सकेंगे। फिलहाल अभी उपभोक्ताओं के लिए पोस्टपेड रीचार्ज की व्यवस्था दी जा रही है, बाद में इच्छुक लोगों को प्री-पेड व्यवस्था भी दी जाएगी।

जिला अस्पताल पहुंचे पूर्व केंद्रीय गृहराज्यमंत्री जनरल सर्जरी वार्ड सहित ओपीडी व ब्लड बैंक का किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। जिला अस्पताल एमसीएच विंग ओयल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी करने पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टैनी शुक्रवार को अस्पताल पहुंचें। जहां उन्होंने अल्ट्रा साउण्ड रूम, एक्सरे रूम व पैथोलोजी सहित जनरल सर्जरी वार्ड, ओपीडी व बल्ड बैंक का भ्रमण कर मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी करी। इस दौरान सीएमओ डॉ सन्तोष गुप्ता, सीएमएस डॉ आरके कोली व सीएमएस एमसीएच विंग डॉ ज्योति मेहरोत्रा भी मौजूद रहीं।

शुक्रवार को करीब 11 बजे पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी जिला अस्पताल पहुचें, जहां सीएमएस डॉ ज्योति मेहरोत्रा द्वारा बुके देकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वह सीधे एक्स रे व अल्ट्रासाउण्ड कक्ष में पहुचें। जहां पर बैठे हुये मरीजों से उन्होंने मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी की, उन्होंने एक महिला मरीज से पूछा कि आप कहां रहती है, तो महिला मरीज ने अपने जिले का नाम सीतापुर बताया। इसके बाद वह पैथोलोजी पहुंचे जहां पर जांच कराने वाले मरीजों की भारी भीड़ दिखी। इस पर उन्होंने सीएमएस डॉ आरके कोली से मरीजों की संख्या के बारे में जानकारी की जिस पर उन्होंने बताया कि सिर्फखीरी जिले के ही नहीं बल्कि सीतापुर के मरीज भी बड़ी संख्या में चिकित्सालय में आकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते है। इसके बाद वह जनरल सर्जरी वार्ड पहुंचें यहां भी उन्होंने आपरेशन करा चुके मरीजों व उनके तीमारदारों से बात की और दवाओं के बारे में पूंछा जिस पर सभी ने अस्पताल से ही दवाएं मिलने की बात कही। इसके बाद वह डेंगू वार्ड पहुंचें। यहां की व्यवस्थाएं देखी, मरीजों के लगी मच्छरदानी के बारे में पूंछा जिस पर सीएमओ डॉ सन्तोष गुप्ता ने बताया कि डेंगू से पीड़ित मरीज को अगर मच्छर काटे और वह मच्छर दुबारा किसी सामान्य व्यक्ति को काट ले तो उसे भी डेंगू होने का खतरा बढ़ जाता है, इसीलिए इन मरीजों के लिए अलग वार्ड है और इन्हें मच्छरदानी में रखा जाता है।

देश में निर्माण होने पर जनहित याचिकाएं क्यों दायर की जाती हैं: शीर्ष अदालत हैरान

नई दिल्ली। विकास और पारिस्थितिकी संतुलन को महत्वपूर्ण बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस बात पर हैरानी जताई कि जब राजमार्ग जैसी ढांचागत परियोजनाएं शुरू की जाती हैं तो जनहित याचिकाएं (पीआईएल) क्यों दायर की जाती हैं? शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी गोवा में तिनैघाट-वास्को डी गामा मार्ग के वास्को डी गामा-कुलेम खंड पर रेलवे पटरियों के दोहरीकरण से जुड़े निर्माण कार्य पर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, हम केवल यह सोच रहे हैं कि ऐसा केवल इस देश में ही क्यों होता है कि जब आप हिमाचल प्रदेश में सड़क बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। जब आप राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, आप हमें एक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बताएं जहां रेलवे की सुविधा नहीं है। पीठ ने कहा, आल्प्स पर्वत पर जाएं और वे आपको ट्रेन में बर्फ के बीच से ले जाएंगे।

शीर्ष अदालत बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के अगस्त 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें रेलवे पटरी के दोहरीकरण के निर्माण से संबंधित एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में आरोप लगाया था कि निर्माण कार्य वर्ष 2011 के तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना, गोवा सिंचाई अधिनियम-1973, गोवा पंचायत राज अधिनियम-1994 और गोवा शहर एवं नगर नियोजन कानून के तहत पूर्व अनुमति प्राप्त करने के वैधानिक आदेश का उल्लंघन करके किया जा रहा था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह परियोजना गोवा में रेलवे नेटवर्क को मजबूत करेगी और सड़क परिवहन पर बोझ को कम करने में मदद करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने अनियोजित विकास के खतरों पर प्रकाश डालते हुए केरल के वायनाड जिले की हालिया घटना का जिक्र किया जहां भूस्खलन ने 195 लोगों की जान ले ली। गोवा में रेलवे लाइन परियोजना पर पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ ही जो हर चीज की जांच करेंगे।

वकील ने कहा कि रेलवे लाइन पारिस्थितिकीय रूप से नाजुक क्षेत्र से होकर गुजरती है और याचिका को विकास विरोधी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पीठ ने कहा, विकास और पारिस्थितिकी संतुलन साथ-साथ चलने चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है। कोई भी अंधाधुंध विकास की इजाजत नहीं दे सकता। आखिरकार हम कानून के शासन द्वारा शासित हैं। पीठ ने वकील से कहा कि किसी बात को लेकर कोई अस्तित्वहीन या भ्रामक आशंका नहीं होनी चाहिए।

जब वकील ने तर्क दिया कि गोवा की तटरेखा पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र है तो पीठ ने कहा, आपका अंतिम तर्क यह है कि वहां रेलवे लाइन नहीं होनी चाहिए... जब शानदार वाहनों में लोग वहां जाते हैं तो आपको कोई समस्या नहीं होती। उनके पास आलीशान बंगले हैं, उनके पास बहुत सारी गाड़ियां हैं, लेकिन आपको कोई दिक्कत नहीं है। शीर्ष अदालत ने इसके बाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया।

दहेज हत्या मामले में पति को दस साल और सास व ससुर को सात-सात साल की सजा

बलिया। बलिया की एक स्थानीय अदालत ने दहेज हत्या के एक मामले में बृहस्पतिवार को मृतका के पति, सास और ससुर को दोषी करार देते हुए उन्हें क्रमशः दस साल और सात - सात साल के कारावास की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने शुक्रवार को बताया कि अपर जिला जज रवि किरण सिंह की अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद पति धर्मेन्द्र वर्मा, ससुर वेचन प्रसाद वर्मा और सास मंजू देवी को दोषी करार देते हुए पति को दस साल और सास व ससुर को सात - सात साल के कारावास और प्रत्येक को तीन - तीन हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि बिहार राज्य के बक्सर जिले के काली नगर सोहनी के रहने वाले कृष्ण सिंह ने अपनी पुत्री शशि कला की शादी गत फरवरी 2012 में फेफना थाना क्षेत्र के कोपवा बहादुरपुर गांव के धर्मेन्द्र वर्मा के साथ की थी।

महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहिन योजना के खिलाफ याचिका, अदालत ने जल्द सुनवाई से इंकार किया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की महिलाओं के लिए नकद लाभ योजना मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिन योजना के खिलाफ एक चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि इससे करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। याचिकाकर्ता ने नौ जुलाई को इस योजना को शुरू करने वाले सरकारी प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की, जिसके तहत 21 से 65 आयु वर्ग की उन महिलाओं के बैंक खातों में 1,500 रुपए का मासिक भत्ता स्थानांतरित किया जाएगा, जिनकी पारिवारिक आय सालाना 2.5 लाख रुपए से कम है। इस योजना की घोषणा राज्य के बजट में की गई थी।

याचिकाकर्ता के वकील ओवैस पेचकर ने शुक्रवार को याचिका पर तत्काल सुनवाई और योजना के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश का अनुरोध किया, क्योंकि इस महीने के अंत में लाभार्थियों को राशि वितरित की जाएगी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि याचिका पर नियमित प्रक्रिया के अनुसार सुनवाई की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय ने कहा, नियमित प्रक्रिया की प्रणाली को निरर्थक न बनाएं। कहीं तोड़फोड़ की कार्वाई हो रही है या किसी को फांसी पर लटकाया जा रहा हो..तब अत्यावश्यक कार्यवाही होती है।

उच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, जनहित याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है। याचिकाकर्ता नवीद अब्दुल सईद मुल्ला ने दावा किया कि संबंधित सरकारी योजना के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करदाताओंराजकोष पर अतिरिक्त बोझ डाला जाता है, क्योंकि करों को अवसंरचना विकास के लिए एकत्र किया जाता है, न कि बेतुकी नकद योजनाओं के लिए।

उन्होंने कहा, ऐसी नकद लाभ योजनाएं, आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में मौजूदा गठबंधन सरकार में शामिल दलों की ओर से किसी खास वर्ग के मतदाताओं को किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में वोट के लिए रिश्वत या उपहार देने के समान हैं। याचिका में कहा गया कि ऐसी योजना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के विरुद्ध है और भ्रष्ट आचरण के समान है। याचिका में दावा किया गया कि महिलाओं के लिए इस योजना पर लगभग 4,600 करोड़ रुपए खर्च होंगे और यह महाराष्ट्र पर बहुत बड़ा बोझ है, जिस पर पहले से ही 7.8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने घाटल लोकसभा सीट के सभी कागजात, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया

कोलकाता।(भाषा) कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल के घाटल लोकसभा क्षेत्र में चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज और सीसीटीवी फुटेज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हिरण्मय चट्टोपाध्याय द्वारा दायर चुनाव याचिका के निपटारे तक सुरक्षित रखे जाएं। घाटल से तृणमूल कांग्रेस के दीपक अधिकारी को विजेता घोषित किया गया, जहां 25 मई को चुनाव हुए थे। अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव याचिका पर निर्णय होने तक, घाटल निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज, उपकरण, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) को ऐसे दस्तावेजों के संरक्षक प्राधिकारी द्वारा संरक्षित रखा जाए। न्यायमूर्ति बिवास पटनायक ने उच्च न्यायालय के संबंधित रजिस्ट्रार को इस आदेश की एक प्रति मुख्य निर्वाचन आयुक्त को देने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए याचिकाकर्ता के वकील के अनुरोध पर छह सितंबर को अगली सुनवाई में फैसला किया जाएगा।

भाजपा के हिरण्मय चट्टोपाध्याय और तृणमूल के दीपक अधिकारी दोनों ही फिल्म अभिनेता हैं और फिल्म जगत में क्रमश: हिरण और देव के नाम से चर्चित हैं। चट्टोपाध्याय के वकील बिलवदल भट्टाचार्य ने कहा कि याचिका में कथित भ्रष्ट आचरण के आधार पर चुनाव प्रक्रिया को चुनौती दी गई है।

उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों में सीसीटीवी फुटेज, ईवीएम और डीवीआर सहित रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए आदेश देने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति पटनायक ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया।

अदालत ने दूसरी बेटी को जन्म देने पर पत्नी की हत्या करने के जुर्म में पति को सुनाई मौत की सजा

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर की एक अदालत ने एक व्यक्ति को दो साल पहले अपनी पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या करने और छह वर्षीय बेटी की गला रेतकर हत्या करने की कोशिश करने के अपराध में मौत की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोषी संजीत दास (46) ने नौ जून, 2022 को इस अपराध को अंजाम दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने भुवनेश्वर के घाटिकिया इलाके में स्थित घर पर अपनी पत्नी सरस्वती की 33 बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। निजी अस्पताल में हेड नर्स के तौर पर काम करने वाली सरस्वती ने हत्या से कुछ दिन पहले ही दूसरी बेटी को जन्म दिया था। दास ने अपनी पहली बेटी (6) का भी गला रेत दिया था, लेकिन वह बच गई। दास को घटना के अगले ही दिन गिरफ्तार कर लिया गया था और फिर अक्टूबर, 2022 में उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था।

भुवनेश्वर की द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बंदना कार की अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसला सुनाते हुए इस अपराध को दुर्लभतम श्रेणी में रखा और कहा, ऐसे में दोषी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए... इसलिए यह अदालत दोषी को मौत की सजा सुनाती है। अदालत ने कहा कि पीड़िता के दूसरी बेटी को जन्म देने के कारण दोषी ने अपनी पत्नी की हत्या की और यही कारण था कि उसने पहली बेटी की भी हत्या करने की कोशिश की।

अदालत ने कहा कि ऐसे दुर्लभतम अपराध के लिए मृत्युदंड देना अन्य लोगों को हतोत्साहित करेगा, जो इस तरह के जघन्य अपराध को अंजाम देने के बारे में सोचते हैं। अदालत ने दास को आजीवन कारावास की भी सजा सुनाई है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी, बशर्ते की दोषी की सजा में संशोधन न हो, उसकी सजा बदलकर हल्की न कर दी जाए या सजा की अवधि न घटा दी जाए, या माफी न दी जाए।

अदालत ने छह साल की बच्ची को लगे आघात पर टिप्पणी करते हुए कहा, वह बच्ची, जिसे भारतीय कानून की व्यवस्था फिल्मों में भी ऐसी भयावहता देखने की अनुमति नहीं देती है, उसे अपनी आंखों के सामने यह सब होते हुए देखना पड़ा। अदालत ने कहा, गर्व से वंदे मातरम गाने वाली छह साल की छोटी बच्ची के पिता ने ही उसका गला रेतने की कोशिश की। वह बच्ची जो शायद कार्टून छोटा भीम और डोरेमोन देखने का आनंद लेती होगी, उसे अपने ही पिता द्वारा मां की जघन्य हत्या देखनी पड़ी। अदालत ने कहा, हम उस बच्ची की गहन पीड़ा को नजरअंदाज नहीं कर सकते। वह घर जो उसके लिए एक सुरक्षित आश्रय था, लेकिन अब अकल्पनीय भयावहता का दृश्य बन गया है, जिसने उसकी सुरक्षा और विश्वास की भावना को चकनाचूर कर दिया है।

न्यायालय ने अंधविश्वास, जादू-टोना उन्मूलन के लिए कदम उठाने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अंधविश्वास, जादू-टोना और इसी तरह की अन्य प्रथाओं के उन्मूलन के लिए केंद्र और राज्यों को उचित कदम उठाने के निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि अंधविश्वास को खत्म करने का उपाय शिक्षा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में संसद को हस्तक्षेप करना चाहिए। पीठ ने कहा, हम यह आदेश कैसे जारी कर सकते हैं कि वैज्ञानिक सोच विकसित करने और अंधविश्वास को खत्म करने के लिए कदम उठाए जाएं। संविधान निर्माताओं ने यह सब राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में शामिल किया था। पीठ द्वारा मामले पर सुनवाई से इनकार करने के बाद याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिका वापस ले ली।

ओडिशा की अदालत ने हत्याकांड में 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

बेरहामपुर (ओडिशा)। ओडिशा के गजपति जिले की एक अदालत ने करीब 15 वर्ष पहले एक व्यक्ति की हत्या के मामले में 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) प्रदीप कुमार सामल ने बृहस्पतिवार को कुल 16 आरोपियों को 12 मार्च 2009 को होली के दिन पुरानी रंजिश के कारण सिबा नागाबांसा की परलाखेमुंडी के घासी साही स्थित उसके आवास पर बुरी तरह पिटाई करने के मामले में दोषी ठहराया। पिटाई से उसकी मौत हो गई थी। लोक अभियोजक ब्रुंदाबन नायक ने बताया कि दो आरोपियों की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि 14 अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। नायक ने बताया कि अदालत ने दोनों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। नायक ने बताया कि आरोपियों ने होली खेलने के बाद गहरी नींद में सो रहे सामल के घर में घुसकर उस पर हमला कर दिया था। छह दिन बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसी दिन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। नौ अगस्त 2010 को पुलिस ने आरोपपत्र दायर किया था और आरोपी जमानत पर थे।

जरांगे के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द

पुणे। पुणे की एक अदालत ने कथित धोखाधड़ी के एक मामले में आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) शुक्रवार को रद्द कर दिया। जरांगे 23 जुलाई को अदालत में पेश नहीं हुए थे जिसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) की अदालत ने 2013 के धोखाधड़ी के एक मामले में जरांगे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। आरक्षण कार्यकर्ता शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) के समक्ष पेश हुए, वहीं उनके वकील हर्षद निंबालकर ने एक अर्जी दाखिल करके गैर जमानती वारंट रद्द करने का अनुरोध किया। अदालत ने अर्जी स्वीकार कर ली और जरांगे के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट को रद्द कर दिया। जरांगे और दो अन्य के खिलाफ 2013 में भारतीय दंड संहिता की धारा 420(धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया था। (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया था। जरांगे और सह-आरोपी ने 2012 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था। यह व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज पर नाटकों का मंचन करता था और उन लोगों ने उसे जालना जिले में शंभुराजे के छह शो करने और उसे 30 लाख रुपए की पेशकश की थी। मामले के अनुसार 16 लाख रुपए का भुगतान तो कर दिया गया लेकिन बाकी पैसे को लेकर कुछ विवाद हुआ जिसके बाद शिकायत दर्ज की गई। इसके बाद अदालत ने पुलिस को मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

अदालत ने कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत को लेकर पुलिस, एमसीडी को फटकार लगाई

नई दिल्ली।दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत होने की घटना पर शुक्रवार को पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाई और कहा कि वह यह समझ नहीं पा रही है कि विद्यार्थी बाहर कैसे नहीं आ सके। पीठ ने सवाल किया कि एमसीडी अधिकारियों ने क्षेत्र में बरसाती नालों के ठीक ढंग से काम नहीं करने के बारे में आयुक्त को सूचित क्यों नहीं किया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक सामान्य बात हो गई है। अदालत ने पुलिस पर कटाक्ष करते हुए कहा, जिस तरह से आपने वाहन चालक को वहां कार चलाने के लिए गिरफ्तार किया, गनीमत है कि आपने बेसमेंट में घुसने वाले बारिश के पानी का चालान नहीं काटा।

ट्रांसजेंडर के रक्तदान पर रोक लगाने संबंधी निर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें ट्रांसजेंडर, समलैंगिक और यौनकर्मियों को रक्तदान करने से रोकने वाले दिशानिर्देशों को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद को नोटिस जारी किए। शीर्ष अदालत कार्यकर्ता शरीफ डी रंगनेकर द्वारा 2017 के दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिशा निर्देश में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों (एमएसएम) और महिला यौनकर्मियों को रक्तदाता बनने से बाहर रखा गया है। वर्ष 2017 के दिशानिर्देश एचआईवी और हेपेटाइटिस संक्रमण या ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इंफेक्शन (टीटीआई) के जोखिम के कारण इन्हें रक्तदाता बनने से स्थाई रूप से रोकते हैं।

एशियानेट न्यूज नेटवर्क के खिलाफ दिव्या स्पंदना के मानहानि के मामले को रद्द करने से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अभिनेत्री-राजनेता दिव्या स्पंदना द्वारा एशियानेट न्यूज नेटवर्क और पत्रकार विश्वेश्वर भट के खिलाफ दायर मानहानि का मामला रद्द करने से इनकार कर दिया। स्पंदना ने एशियानेट न्यूज और अन्य के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने सट्टेबाजी और स्पॉट फिक्सिंग कांड में कन्नड़ फिल्म अभिनेत्रियों की कथित संलिप्तता की खबर प्रसारित की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि समाचार प्रसारित होने के दौरान शिकायतकर्ता का नाम बार-बार लिया गया तथा उनके फोटो और वीडियो दिखाए गए।

स्पंदना द्वारा दायर शिकायत में विशेष रूप से कहा गया है कि समाचार को इस तरह से प्रसारित किया जा रहा था, जैसे शिकायतकर्ता स्वयं कथित क्रिकेट सट्टेबाजी या स्पॉट फिक्सिंग कांड में शामिल हो। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़

और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कार्यवाही रद्द करने से इनकार करने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

पीठ ने कहा, उनका (स्पंदना का) बार-बार बुलेटिन में उल्लेख किया गया है, हम आदेश को कैसे रद्द कर सकते हैं? हम इस पर विचार नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत एशियानेट न्यूज नेटवर्क और अन्य द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रही थी।

शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन: न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा से स्थिति को और खराब न करने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सहित अन्य मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से संपर्क करने के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित करने के वास्ते कुछ तटस्थ व्यक्तियों के नाम सुझाएं। न्यायालय ने कहा कि किसी को भी स्थिति को बिगाड़ना नहीं चाहिए। न्यायालय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को अपनी शिकायतें व्यक्त करने का अधिकार है और वह सभी पक्षों को शामिल करते हुए बातचीत की एक सहज शुरुआत चाहता है।

शीर्ष अदालत पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें राज्य सरकार को एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर बैरिकेड हटाने के लिए कहा गया था, जहां प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा, किसी को भी स्थिति को और बिगाड़ना नहीं चाहिए। उनकी (किसानों) भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं, लेकिन एक राज्य के रूप में... आप उन्हें समझाने की कोशिश करें कि जहां तक ट्रैक्टरों, जेसीबी मशीनों और अन्य कृषि उपकरणों का सवाल है, उन्हें उन जगहों पर ले जाएं जहां उनकी जरूरत है जैसे खेत या कृषि भूमि में।

पीठ ने कहा, हां, लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन्हें अपनी शिकायतें व्यक्त करने का अधिकार है। ए शिकायतें अपने स्थान पर रहकर भी व्यक्त की जा सकती हैं। न्यायालय ने 24 जुलाई को मामले की सुनवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों से संपर्क करने और उनकी मांगों का समाधान करने के लिए प्रतिष्ठित लोगों की एक स्वतंत्र समिति के गठन का प्रस्ताव रखा था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, हरियाणा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्होंने 24 जुलाई के अदालत के निर्देशानुसार इस पर काम शुरू कर दिया है।

पंजाब की ओर से पेश वकील ने चरणबद्ध तरीके से राजमार्ग खोलने का उल्लेख किया। पीठ ने कहा, आप अपने प्रस्ताव का आदान-प्रदान क्यों नहीं करते? हर बार दो राज्यों के बीच लड़ाई होना जरूरी नहीं है। मेहता ने दलील दी कि कोई राज्य यह नहीं कह सकता कि किसानों को देश की राजधानी में जाने दिया जाए। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी होने के बावजूद किसान उच्च न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हुए। पीठ ने कहा, हम सभी पक्षों के बीच बातचीत की प्रक्रिया के संदर्भ में एक बहुत ही सहज शुरुआत चाहते हैं। पीठ ने राज्यों से समिति में शामिल किए जा सकने वाले लोगों के कुछ नाम सुझाने को कहा।

पेज 1 का शेष

कोचिंग सेंटर...

चालक मनुज कथूरिया पर आरोप था कि वह 27 जुलाई को अपना वाहन लेकर जलमग्न सड़क से गुजरे थे जिससे पानी तीन मंजिला इमारत के गेट से टकराया और इससे गेट टूट गया जहां कोचिंग सेंटर स्थित था। आरोप था कि इससे इमारत के बेसमेंट में पानी भर गया जिसमें डूबने से तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई। अदालत ने छात्रों के डूबने की घटना को लेकर पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि वह यह समझ पाने में असमर्थ है कि छात्र बाहर कैसे नहीं आ सके। अदालत ने साथ ही यह भी जानना चाहा कि क्या दरवाजे अवरुद्ध थे या सीढ़ियां संकरी थीं। पीठ ने कहा कि प्रशासनिक तौर पर दिल्ली में कई प्राधिकारी हैं जो केवल जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे हैं और इसके अलावा कुछ कर नहीं रहे हैं। इसने कहा कि आम धारणा यह है कि नगर निगम के अधिकारी अक्षम हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली में भौतिक बुनियादी ढांचा करीब 75 साल पुराना है और यह न केवल अपर्याप्त है, बल्कि इसका रखरखाव भी ठीक से नहीं किया जाता। अदालत ने मौजूद एमसीडी आयुक्त द्वारा यह बताए जाने पर कि इलाके में बरसाती नालों से पानी की निकासी ठीक ढंग से नहीं हो रही थी, पीठ ने सवाल किया कि अधिकारियों ने एमसीडी प्रमुख को इस बारे में पहले क्यों नहीं बताया। पीठ ने राजेंद्र नगर क्षेत्र में अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण को हटाने का भी आदेश दिया, जिसमें बरसाती नालों और सीवेज नालों पर किया गया अतिक्रमण भी शामिल है। इसने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक आम बात हो गई है। अदालत ने कहा कि दिल्ली की आबादी बढ़ने के साथ ही शहर को एक मजबूत व्यवस्था की जरूरत है और विभिन्न सब्सिडी योजनाओं के कारण राष्ट्रीय राजधानी में पलायन भी बढ़ रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय और भौतिक बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने का समय आ गया है। पीठ ने इस मुद्दे से निपटने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की।

नीट-यूजी...

सोशल मीडिया या इंटरनेट का उपयोग करके व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था, या परिष्कृत इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके छात्रों को उत्तर बताए जा रहे थे। पता लगाना कठिन साबित हो सकता है।पीठ ने कहा, हजारीबाग और पटना में लीक से लाभान्वित होने वाले छात्रों की पहचान की जा सकती है। सीबीआई जांच से इस स्तर पर उन छात्रों की संख्या का पता चलता है जो हजारीबाग और पटना में कदाचार के लाभार्थी हैं। इससे हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यह है कदाचार या धोखाधड़ी के लाभार्थियों को ईमानदार छात्रों से अलग करना संभव है, इस मामले में, अदालत दोबारा परीक्षा का निर्देश नहीं दे सकती। कोर्ट ने कहा कि पेपर पटना और हज़ारीबाग़ में लीक हुआ था. एक केंद्र में, स्ट्रांग रूम का पिछला दरवाजा खोला गया था और अनधिकृत व्यक्तियों को प्रश्न पत्रों तक पहुंचने की अनुमति दी गई थी. यह इंगित करता है कि सुरक्षा में गंभीर चूक हुई है और सुरक्षा उपाय जो कड़े और प्रभावी हैं उन्हें एनटीए द्वारा लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, पता चला कि प्रश्नपत्र कभी-कभी ई-रिक्शा में ले जाए जाते थे और निजी कूरियर कंपनियों की सेवाओं का लाभ उठाया जाता था।पीठ ने कहा, चिंता का एक और मुद्दा यह है कि एनटीए परीक्षा के लिए पर्यवेक्षक बनने के लिए उन लोगों पर निर्भर करता है जिन पर वह प्रत्यक्ष निगरानी नहीं रखता है। ऐसे कई तरीके हैं जिन्हें पर्यवेक्षकों पर उचित निगरानी सुनिश्चित करने और अनुचित साधनों के उपयोग की संभावना को कम करने के लिए अपनाया जा सकता है। सभी मुद्दों से संकेत मिलता है कि कदाचार और धोखाधड़ी की संभावना को कम करने और प्रश्न पत्रों तक निजी व्यक्तियों की पहुंच को कम करने के लिए सुरक्षा को कड़ा किया जाना चाहिए।

नीट से पहले...

लिए नीट की शुरुआत एक आवश्यक सुधार था। मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान नीट लाए जाने से पहले चिकित्सा शिक्षा में भ्रष्टाचार व्याप्त था। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनईईटी से पहले, चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र गंभीर कदाचार से ग्रस्त था, जिसमें 8 करोड़ रुपये से 13 करोड़ रुपये तक की अत्यधिक रकम के लिए स्नातकोत्तर सीटों की बिक्री भी शामिल थी।नड्डा ने कहा, मेडिकल शिक्षा एक व्यवसाय का अड्डा बन गई थी।

आशा किरण...

नहीं सौंपा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अब तक 28 मानसिक रूप से बीमार कैदियों की मौत हो चुकी है। जुलाई में हुई कुल 14 मौतों में से 10 मौतें महीने के आखिरी हिस्से में हुईं, जिनमें एक 14 साल के लड़के की मौत भी शामिल है। शेल्टर होम की मेडिकल केयर यूनिट के मुताबिक, ज्यादातर मृतकों को सांस लेने में दिक्कत और दस्त की शिकायत थी।एलजी ने दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी शेल्टर होम की स्थिति पर एक व्यापक जांच का आदेश दिया और एक सप्ताह के भीतर जिम्मेदारी तय करने वाली रिपोर्ट पेश की।

दुश्मनों ने...

'पड़ोस के चार लोग - अंकित, गौरव, करण और आकाश - घर आए और मेरे बेटे को अपने साथ ले गए।' 18 जुलाई की शाम वे उसे गांव के बाहर खेत की ओर ले गए और उसकी पिटाई की; फिर उसके गले में रस्सी डालकर उसका गला घोंट दिया और उसे गड्ढे में मरने के लिए छोड़ दिया। फिर, एक चमत्कार हुआ। खून की गंध आने पर आवारा कुत्तों के झुंड ने मिट्टी खोदी। मेरा बेटा बेहोश था, और जैसे ही कुत्तों ने उसे खींचना शुरू किया, वह होश में आ गया। बाद में हम उसे अस्पताल ले गए जहां वह ठीक हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 18 जुलाई को इलाके में दो समूहों के बीच विवाद हुआ था और रूप ने एक व्यक्ति द्वारा अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई थी।

52 साल बाद

आगे था। दूसरे क्वार्टर में आस्ट्रेलियाई टीम ने आक्रामक तेवरों के साथ वापसी की और चौथे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया। इस पर गोवर्स ब्लैक के शॉट को श्रीजेश ने बड़ी चतुराई से बचाया। अगले ही पल एक और पेनल्टी कॉर्नर पर भी यही कहानी रही लेकिन शॉर्ट शार्प लाचलान का था। आस्ट्रेलिया के लिए पहला गोल 25वें मिनट में क्रेग थॉमस ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। भारत को अगले मिनट पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत गोल नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर में भारत को दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत का शॉट बचा लिया गया। भारतीय टीम ने वीडियो रेफरल लिया जिसके बाद भारत को पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया और भारतीय कप्तान ने टूर्नामेंट का अपना छठा गोल करके भारत को 3 . 1 से बढ़त दिला दी। भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति ने अभिषेक की अगुवाई में हमले बोलने का सिलसिला जारी रखा और दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम अपने कमजोर पेनल्टी कॉर्नर से जूझती रही। आस्ट्रेलिया को 45वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर भी बेकार गया। आखिरी पंद्रह मिनट में आस्ट्रेलिया ने वापसी की भरसक कोशिशें की लेकिन भारत ने 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया। हरमनप्रीत इस पर हालांकि गोल नहीं कर सके। दो मिनट बाद भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर अमित रोहिदास की फ्लिक को आस्ट्रेलियाई डिफेंडर ने बचा लिया। भारत के लिए इसी मिनट अभिषेक ने गोल कर दिया था लेकिन आस्ट्रेलिया के वीडियो रेफरल पर उसे अमान्य कर दिया गया। आस्ट्रेलिया को 55वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर गोवर्स ने गोल करके आखिरी पांच मिनट के खेल को रोमांचक बना दिया।भारतीय डिफेंस ने आखिरी पांच मिनट जबर्दस्त संयम का प्रदर्शन करते हुए आस्ट्रेलिया के नामचीन स्ट्राइकरों को कोई मौका नहीं दिया।

मुख्यमंत्री ने...

को अयोध्या जिला महिला चिकित्सालय में दुष्कर्म पीड़ित बालिका से मुलाकात करने के निर्देश भी दिये। वहीं अयोध्या पहुंचीं आयोग की सदस्य ने पीड़ित बच्ची का हाल-चाल जाना तथा उसके परिजनों से विशेष मुलाकात करते हुए उनको न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 12 वर्षीय की बालिका के साथ दरिंदगी निंदनीय घटना है। परिजनों द्वारा अवगत कराया गया है की बच्ची अक्सर खेतों में काम करने जाती थी। बहला फुसला कर उसके साथ हैवानियत की गई है। दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, इसके लिए आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। इसको लेकर जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा भी हमें आश्वस्त किया गया है।

जवाबदेही से बचने को राहुल उठा रहे हैं काल्पनिक मुद्देः भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी की ओर से अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी का दावा करने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि वायनाड से सांसद के रूप में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे हैं। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि हो सकता है कि राहुल गांधी से कहा गया हो कि लोग उनकी जवाबदेही के बारे में सवाल पूछ रहे हैं, इसलिए उन्होंने एक नया विमर्श गढ़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि गांधी ने वायनाड से जुड़े सवालों से बचने के लिए एक काल्पनिक मुद्दा उठाया है। उन्होंने दावा किया कि लोग उनकी जवाबदेही के बारे में पूछ रहे हैं। विपक्ष के नेता के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के नेता ललन सिंह ने कहा कि गांधी ने कुछ ऐसा किया होगा तभी उन्हें लग रहा है कि उनके खिलाफ इस प्रकार की कार्वाई हो सकती है।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अगर किसी ने कोई गलत नहीं किया है तो उसे कुछ क्यों होगा? गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में वायनाड से चुने गए थे। साल 2024 के चुनाव में उन्होंने वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया और रायबरेली सीट बरकरार रखी।कांग्रेस ने घोषणा की है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। दोनों भाई-बहन फिलहाल वायनाड के दौरे पर हैं जहां वे प्रभावित परिवारों से मिल रहे हैं।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, जाहिर है कि 2 इन। को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट। चंद्रशेखर ने कहा कि आपदा में 300 से अधिक लोगों की मौत सिर्फ त्रासदी नहीं बल्कि एक अपराध है। उन्होंने कहा कि मरने वालों में ज्यादातर गरीब हैं।

मेरे खिलाफ ईडी की छापेमारी की तैयारी, खुले दिल से इंतजार कर रहा हूंः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन मे चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है।उन्होने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगो का खुले दिल से इंतजार कर रहे है तथा उन्हे वह अपनी तरफ से चाय- बिस्कुट पेश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के इस दावे को लेकर कहा कि वायनाड से सांसद के रूप मे अपनी जवाबदेही से लोगो का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे है। राहुल गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावो मे वायनाड से चुने गए थे। उन्होने इस बार वायनाड के साथ ही रायबरेली से भी चुनाव लड़ा था और दोनो सीटों पर जीत दर्ज की थी। बाद मे उन्होने वायनाड सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने घोषणा की है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, जाहिर है कि 2 इन।

राहुल को जाति बताए बिना गणना कराने का फॉर्मूला बताना चाहिए : हिमंत

भाषा। जमशेदपुर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि अपनी जाति का खुलासा किए बिना जाति आधारित गणना कैसे संभव है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कहा कि यदि उनके पास इस संबंध में कोई फॉर्मूला है, तो वह लोगों को बताएं। झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी शर्मा ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में दावा किया कि राहुल गांधी देश में जाति आधारित गणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपनी जाति का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा, हम गांधी से यह जानना चाहेंगे कि अपनी जाति बताए बिना जाति आधारित गणना कराने का फार्मूला क्या है। शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि राहुल गांधी सदन में यह फार्मूला बताएं, फिर मुद्दों पर फैसला हो सकता है। उन्होंने कहा, बिहार सरकार ने जाति आधारित सर्वेक्षण कराया। यह पूरे देश में कराया जाएगा या नहीं, यह अलग बात है। लेकिन जाति बताए बिना यह कैसे संभव होगा? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जाति पूछ सकते हैं, लेकिन हम उनकी जाति के बारे में सवाल नहीं कर सकते। मंगलवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा नेता अनुराग ठाकुर द्वारा जाति को लेकर गांधी पर निशाना साधेजाने के बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बहस छिड़ गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने ठाकुर पर उनका अपमान करने का आरोप लगाया था।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत

पटना। बिहार के चार जिलों में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि राज्य की राजधानी पटना और औरंगाबाद में तीन-तीन मौतें हुईं, जबकि नवादा और सारण में एक-एक व्यक्ति की जान चली गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मौतों पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। कुमार ने लोगों से अपील की कि वे आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी परामर्श का पालन करें। राज्य के चार जिलों में बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में विषाक्त भोजन से दो बच्चों की मौत, 15 बीमार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले मे एक शादी समारोह मे कथित तौर पर विषाक्त भोजन के कारण दो बच्चों की मौत हो गई और 15 अन्य बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल उधमपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजीव शर्मा ने कहा, बच्चो मे अत्यधिक उल्टी और दस्त के लक्षण थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉ. शर्मा ने कहा, वे गोरधी इलाके मे एक शादी समारोह में शामिल हुए थे जिससे विषाक्त भोजन होने का संकेत मिलता है। अस्पताल मे 15 बच्चो को भर्ती कराया गया जिनमे से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें जम्मू के जीएमसी अस्पताल में रेफर किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा, दुर्भाग्य से अस्पताल पहुंचने पर दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। समान लक्षण वाले और भी बच्चों को जम्मू के अस्पतालो मे स्थानांतरित किया जा रहा है, जबकि अन्य का उधमपुर के जिला अस्पताल मे इलाज जारी है।

डिजाइन यौर डेस्टिनी कार्यक्रम का आयोजन

गाजियाबाद। आध्यात्मिक मार्गदर्शक और कोच साक्षी श्री ने हाल ही में डिज़ाइन योर डेस्टिनी शीर्षक से एक परिवर्तनकारी वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं और व्यक्तियों को सभी आयु समूहों के माध्यम से ध्यान तकनीकों से सशक्त करना था। होटल मुकुट रीजेंसी में आयोजित इस वर्कशॉप ने ध्यान की गहरी प्रभावीति को बताया, जिससे जीवन की चुनौतियों को सामना करने और अपने अभिजात पोटेंशियल को अनलॉक करने में सहायक होता है।आज की तेज गति वाली दुनिया में, जहां तनाव और अनिश्चितता अक्सर प्रामुख्यता रखती हैं, साक्षी श्री ने आंतरिक परिवर्तन और सचेतता की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर किया।

सिम्पोलो विट्रिफाइड का यूपी में

ललितपुर। सिम्पोलो विट्रिफाइड, भारतीय सिरेमिक उद्योग में अग्रणी ब्रांड है, जिसे सबसे नवीन ब्रांड और बड़े प्रारूप वाले सिंटर्ड कॉम्पैक्ट सतहों और 16/20 मिमी मोटाई वाली आउटडोर टाइल्स, किचन प्लेटफॉर्म टाइल्स और कई तरह के अग्रणी अन्य उत्पादों के लिए जाना जाता है। सिम्पोलो विट्रिफाइड ने वी के ट्रेडर्स, एसडीपीएस स्कूल के पास, बड़ी नेहर पनारी रोड, रावतयाना, ललितपुर, उत्तर प्रदेश - 284403 में 5000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में अपनी विशेष टाइल्स और सेनेटरी वेयर गैलरी का उद्घाटन किया है। संजीव सिंह (जीएम-नॉर्थ 2) ने कहा, ललितपुर अपने परिष्कृत स्वाद और सौंदर्यशास्त्र के प्रति गहरी नजर के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) भरत अघारा भी मौजूद रहे।

ऑयलर ने किया विस्तार

नोएडा। इलेक्ट्रिक कॉमर्शियल वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ऑयलर मोटर्स ने स्मार्ट सोल्यूशंस के साथ साझेदारी में गौतमबुद्ध नगरए नोएडा के सेक्टर-63 में अपनी पहली डीलरशिप खोली है। पूरे देश में कंपनी की यह 21वीं डीलरशिप है और कमर्शियल ईवी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी अपनी रिटेल उपस्थिति का दायरा बढ़ा रही है। नए शोरूम में ऑयलर मोटर्स के प्रमुख थ्री व्हीलर कमर्शियल वाहन. हाईलोड ईवी को प्रदर्शित किया जाएगाए जिसे 30 फ ीसदी ज्यादा आमदनी और मुनाफ देने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। ऑयलर मोटर्स के फाउंडर और सीईओ सौरव कुमार ने कहा कि हम नोएडा में पहली डीलरशिप खोलकर काफी उत्साहित हैं। यहां हम उपभोक्ताओं का कारोबार बढ़ाने के लिए उनके लिए नए ईवी समाधान पेश कर रहे हैं। ऑयलर मोटर्स वित्त वर्ष 2025 के अंत तक कर्मिशयल ईवी मार्केट का 15 फीसदी हिस्सा हासिल करने के अपने मिशन से तालमेल बनाकर काम कर रहा है।

मोदी सरकार केंद्र-राज्य समन्वय को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में काम कर रहीः शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में काम कर रही है जिससे अधिक संख्या में लोगों तक सेवाएं और समाधान पहुंच सकें केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी शुक्रवार को शुरू हुए राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन में की। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन और अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की।शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, आज राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के सम्मेलन में हिस्सा लिया। मोदी सरकार राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय को और भी अधिक सुलभ बनाने की दिशा में काम कर रही है ताकि सेवाओं और समाधानों के साथ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा जा सके। गृहमंत्री ने कहा कि यह मंच न केवल राज्यों के संवैधानिक प्रमुखों के लिए एक स्थान पर एकत्र होने का मौका देता बल्कि विचारों के आदान-प्रदान का मौका भी देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में राज्यपालों से आग्रह किया कि वे केन्द्र और राज्य के बीच एक प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस प्रकार से संवाद करें जिससे वंचितों को भी समावेशित किया जा सके। राष्ट्रपति मुर्मू ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने राज्यपालों को इस पर भी विचार करने की सलाह दी कि वे कैसे अपने-अपने राज्यों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में इस समन्वय को बढ़ावा दे सकते हैं।

गिरफ्तारी के बारे में उद्धव का आरोप झूठा हैः शिंदे

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को यहां कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का यह आरोप झूठा है कि उन्हें और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को गिरफ्तार किया जा सकता है। राज्य सरकार की लाड़की बहिन योजना का उद्घाटन करने के लिए सिल्लोड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ठाकरे इस मामले में निम्न स्तरीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। ठाकरे ने बुधवार को दावा किया था कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता एवं राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने हाल में कहा था कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और उनके बेटे को गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं। फडणवीस राज्य का गृह विभाग भी संभालते हैं। ठाकरे ने फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा था, सब कुछ सहन करने के बाद अब मैं दृढ़ निश्चय के साथ खड़ा हूं। या तो आप वहां होंगे या मैं। मुख्यमंत्री ने मराठी समाचार चैनल एबीपी माझा से बात करते हुए कहा, उद्धव और आदित्य ठाकरे की गिरफ्तारी का मुद्दा एक फर्जी कहानी है। ठाकरे निम्न स्तर की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वायनाड में भूस्खलन भयानक त्रासदी : राहुल

- इससे विशिष्ट तरीके से एवं तत्काल निपटने की आवश्यकता
- कांग्रेस पार्टी वायनाड में 100 से अधिक मकान बनाएगी

भाषा। वायनाड (केरल)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना को शुक्रवार को ऐसी भयानक त्रासदी बताया, जो राज्य के किसी भी क्षेत्र में अब तक नहीं देखी गई है। उन्होंने कहा कि इससे अलग तरीके से निपटे जाने और तत्काल प्रतिक्रिया की जरूरत है। कांग्रेस नेता गांधी ने कहा कि वह इस मामले को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के समक्ष भी उठाएंगे, क्योंकि यह एक अलग तरह की त्रासदी है और इससे अलग तरीके से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल ध्यान शव एवं संभावित जीवित बचे लोगों को ढूंढने और यह सुनिश्चित करने पर है कि विस्थापित लोग शिविरों में बेहतर स्थिति में रहें और उनका पुनर्वास हो। गांधी ने कहा कि पुनर्वास बहुत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस आपदा में जीवित बचे बहुत से लोगों ने उनसे कहा है कि वे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में वापस नहीं जाना चाहते।

गोल्ड लोन से साहूकारों से बच सकते हैं छोटे व्यवसाई

मुंबई। एमएसएमई को नई योजनाओं द्वारा बढ़ावा देने के सरकार के प्रयास के बाद भी जमीनी हकीकत कुछ और है। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आईआईएफएल फाईनेंस के गोल्ड लोन व्यवसाय के ऊपर प्रतिबंध लगा दिया गया, जिसकी वजह से असम में कई छोटे उद्यमी मुश्किल में आ गए और उन्हें साहूकारों से 60 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक की ऊँची ब्याज दर पर कर्ज लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। आईआईएफएल फाईनेंस साठ लाख ग्राहकों को सेवाएं देता है, जो मुख्यत: बैंकिंग सेवाओं की कमी वाले और उनसे वंचित वर्ग के छोटे उद्यमी हैं। प्रक्रिया में उल्लंघन के कारण 4 मार्च, 2024 को आईआईएफएल द्वारा नया ऋृण देने पर रोक लगा दी गई थी। भारत में दूसरे सबसे बड़े गोल्ड लोन नॉन-बैंक फाईनेंसर, आईआईएफएल फाईनेंस पर यह प्रतिबंध लगने से 1,000 शहरों और गाँवों में मौजूद छोटे व्यवसायों पर बहुत बुरा असर पड़ा है। आईआईएफएल इन शहरों में अपनी 2700 शाखाओं और 15,000 से ज्यादा कर्मचारियों के साथ सेवाएं देता है। एक ग्राहक, अर्शी ने कहा कि आईआईएफएल गोल्ड लोन के साथ अपने अनुभव को लेकर वो बहुत संतुष्ट और सुरक्षित महसूस करती थीं, पर आरबीआई द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उन्हें अन्य स्रोतों से ज्यादा ऊँची ब्याज दर पर कर्ज लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। चश्मों की दुकान के मालिक, राजेश ने बताया कि वो अब अपने संचालन को लेकर काफी तनाव में रहते हैं क्योंकि उन्हें आईआईएफएल गोल्ड लोन पर प्रतिबंध लगने के बाद ज्यादा ब्याज दरों पर लोन लेना प ?ता है। उन्होंने कहा, ''मैं छः सालों से आईआईएफएल फाईनेंस का ग्राहक हूँ और मुझे कम ब्याज दर एवं ग्राहक सेवाओं से लाभ मिला है।'' मेरठ में हार्डवेयर शॉप के मालिक दीपक गुहा ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त करते हुए डर व्यक्त किया कि आईआईएफएल की गैरमौजूदगी में उनके व्यवसाय पर ज्यादा ऊँची ब्याज दरों का असर पड़ेगा। गोल्ड लोन ग्रामीण और अर्द्धशहरी इलाकों में छोटे उद्यमियों के बीच क्रेडिट का सबसे बड़ा स्रोत रहे हैं, जहाँ औपचारिक बैंकिंग की पहुँच सीमित है। गोल्ड लोन एनबीएफसी जैसे आईआईएफएल क्रेडिट की इस कमी को अपने विस्तृत शाखा नेटवर्क और स्थानीय समुदाय में अपने मजबूत संपर्कों द्वारा पूरा कर रहे हैं, जिससे उद्यमियों को असंगठित क्षेत्र के साहूकारों के कर्ज के जाल में फंसने से बचने में मदद मिल रही है।

झारखंड में भाजपा विधायकों का अनोखा विरोध-प्रदर्शन, विधानसभा के बाहर बालू का स्टॉल लगाया

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई ने शुक्रवार को विधानसभा के बाहर बालू का स्टॉल लगाकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह बालू की आसमान छूती कीमतों को नियंत्रित नहीं कर रही है। सौ रुपए से लेकर।,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक की मूल्य सूची को दिखाते हुए भाजपा विधायक बालू का वजन करते और इसे अन्य पार्टी विधायकों को बेचते देखे गए। इन विधायकों को विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार अपराह्न दो बजे तक के लिए निलंबित कर दिया था। भाजपा विधायक शशि भूषण मेहता ने आरोप लगाया, झारखंड में बालू बहुत महंगा है क्योंकि इसे दूसरे राज्यों में ले जाया जा रहा है। पार्टी के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा कि वे झारखंड में आम आदमी के हालात दिखाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, अब बालू ट्रक या ट्रैक्टर से नहीं, बल्कि किलो में बेचा जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने इसे भाजपा की नौटंकी करार देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए बालू मुफ्त कर दिया है। सोरेन ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री ने राज्य के गरीब लोगों के लिए बालू को मुफ्त कर दिया है।

हिंद महासागर में अशांति पैदा करने वाले बदलाव की आशंकाः जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर में अशांति पैदा करने वाले बदलाव होने की आशंका है और भारत को इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।एक विचारक संस्था (थिंक टैंक) के संवाद सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत के पड़ोस में जो प्रतिस्पर्धा देखी गई है, वह निश्चित रूप से हिंद महासागर में भी होगी।विदेश मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के बारे में बात की और कहा, इस बारे में विलाप करने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि भारत को प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है और वह वास्तव में यही करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर में प्रतिस्पर्धा के लिए उसी तरह तैयार है, जिस तरह वह बाकी पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हिंद महासागर में समुद्री मौजूदगी की नजर आ रही है, जो पहले नहीं थी। इसलिए यह एक विध्वंसकारी परिवर्तन के लिए तैयार है। मुझे लगता है कि हमें इसका पूर्वानुमान लगाने (और) हमें इसके लिए तैयारी करने की जरूरत है। चीन धीरे-धीरे हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जिसे पारंपरिक रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।जयशंकर ने सेंटर फॉर एयरपावर स्टडीज (सीएपीएस) में जसजीत सिंह स्मारक व्याख्यान देने के बाद एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री ने भारत की समुद्री पहल सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के पीछे के कारणों को भी समझाया, जिसे नौ साल पहले शुरू किया गया था।उन्होंने बताया कि भारत सागर की व्यापक नीतिगत रूपरेखा के अंतर्गत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग कर रहा है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने सफल सहयोगात्मक दृष्टिकोण के विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया और कहा कि इनका उद्देश्य पड़ोसियों को आर्थिक रूप से और अधिक करीब लाना है।

आयुष मंत्रालय नेचुरोपैथी का करेगा समग्र विकास : प्रतापराव जाधव'

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में सूर्या फाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार प्रतापराव जाधव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह का उद्घाटन आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। समारोह में 200 से अधिक योग प्राकृतिक चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त राजू बिष्ट एवं भोलासिंहदोनों सांसद, कोस्तुभ कर्माकर वेद जी वॉइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन,डॉ. डी. एन. शर्मा व डॉ आर एस डबास दोनों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बिजय राज शिन्दे पूर्व विद्यायक बुलढाना महाराष्ट्रा, नन्द किशोर अग्रवाल अध्यक्ष व मामराज अग्रवाल, बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर दिल्ली तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा योग की अन्य संस्थओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुये।

क्विक न्यूज

वेणुगोपाल का नड्डा को पत्रः केरल के नीट-पीजी अभ्यर्थियों के लिए राज्य में परीक्षा केंद्र का आग्रह

नई दिल्ली। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा से आग्रह किया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-पीजी के लिए केरल के विद्यार्थियों के लिए उनके राज्य के भीतर या आस-पास के स्थानों में परीक्षा केंद्र सुनिश्चित किए जाएं। केरल के अलप्पुझा से सांसद ने नड्डा को पत्र लिखकर कहा कि केरल और अन्य जगहों के कई उम्मीदवारों के परीक्षा केंद्रों और तारीखों को लेकर परेशान करने वाले और अव्यावहारिक बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सुधार की जरूरत है। वेणुगोपाल ने कहा, नीट-पीजी परीक्षा कई बार स्थगित की जा चुकी है। हाल ही में, परीक्षा को 11 अगस्त को पुनर्निर्धारित किया गया था। 19 जुलाई को, उम्मीदवारों को नए परीक्षा केंद्रों का चयन करने के लिए कहा गया था। परेशान करने वाली बात यह है कि केरल के उम्मीदवारों को राज्य के भीतर सीमित विकल्प और आंध्र प्रदेश जैसे दूर के स्थानों में एक अनिवार्य चौथा विकल्प प्रदान किया गया।

कस्तूरीरंगन रिपोर्ट खारिज करने पर वन मंत्री से बातचीत के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगाः सिद्धरमैया

मेदिकेरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने पश्चिमी घाट पर कस्तूरीरंगन रिपोर्ट को खारिज करने का फैसला किया है। उन्होने कहा कि हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय वन मंत्री ईश्वर खांडरे के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली पश्चिमी घाट समिति ने प्रस्ताव दिया है कि पश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल का 37 प्रतिशत भाग पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित किया जाए। सैंतीस प्रतिशत क्षेत्र लगभग 60,000 वर्ग किलोमीटर के बराबर है। साठ हजार वर्ग किलोमीटर में से लगभग 21,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र कर्नाटक में है।

पीएनबी अधिकारी ने छात्र की फ़ीस भरी

वाराणसी। पंजाब नैशनल बैंक-पीएनबी देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एकए ने एक बार फिर अपने सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रमाणित किया है। हाल ही में वाराणसी में एक घटना ने पीएनबी के कर्मचारियों की सेवा भावना की अद्वितीय मिसाल पेश की है। पिछले 25 से 29 जुलाई 2024 की अवधि में पीएनबी मंडल कार्यालय वाराणसी, पीएलपी वाराणसी, और ग्राहक अर्जन केंद्र वाराणसी ने संयुक्त रूप से काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी बीएचयू में शिक्षा ऋण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 45 ऋण वितरित किए गए। इसी दौरान एक महत्वपूर्ण घटना घटी जिसमें आईआईटी बीएचयू में प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्र अमन चौधरी को प्रथम सेमेस्टर की फीस भरने में समस्या आ रही थी। अमन चौधरी जबलपुर मध्यप्रदेश के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता एक दिहाड़ी मजदूर हैं और फीस भरने के लिए उनके पास पैसे नहीं थे। पैसों के अभाव में अमन का नामांकन बाधित हो रहा था और ऋण की राशि खाते में आने तक उनके पास समय नहीं था। ऐसे में अमन ने अपनी समस्या पीएनबी ऋण शिविर के अधिकारियों के समक्ष रखी। पी एल पी रैम वाराणसी के अधिकारी ुकेश कुमार ने सेवा भावना की अनूठी मिसाल पेश करते हुए अपने क्रेडिट कार्ड से अमन की फ़ीस जमा कराई, जिससे अमन का नामांकन संभव हो पाया। मुकेश कुमार के इस आत्मीय कार्य की मंडल प्रमुख प्रभाष चंद्र लालए उप मंडल प्रमुख श्री बृज लाल गुप्ता, और रैम प्रमुख श्री सैविश सिद्दीकी सहित पीएनबी के सभी उच्च अधिकारियों ने भूरि.भूरि प्रशंसा की है।

एसबीआई इनोवेटिव अपॉर्चुनिटीज फंड योजना

मुंबई। । एसबीआई म्यूचुअल फंड ने नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप निवेशकों के लिए एक नया फंड एसबीआई इनोवेटिव अपॉर्चुनिटीज फंड का आरंभ किया है । यह फंड मुख्यतः ओपन-एंडेड श्रेणी में है । नई रणनीतियों और अवधारणाओं को भुनाने की चाहत रखने वाली कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी-संबंधित विकल्पोमें निवेश करके निवेशकों को दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि के अवसर प्रदान करना, यह इस फंड का मुख्य निवेश उद्देश्य है । हालाँकि, इस बात का कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता कि, योजना के निवेश उद्देश्य पूरे होंगे । इस फंड के लिए निफ्टी 500 टीआरआई बेंचमार्क इंडेक्स होगा । नए फंड के लॉन्च पर बोलते हुए, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शमशेर सिंह ने कहा, आज हमारा देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और विकसित भारत का केंद्र बिंदु इनोवेशन बन गया है । स्टार्ट अप इंडिया, अटल इनोवेशन मिशन और इंडिया स्टैक जैसी पहलों के माध्यम से स्कूल से लेकर उद्योग तक नवाचार की संस्कृति और मजबूत बनाना यह सरकार का लक्ष्य है । एक बड़े उपभोक्ता बाजार के साथ-साथ एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ एक संपन्न स्टार्टअप और निवेश अर्थव्यवस्था वर्तमान में हमारे देश को नवाचार क्षितिज पर एक नेता के रूप में उभरने के लिए कई अनुकूल कारक प्रदान कर रही है । प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए लगातार नवाचार कर रहे और ग्राहकों को प्रदान किए जाने वाले तत्वों में मूल्य जोड़ने के लिए अलग तरीके से काम कर रहे कंपनियों में निवेश के लिए इच्छुक निवेशकों के लिए एसबीआई इनोवेटिव अपॉर्चुनिटीज फंड एक शानदार अवसर है ।

छात्रों को 250 करोड़ की स्कॉलरशिप मिलेगी

नई दिल्ली। फिजिक्स वाला, भारत की अग्रणी शिक्षा कंपनी, एनएसएटी (राष्ट्रीय स्कॉलरशिप सामान्य प्रवेश परीक्षा) 2024 के तीसरे संस्करण के शुभारंभ के साथ शिक्षा की पहुंच को महत्वपूर्ण रूप से बदलने जा रही है। पीडब्ल्यू एनएसएटी सबसे बड़ा स्कॉलरशिप परीक्षा है। इस पहल का उद्देश्य नीट-आईआईटी परीक्षाओं में स्कॉलरशिप हासिल करने की इच्छा रखने वाले छात्रों को श्रेष्ठ शिक्षा और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करना है, भले ही उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। एनएसएटी 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन अब खुल गया है, जिसमें देशभर के छात्रों को इन प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने का मौका दिया गया है। परीक्षा 1 से 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन और 6 और 13 अक्टूबर को ऑफलाइन - 2024 में चयनित केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध हैं, जो सभी छात्रों के लिए सुलभ हैं। यह कार्यक्रम कक्षा 11 व 12 तक के छात्रों के लिए खुला है, जिसमें पीसीएम-पीसीब समूह शामिल हैं, जिससे यह व्यापक रूप से समावेशी है। महत्वपूर्ण रूप से, परीक्षा रजिस्ट्रेशन निशुल्क है। परिणाम नवंबर 2024 में घोषित किए जाएंगे।

भव्यता और जंगल के अनुभव का शानदार संयोजन

कानपुर। हॉस्पिटेलिटी उद्योग के जाने.माने नामों में से एक शेरवानी होटल्स ने 48 कमरों के बुटीक होटल शेरवानी पैबल्स एण्ड पाइन्स कॉर्बेट का लॉन्च किया हैए जो आराम और एडवेंचर का अनूठा संयोजन होगा। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में स्थित यह होटल प्रकृति एवं रोमांच प्रेमियों को खूब लुभाएगाए जहां आने वाले मेहमान जंगल की भव्यता का यादगार अनुभव पा सकेंगे। तो जंगल के नज़ारों और आवाज़ों में खो जाने के लिए तैयार हो जाएंए क्योंकि यहां प्रकृति के साथ बिताया गया हर पल हमेशा के लिए यादगार बन जाएगा। होटल की सफारी डेस्कए जंगल सफारी की सुविधा भी पेश करती हैए जहां आप प्राकृतिक आवास में रहने वाले राजसी रॉयल टाइगर को देखने का दुर्लभ अवसर पा सकते हैं। अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आपको जंगल के नज़ारे देखने का मौका मिलेगाए जहां ये टाइगर खुले घूमते देखे जाते हैं। सफारी डेस्क सुरक्षित और सहज अनुभव प्रदान करती हैए जहां आप गाईडए सुव्यवस्थित वाहनों के साथ प्रकृति के खूबसूरत नज़ारे देखने का अनुभव पा सकते हैं। शेरवानी पैबल्स एण्ड पाइन्स कॉर्बेट में 48 कमरे और सुईट्स हैं।

नाइजीरिया में आर्थिक संकट के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 13 लोग मारे गए

मानवाधिकार समूह का दावा

भाषा। अबुजा

नाइजीरिया में आर्थिक संकट के खिलाफ व्यापक पैमाने पर जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 13 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। एक मानवाधिकार समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विरोध-प्रदर्शन ने कई राज्यों में हिंसक रूप ले लिया है, जिसके चलते कई जगह कर्फ्यू घोषित किया गया है। अधिकारियों ने बम धमाके में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की और कहा कि देशभर में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के नाइजीरिया निदेशक ईसा सानुसी ने एक साक्षात्कार में कहा कि समूह ने चश्मदीदों, पीड़ितों के परिवारों और वकीलों द्वारा बताई गई मौतों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की है। इस बीच, नाइजीरिया की पुलिस ने कहा कि सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों की लूटपाट के चलते उत्तरी राज्यों – कानो और कटसीना में 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया और कर्फ्यू लगा दिया गया। उसने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारी बढ़ते आर्थिक संकट को दूर करने की मांग कर रहे हैं, जिसके चलते अफ्रीका के शीर्ष तेल उत्पादक देश के लोग सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार और कुशासन को समाप्त करने की मांग की। मीडिया में आए विरोध-प्रदर्शन के वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारियों को गोदामों में लूटपाट करते और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए देखा जा सकता है।

बढ़ते तनाव के बीच इजराइल में रह रहे भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह

भाषा। तेल अवीव

भारतीय दूतावास ने यहां शुक्रवार को इजराइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी कि वे सतर्क रहने के साथ स्थानीय प्रशासन की ओर से सुझाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। इजराइल के हमले में एक के बाद एक दो हमास नेताओं और हिजबुल्ला के एक कमांडर के मारे जाने के बाद पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनाव के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने यह परामर्श जारी किया। पिछले महीने हमास नेता इस्माइल हनिएह की ईरान में हत्या कर दी गई जबकि हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद जेफ गाजा में मारा गया। लेबनान में सक्रिय हिजबुल्ला का कमांडर फौद शुकूर बेरूत पर किए गए हवाई हमले में मारा गया। इजराइल को कई देशों और समूहों द्वारा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है और हनिएह की मौत से इलाके में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंचने की आशंका है। भारतीय दूतावास ने यहां जारी एक परामर्श में कहा, कृपया सावधानी बरतें, देश के भीतर आवश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इजराइली अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में है। दूतावास के सभी सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट करके अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ में जारी किए गए परामर्श में ईमेल पते के साथ टेलीफोन नंबर ़972-547520711 और ़972-543278392 जैसे संपर्क विवरण भी दिए गए हैं जिस पर 24 घंटे मदद उपलब्ध रहेगी। एयर इंडिया ने बृहस्पतिवार को अपनी दिल्ली-तेल अवीव उड़ानें आठ अगस्त तक रद्द कर दीं। इजराइली अधिकारियों के इस दावे के बावजूद कि उसका हवाई क्षेत्र बिल्कुल सुरक्षित है, लगभग 10 अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इजराइल में भारतीय मिशन की ओर से जारी परामर्श से पहले बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को परामर्श जारी करके भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा नहीं करने की सलाह दी थी, इसके अलावा उन्हें लेबनान छोड़ने की भी सलाह दी गई है।

फिलीपीन में एक इमारत में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत

मनीला,। फिलीपीन की राजधानी मनीला के भीड़भाड़ वाले चाइनाटाउन जिले में शुक्रवार को एक छोटी सी इमारत के एक हिस्से में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। आग पर काबू पाने के लिए लगभग 14 फायर ट्रक दो घंटे से अधिक समय तक संघर्ष करते रहे।आग दुनिया के सबसे पुराने चाइनाटाउन में से एक में पुरानी पांच मंजिला इमारत में लगी। यह राजधानी में नदी किनारे स्थित घनी आबादी वाला हिस्सा है। अग्नि जांचकर्ता रोडरिक एंड्रेस ने कहा कि आग भूतल पर एक रेस्तरां में लगी और मरने वालों में कई कर्मचारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मृतक दूसरी और तीसरी मंजिल पर पाए गए। किसी और के लापता होने की सूचना नही है।

लाहौर में इमरान खान की पार्टी के वरिष्ठ नेता की गोली मारकर हत्या

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के एक वरिष्ठ नेता की लाहौर में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह शुक्रवार की नमाज अदा करने के बाद एक मस्जिद से बाहर आ रहे थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। लाहौर पुलिस के प्रवक्ता ने कहा, डॉ. शाहिद सादिक खान शुक्रवार की नमाज अदा करने के बाद लाहौर के वालेंसिया टाउन स्थित एक मस्जिद से बाहर आ रहे थे कि तभी चार अज्ञात लोगों ने उन पर गोलियां बरसाईं और दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर भाग गए। उन्होने कहा, उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। खान एक निजी अस्पताल के मालिक थे। प्रवक्ता ने कहा कि घटना की जांच के लिए लाहौर पुलिस के प्रमुख ने विशेष टीम का गठन किया है। पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने लाहौर पुलिस से हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा।

भारत दुनिया में चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना

ग्लोबल। भारत में चाय हर दूसरे शख्स की पहली पसंद होती है शायद इसी वजह से भारत दुनिया में चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत में चाय का बिजनेस बहुत ही ज्यादा चलन में है। देखा जाए तो देश भर में चाय की वजह से डायरेक्टइनडायरेक्ट रोजगार के कई अवसर प्रदान करता है। ऐसे ही मध्यप्रदेश के 3 युवाओं ने मिल कर अपना नया स्टार्टअप शुरू किया माटी जो कि चायपत्ती उत्पादन के साथ-साथ हर घर में माँ का प्यार और देश का स्वाद माटी पहुँचना चाहते है रामपुर में फैजान खान ने माटी चायपत्ती की डिस्ट्रीब्यूटरशिप के साथ उत्तर प्रदेश वासियों को कड़क चाय का अनुभव देने की शुरुआत की हैं जिनका मानना है . हमारे घर.परिवार में आज भी ऐसे कुछ लोग है जो किसी कारण से कैफ़ेया बाहर बैठ कर चाय का स्वाद नहीं ले पाते अब वे लोग माटी के द्वारा रामपुर में अपने घरों में भी पूरे परिवार के साथ जब चाहे तब माटी की चाय का आनंद उठा पाएंगे।

प्लेटिनम की मांग बढ़ी

दिल्ली। दुनिया भर में प्लेटिनम की मांग बढी है। बारिश के मौसम में आपका स्टाईल बनाएगा प्लेटिनम इवारा का कलेक्शन। प्लेटिनम इवारा की सुंदर ज्वेलरी, शुद्ध प्लेटिनम से बनी है, जिसमें बारिश के हर दिन के लिए एक विशेष आकर्षण के साथ बेहतरीन लुक और ग्लैमर है। यह कलेक्शन 95 प्रतिशत शुद्ध प्लेटिनम से बना हैए जो सादगी के साथ उत्कृष्टता प्रदर्शित करता है। इसकी प्राकृतिक सफेद चमक और बेहतरीन शिल्पकारी के कारण यह ज्वेलरी बारिश के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। चाहे नाजुक पेंडेंट पहनना हो या खूबसूरत ब्रेसलेटए इसका हर डिज़ाईन कैज्युअल आउटिंग और औपचारिक अवसरों दोनों के लिए उपयुक्त है।

रूस से बंदियों की अदला-बदली के बाद रिहा हुए तीन अमेरिकी स्वदेश पहुंचे

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका और रूस के बीच सोवियत इतिहास के बाद बृहस्पतिवार को हुई बंदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली के बाद रिहा तीन अमेरिकी मध्यरात्रि को स्वदेश लौटे, जहां राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनका स्वागत किया। बंदियों की अदला-बदली के अंतर्गत मॉस्को ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गेर्शकोविच और मिशिगन के कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी पॉल व्हेलन और व्लादिमीर कारा मुर्जा सहित असंतुष्टों को रिहा कर दिया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत एक-दूसरे के यहां जेलों में बंद लगभग दो दर्जन लोग मुक्त किए गए। गेर्शकोविच, व्हेलन और अलसु कुर्माशेवा (जो अमेरिका-रूस की दोहरी नागरिकता वाली पत्रकार हैं) बृहस्पतिवार मध्यरात्रि में स्वदेश पहुंचे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण किए जाने के कारण शीतयुद्ध के बाद वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंध सबसे निचले स्तर पर आ गए थे, लेकिन इसके बावजूद बंदियों की अदला-बदली के लिए गुप्त बैठकें होती रहीं। बाइडन ने वापस लौटे अमेरिकी नागरिकों के परिवारों के साथ व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान इसे एक रणनीतिक उपलब्धि करार दिया। उन्होंने कहा, इस तरह के समझौते के लिए कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। मेरे लिए अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है,चाहें वे देश में हो या विदेश में। यह समझौता पिछले दो वर्षों में रूस और अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली के लिए की गई बातचीत की श्रृंखला में नवीनतम है, लेकिन अन्य देशों से महत्वपूर्ण रियायतों की आवश्यकता वाला पहला सौदा है, जिसे राष्ट्रपति बाइडन ने अपने प्रशासन के अंतिम महीनों में एक कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में घोषित किया था। अमेरिका को अपने नागरिकों की रिहाई के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है।

रूसी खुफिया एजेंट को भी छोड़ा गया

तािल्लन (एस्टोनिया)। अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध के बाद कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली में रूस ने पहली बार स्वीकार किया कि पश्चिमी देशों में पकड़े गए कुछ रूसी नागरिक उसकी सुरक्षा सेवाओं से जुड़े थे। रिहा किए गए कैदियों के परिवारों ने इस आश्चर्यजनक रिहाई पर अपनी खुशी व्यक्त की। बृहस्पतिवार रात अमेरिकी प्रांत मैरीलैंड में पत्रकार इवान गेर्शकोविच और अलसू कुर्माशेवा तथा पूर्व मरीन पॉल व्हेलन का उनके परिवारों ने स्वागत किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इस पर खुशी जताई। वही, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को के वानुकोवो हवाई अड्डे पर वापस आए प्रतएक रूसी नागरिक को गले लगाया। ैटने वाले आठ लोगों में वादिम क्रसीकोव भी शामिल था, जो एक रूसी हत्यारा था और 2019 में बर्लिन के एक पार्क में एक पूर्व चेचन लड़ाके की हत्या के लिए जर्मनी में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जर्मन न्यायाधीशों ने कहा था कि हत्या रूसी अधिकारियों के आदेश पर की गई थी। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि क्रसीकोव संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का अधिकारी है और पश्चिमी देशों को भी यह तथ्य बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि क्रसीकोव ने एक बार पुतिन के कुछ अंगरक्षकों के साथ एफएसबी की विशेष अल्फा इकाई में काम किया था।

अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का नशीला पदार्थ भी बरामद हुआ है। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। न्याय विभाग ने बताया कि आरोपियों की पहचान 28 वर्षीय सिमरनजीत सिंह और 19 वर्षीय गुसिमरत सिंह के रूप में हुई है और वे कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो के निवासी थे। उसने बताया कि भारतीय नागरिकों पर मादक पदार्थ की तस्करी करने का आरोप है। आरोपियों को 29 जुलाई को बोस्टन की एक अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें हिरासत में भेज दिया था। स्थानीय पुलिस ने एक ट्रैक्टर से 400 किलोग्राम से अधिक की कोकीन बरामद करने के बाद दोनों भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया था। कोकीन की कीमत लगभग 1.05 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी का दोषी पाए जाने पर अधिकतम 20 साल और कम से कम तीन साल की सजा का प्रावधान है। साथ ही दस लाख अमेरिकी डॉलर तक के जुर्माने का प्रावधान है।

अमेरिका को पन्नू की हत्या के प्रयास के मामले में भारत से जवाबदेही की उम्मीद

भाषा वाशिंगटन

अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि पिछले वर्ष अमेरिका की धरती पर उसके एक नागरिक की हत्या की कोशिश के मामले में भारत के एक सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में उनका देश भारत से जवाबदेही की उम्मीद करता है। विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। पिछले वर्ष नवंबर में अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया था। गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिकी और कनाडाई दोनों नागरिकताएं हैं। गुप्ता को पिछले वर्ष जून में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। पटेल ने कहा, हम पिछले वर्ष गर्मियों में अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के असफल प्रयास में भारत सरकार के एक कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, हम उच्च स्तर पर सीधे भारत सरकार के समक्ष अपनी चिंताओं को उठा रहे हैं। हालांकि पटेल ने उस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जिसमें कहा गया है कि कनाडाई अधिकारियों ने एक विवाह समारोह में सिख अलगाववादी को निशाना बनाने की योजना बना रहे पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

एआई के युग में दर्शनशास्त्र महत्वपूर्ण है

लंदन। नई वैज्ञानिक समझ और इंजीनियरिंग तकनीकें हमेशा प्रभावित और भयभीत करती रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आगे भी ऐसा होता रहेगा। ओपनएआई ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे इस दशक में मानवीय क्षमताओं को पार करने वाला एआई ैसुपरइंटेलिजेंसै बन जाने का अनुमान है। यह तदनुसार एक नई टीम का निर्माण कर रहा है, और अपने कंप्यूटिंग संसाधनों का 20ऱ यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कर रहा है कि ऐसे एआई सिस्टम का व्यवहार मानवीय मूल्यों के साथ संरेखित होगा। ऐसा लगता है कि वे नहीं चाहते कि दुष्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवता पर युद्ध छेड़ें, जैसा कि जेम्स कैमरून की 1984 की विज्ञान कथा थ्रिलर, द टर्मिनेटर (बदकिस्मती से, अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर की टर्मिनेटर में 2029 से समय में वापस भेजा गया है) में हुआ था। ओपनएआई समस्या से निपटने में मदद के लिए शीर्ष मशीन-लर्निंग शोधकर्ताओं और इंजीनियरों को बुला रहा है।लेकिन क्या दार्शनिकों के पास योगदान करने के लिए कुछ हो सकता है? अधिक सामान्यत:, अब उभर रहे नए तकनीकी रूप से उन्नत युग में इस सदियों पुराने विषय से क्या उम्मीद की जा सकती है ?इसका उत्तर देने के लिए, इस बात पर ज़ोर देना ज़रूरी है कि दर्शन अपनी शुरुआत से ही एआई में सहायक रहा है। पहली एआई सफलता की कहानियों में से एक 1956 का कंप्यूटर प्रोग्राम था, जिसे लॉजिक थियोरिस्ट कहा जाता था, जिसे एलन नेवेल और हर्बर्ट साइमन ने बनाया था। इसका काम प्रिंसिपिया मैथमेटिका के प्रस्तावों का उपयोग करके प्रमेयों को सिद्ध करना था, जो 1910 में दार्शनिक अल्फ्रेड नॉर्थ व्हाइटहेड और बर्ट्रेंड रसेल द्वारा तीन खंडों में लिखा गया काम था, जिसका लक्ष्य सभी गणित को एक तार्किक आधार पर फिर से बनाना था।वास्तव में, एआई में तर्क पर शुरुआती फोकस गणितज्ञों और दार्शनिकों द्वारा अपनाई गई मूलभूत बहसों के कारण था।

भारतीय नौसेना की पनडुब्बी औपचारिक दौरे पर कोलंबो पहुंची

कोलंबो। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी (आईएनएस) शाल्की दो दिवसीय औपचारिक दौरे पर शुक्रवार को कोलंबो बंदरगाह पर पहुंची। श्रीलंका नौसेना ने नौसेना परंपराओं के अनुसार यहां पहुंची पनडुब्बी का स्वागत किया। आईएनएस शाल्की 64.4 मीटर लंबी और 40 चालक दल सदस्य वाली पनडुब्बी है। इसकी कमान कमांडर राहुल पटनायक के पास है। कोलंबो में पनडुब्बी के रुकने के दौरान श्रीलंका नौसेना के कर्मियों के इसका दौरा कर परिचालन विशेषताओं पर जानकारी कार्यक्रम में हिस्सा लेने की उम्मीद है। इस दौरान आईएनएस शाल्की के कमांडिंग ऑफिसर ने शुक्रवार को पश्चिमी नौसेना कमान मुख्यालय में पश्चिमी नौसेना क्षेत्र के कमांडर रियर एडमिरल चिंताका कुमारसिंघे से मुलाकात की। इसके अलावा, पनडुब्बी के चालक दल के सदस्यों के देश के कुछ पर्यटन आकर्षण केंद्रों का भी भ्रमण करने की उम्मीद है। चार अगस्त को आधिकारिक यात्रा के समापन पर आईएनएस शाल्की द्वीपीय राष्ट्र से प्रस्थान करेगी। इससे पहले कोलंबो पहुंचने वाली आखिरी भारतीय पनडुब्बी आईएनएस करंज थी। वह तीन फरवरी को श्रीलंका की स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर पहुंची थी। पिछले वर्ष जून माह में आईएनएस वागीर कोलंबो बंदरगाह पर पहुंची थी।

मेटा ने इतिहास का सबसे बड़ा ओपन एआई मॉडल लॉन्च

इसका व्यापक हित में होना जरूर

सिडनी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में एक लड़ाई चल रही है। एक तरफ ऐसी कंपनियाँ हैं जो अपने उन्नत सॉफ़्टवेयर के पीछे डेटासेट और एल्गोरिदम को निजी और गोपनीय रखने में विश्वास करती हैं। दूसरी ओर ऐसी कंपनियाँ हैं जो जनता को यह देखने की अनुमति देने में विश्वास करती हैं कि उनके परिष्कृत एआई मॉडल के के पीछे आखिर क्या है।इसे खुले और बंद स्रोत एआई के बीच की लड़ाई के रूप में देखा जा सकता है।हाल के सप्ताहों में, फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने बड़े एआई मॉडल का एक नया संग्रह जारी करके ओपन-सोर्स एआई के लिए बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ी। इनमें लामा 3.1 405बी नाम का एक मॉडल शामिल है, जिसके बारे में मेटा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी, मार्क जुकरबर्ग कहते हैं, ैपहला फ्रंटियर-स्तरीय ओपन सोर्स एआई मॉडल है।ऐसे किसी भी व्यक्ति के लिए जो ऐसे भविष्य की परवाह करता है जिसमें हर कोई एआई के लाभों तक पहुंच सके, यह अच्छी खबर है।क्लोज्ड-सोर्स एआई का खतरा – और ओपन-सोर्स एआई का वादाक्लोज्ड-सोर्स एआई उन मॉडलों, डेटासेट और एल्गोरिदम को संदर्भित करता है जो स्वामित्व वाले होते हैं और गोपनीय रखे जाते हैं। उदाहरणों में चैटजीपीटी, गूगल का जेमिनी और एंथ्रोपिक का क्लाउड शामिल हैं।हालाँकि कोई भी इन उत्पादों का उपयोग कर सकता है, लेकिन यह पता लगाने का कोई तरीका नहीं है कि एआई मॉडल या टूल बनाने के लिए किस डेटासेट और स्रोत कोड का उपयोग किया गया है।हालाँकि यह कंपनियों के लिए अपनी बौद्धिक संपदा और अपने मुनाफे की रक्षा करने का एक शानदार तरीका है, लेकिन इससे सार्वजनिक विश्वास और जवाबदेही को कम करने का जोखिम है। एआई प्रौद्योगिकी को बंद-स्रोत बनाने से भी नवाचार धीमा हो जाता है और कंपनी या अन्य उपयोगकर्ता अपनी एआई जरूरतों के लिए एक ही मंच पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जिस प्लेटफ़ॉर्म पर मॉडल का स्वामित्व है वह परिवर्तन, लाइसेंसिंग और अपडेट को नियंत्रित करता है।ऐसे कई नैतिक ढाँचे हैं जो एआई की निष्पक्षता, जवाबदेही, पारदर्शिता, गोपनीयता और मानवीय निरीक्षण में सुधार करना चाहते हैं।

हालाँकि, इन सिद्धांतों को अक्सर स्वामित्व प्रणालियों से जुड़ी पारदर्शिता और बाहरी जवाबदेही की अंतर्निहित कमी के कारण बंद-स्रोत एआई के साथ पूरी तरह से हासिल नहीं किया जाता है। चैटजीपीटी के मामले में, इसकी मूल कंपनी, ओपनएआई, जनता के लिए अपने नवीनतम एआई टूल का न तो डेटासेट और न ही कोड जारी करती है।

आई एनर्जी में नवाचार का प्रयोग जारी

ऊर्जा भंडारण के समाधानों में नवाचार में अग्रणी लिवगार्ड को अपने नवीनतम अभियान बनो किसी की एनर्जी को लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है जिसमें प्रतिष्ठित अभिनेता अक्षय कुमार को भी दर्शाया गया है। ब्रांड ने हाल ही में अपना शानदार उत्पाद, विज़न एचडीएक्स 1100आई इनवर्टर लॉन्च किया है जो पावर कट प्रेडिक्शनए चार्जिंग इंडिकेटर के साथ डिजिटल स्क्रीन डिस्प्ले,रनिंग लोड, बैकअप टाइम आदि जैसी उन्नत और स्मार्ट सुविधाओं के साथ आता है और इसे एक अत्याधुनिक उत्पाद बनाता है। दिल को छूने वाली यह लांचिंग परिवार के स्तंभ कर्ताश् होने के साथ आने वाली जिम्मेदारी की अद्भुत भावना को उजागर करती है और बताती है कि कैसे लिवगार्ड के स्मार्ट एआई चार्जिंग इनवर्टर लोगों को अपने प्रियजनों की सहायता करने और उनका उत्थान करने में सक्षम बनाते हैं। यह उत्पाद आपको अपना दिन अपने तरीके से चलाने में सहयता करेगा। टीवीसी पर टिप्पणी करते हुए लिवगार्ड एनर्जी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के एमडी और सीईओए गुरप्रीत भाटिया ने कहा कि हम अपने उपभोक्ताओं को समझते हैं और अपने प्रियजनोंकी प्रगति में उनकी भूमिका को स्वीकार करते हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे उत्पाद उन्हें और उनके परिवार को ऊर्जा के बारे में आज़ादी हासिल करने में मदद करेंए जिससे उनकी प्रगति को बढ़ावा मिलता है।

क्विक न्यूज

अपनी पहली विदेश यात्रा पर थाईलैंड जा सकते हैं नेपाल के नए प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू। नेपाल के नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए संभवत: थाईलैंड जा सकते है, जिससे पहले किसी पड़ोसी देश की यात्रा करने की परंपरा टूट जाएगी। पूर्व में, नेपाल के प्रधानमंत्रियों ने अधिकतर पहले भारत का दौरा किया था, हालांकि कुछ ने चीन की भी यात्रा की थी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ओली सितंबर के पहले सप्ताह में बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए थाईलैंड की यात्रा पर जाएंगे। ओली के एक सहयोगी ने बताया कि प्रधानमंत्री बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत सितंबर के पहले सप्ताह में थाईलैंड जाएंगे, हालांकि यात्रा के विवरण को अभी अंतिम रूप दिया जाना है। बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड सहित बिम्सटेक के सदस्य देशों के नेता शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए सितंबर के पहले सप्ताह में बैंकॉक में मिल रहे है।प्रधानमंत्री ओली संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए सितंबर के तीसरे सप्ताह में अमेरिका की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कहा, अभी तक हमें भारत यात्रा के लिए कोई आधिकारिक निमंत्रण नही मिला है।

नेपाल: नवनियुक्त प्रधानमंत्री ओली ने तीन लोगों को राज्य मंत्री बनाया

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार करते हुए तीन लोगों को राज्य मंत्री बनाया। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री ओली की सिफारिश पर अरुण कुमार चौधरी, रूपा बीके और पूर्ण बहादुर तमांग को राज्य मंत्री नियुक्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, चौधरी को पर्यटन, संस्कृति और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, रूपा बीके को वन और पर्यावरण राज्य मंत्री और तमांग को ऊर्जा एवं सिंचाई राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है। रूपा बीके और तमांग नेपाली कांग्रेस से है जबकि चौधरी नागरिक उन्मुक्ति पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री ओली की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित 25 सदस्य है। पिछले महीने सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष 72 वर्षीय ओली चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए थे, जिन्होंने पुष्प कमल दाहाल प्रचंड का स्थान लिया।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में न्यायाधीशों के काफिले पर हमला, दो पुलिसकर्मी मारे गए

पेशावर। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में स्थित अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने शुक्रवार को ड्यूटी करके घर लौट रहे न्यायाधीशो के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया जिससे उनकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियो की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सभी तीन न्यायाधीश सुरक्षित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आतंकवादियो की ओर से घात लगाकर किए गए सशस्त्र हमले मे न्यायाधीशो की रक्षा करते समय ड्यूटी के दौरान दो पुलिसकर्मी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान में टैंक जिले की अदालतों मे ड्यूटी के बाद न्यायाधीशों का काफिला जब उनके घरों की ओर जा रहा था तो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सशस्त्र आतंकवादियो ने घात लगाकर हमला कर दिया। टैंक-डीआई खान मार्ग पर पुलिस और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी जारी है। इस बीच प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने न्यायाधीशो के वाहनो पर हमले की निंदा करते हुए रिपोर्ट तलब की है। गंडापुर ने दो पुलिसकर्मियो की मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए न्यायाधीशो के लिए सुरक्षा घेरा मजबूत करने का भी आह्वान किया। नेशनल असेंबली में प्रस्तुत गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान मे वर्ष 2023 मे1,514 आतंकवादी हमले हुए जिसमें 2,922 लोग मारे गए।

पाकिस्तान : कुर्म जिले में हिंसक झड़पों में शामिल जनजातियों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी कुर्म जिले मे हिंसक झड़पो मे शामिल जनजातियों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए है, जिसके बाद हिंसा रूक गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। लगभग एक सप्ताह से जारी हिंसक झड़पो मे 50 लोगों की मौत हो गई और 225 से अधिक लोग घायल हुए है। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को जिरगा (स्थानीय पंचायत) नेताओ के हस्तक्षेप के बाद शांति समझौता किया गया। उपायुक्त जावेद उल्लाह महसूद ने कहा कि शांति समझौते के बाद अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्म जिले में झड़पे बंद हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि शांति समझौता कुर्म जिले में संघर्षरत शिया और सुन्नी गुटो के बीच दो अलग-अलग आयोजित जिरगा बैठको मे हुआ। दोनो पक्षो के प्रमुख लोगो ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनो जनजातियां सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में सरकार के साथ सहयोग करने पर सहमत हुईं। समझौते के अनुसार, शांति समझौते का उल्लंघन करने वाले किसी भी पक्ष को 12 करोड़ रुपए तक का जुर्माना देना होगा।

अमेरिका-रूस कैदी अदला-बदली : पत्रकारों के भू-राजनीतिक सौदेबाजी में इस्तेमाल का जोखिम

सिडनी। एक अमेरिकी विमान में कैदियो की वापसी की तस्वीर, जिनके चेहरों पर लंबी मुस्कुराहट है, सब कुछ कहती है: खुशी, राहत और एक अविश्वसनीय रूप से जटिल मिशन की सफलता। वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच, रेडियो फ्री यूरोप के पत्रकार अलसु कुर्माशेवा, पूर्व अमेरिकी मरीन पॉल व्हेलन और कई अन्य लोगो की रिहाई शीत युद्ध की समाप्ति के बाद सबसे बड़ी कैदी अदला-बदली है।कुल मिलाकर, सात अलग-अलग देशों के 26 लोगों को एक बेहद जटिल समझौते के तहत रिहा किया गया, जिस पर बातचीत करने मे कई साल लग गए। उनमें रूस मे कैद 16 लोग शामिल थे: तीन अमेरिकी, कई रूसी राजनीतिक कैदी, और एक 19 वर्षीय रूसी-जर्मन नागरिक जो रूसी सैन्य अड्डे की तस्वीरें लेने के कारण जेल में बंद था।बदले में, आठ रूसियो को भी रिहा कर दिया गया - उनमें से सबसे कुख्यात, वादिम क्रासिकोव, संघीय सुरक्षा सेवा में एक कर्नल था, जिसे 2019 में बर्लिन मे एक पूर्व चेचन विद्रोही की हत्या करने पर जर्मनी में जेल में डाल दिया गया था।अन्यायपूर्ण तरीके से कैद किए गए लोगों के लिए स्वतंत्रता निर्विवाद रूप से अद्भुत खबर है, भले ही इसमें बहुत देर हो चुकी हो, और बाइडेन प्रशासन सौदे पर बातचीत के दौरान की गई मेहनत के लिए श्रेय का हकदार है।

फोरेंसिक विशेषज्ञ बताते हैं शव परीक्षण में क्या होता है

सिडनी। कभी-कभी यह स्पष्ट नही होता कि किसी व्यक्ति की मृत्यु कैसे और क्यों हुई। मृत्यु के बाद शरीर की विस्तृत जांच, जिसे शव परीक्षण या पोस्टमॉर्टम के रूप में जाना जाता है, इस प्रश्न का उत्तर खोजने मे मदद कर सकती है। आपने टीवी क्राइम शो में जो देखा होगा, उसके बावजूद अधिकांश शव-परीक्षाएँ ज्यादा कांट-छांट किए बिना होती हैंअ अधिकतर अवलोकन प्रक्रिया के दौरान शरीर प्राय: अक्षुण्ण रहता है।हालाँकि, कभी-कभी अधिक विस्तृत जाँच की आवश्यकता होती है।शव परीक्षण में शामिल सभी लोगो द्वारा इस प्रक्रिया के प्रतएक चरण मे मृतक की गरिमा और सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है।सभी शवों का परीक्षण नही होता- यदि किसी की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से होती है, संदिग्ध परिस्थितियों का कोई सबूत नही है या कोई हालिया चिकित्सा इतिहास है, तो मृत्यु को डॉक्टर द्वारा प्रमाणित किया जाता है। फिर व्यक्ति को अंतिम संस्कार सेवा तक ले जाया जाता है।लेकिन जब मौत के बारे में सवाल बने रहते हैं, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, तकनीशियन और सहायक कर्मचारी आगे की जांच कर सकते है। कभी-कभी इसमे शव-परीक्षा शामिल होती है।

कई जख्मों पर मरहम लगा गई हॉकी की यह जीत

● पेरिस ओलंपिक

● मैदान पर आस्ट्रेलिया को हराकर खुशी से झूमा भारत

भाषा। पेरिस

भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में जब बेल्जियम और आस्ट्रेलिया के साथ पूल मिला तो इसे पूल ऑफ डैथ कहा गया। लाजमी भी था क्योंकि मौजूदा पीढ़ी ने तो कभी ओलंपिक में आठ बार की चैम्पियन भारत को आस्ट्रेलिया से जीतते देखा ही नहीं था। लेकिन पेरिस ओलंपिक के आखिरी पूल मैच में मिली 3 -2 से जीत ने पिछले 52 साल के इंतजार को ही खत्म नहीं किया बल्कि कई अहम मुकाबलों में शर्मनाक हार से मिले जख्मों पर भी मरहम लगा दिया। इसी आस्ट्रेलिया ने भारत को उसकी धरती पर 2010 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में 8–0 से हराया था तो दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों का दिल टूट गया था। बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जब आस्ट्रेलिया ने 7–0 से जीत दर्ज की तो दिल्ली की यादें ताजा हो गई। इससे पहले तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से पहले पूल मैच में भारत को आस्ट्रेलिया ने 7 –1 से हराया था। गोलकीपर पी आर श्रीजेश , कप्तान हरमनप्रीत सिंह , मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत 11 खिलाड़ी तोक्यो में उस टीम में थे और आज पेरिस में उन्होंने राहत की सांस ली होगी। ओलंपिक के इतिहास की बात करें तो भारत इस मैच से पहले 11 मैचों में सिर्फ तीन बार आस्ट्रेलिया को हरा सका था और सिडनी ओलंपिक 2000 में पूल मैच 2 . 2 से ड्रॉ खेला था। वहीं विश्व कप में भारत को आस्ट्रेलिया पर एकमात्र जीत 1978 में ब्यूनस आयर्स में मिली है। पांच सितंबर 1960 को रोम ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल मैच में 84वें मिनट में रघबीर सिंह भोला के गोल के दम पर भारत ने आस्ट्रेलिया को हराया था। फाइनल में भारतीय टीम पाकिस्तान से एक गोल से हार गई थी। इसके बाद 1964 में तोक्यो खेलों में प्रीतपाल सिंह के दो और मोहिंदर लाल के एक गोल की मदद से भारत ने सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को 3 .। से शिकस्त दी थी। इस बार फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता। वहीं 1972 के म्युनिख ओलंपिक में भारत ने पूल मैच में आस्ट्रेलिया को 3 .। से हराया और तीनों गोल मुखबैन सिंह ने दागे थे। भारत ने इन खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद से लगातार ओलंपिक में आस्ट्रेलियाई टीम का भारत पर दबदबा रहा। उसने 1968 मैक्सिको खेलों में भारत को सेमीफाइनल में, 1976 मांट्रियल खेलों में पूल चरण में, 1984 लॉस एंजिलिस , 1992 बार्सीलोना, 2004 एथेंस और 2021 तोक्यो खेलों में भारत को पूल चरण में हराया। इसके अलावा 1976 और 2000 ओलंपिक में मुकाबले ड्रॉ भी रहे। पेरिस ओलंपिक में भारत का आगे का सफर कैसा रहता है , यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन इस जीत को भारतीय हॉकी के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। विरोधी के रसूख से डरे बिना बेखौफ खेलने वाले युवा खिलाड़ियों को , अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे महान गोलकीपर को, मोर्चे से अगुवाई करने वाले कप्तान को और खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने वाले कोच को भी।

नौकायन की पुरुष एकल स्कल्स में भारत के बलराज पंवार 23वें स्थान पर

पेरिस। भारतीय नौकायन खिलाड़ी बलराज पंवार ने शुक्रवार को यहां फाइनल डी में पांचवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में अपने अभियान का अंत 23वें स्थान के साथ किया। हरियाणा के 25 साल के बलराज ने फाइनल डी में सात मिनट 2.37 सेकेंड का समय लिया जो मौजूदा खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह हालांकि पदक दौर नहीं था। पेरिस ओलंपिक की नौकायन स्पर्धा में भारत के एकमात्र प्रतिभागी बलराज क्वार्टर फाइनल रेस में पांचवें स्थान पर रहे थे। रविवार को रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहते हुए बलराज ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। शनिवार को पहले दौर की हीट में चौथे स्थान पर रहते हुए वह रेपेचेज में पहुंचे थे। फाइनल ए में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ियों को पदक मिलता है।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	13	7	7	27
अमेरिका	9	17	15	41
ब्रिटेन	9	8	8	25
फ्रांस	8	11	10	29
ऑस्ट्रेलिया	8	6	5	19
जापान	8	3	6	17
दक्षिण कोरिया	7	4	4	15
इटली	5	8	4	17
नीदरलैंड	4	2	2	8
कनाडा	3	2	4	9
भारत	0	0	3	3

अल्काराज

पेरिस ओलंपिक में आठवें दिन भारत का कार्यक्रम

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में आठवें दिन शनिवार को भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है। निशानेबाजी : महिला स्कीट क्वालीफिकेशन (पहला दिन) : रेइजा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान : दोपहर 12.30, महिला 25 मीटर पिस्टल (फाइनल) : मनु भाकर (दोपहर एक बजे), तीरंदाजी : महिला व्यक्तिगत,पेरिस, दो अगस्त (भाषा) पेरिस ओलंपिक में आठवें दिन शनिवार को भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है। निशानेबाजी : महिला स्कीट क्वालीफिकेशन (पहला दिन) : रेइजा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान : दोपहर 12.30, महिला 25 मीटर पिस्टल (फाइनल) : मनु भाकर (दोपहर एक बजे), तीरंदाजी : महिला व्यक्तिगत (1/8 एलिमिनेशन) : दीपिका कुमारी बनाम मिशेले क्रोपेन (जर्मनी) , , दोपहर। . 52 बजे , महिला व्यक्तिगत (1/8 एलिमिनेशन) : भजन कौर बनाम डियांडा चोइरूनिसा (इंडोनेशिया),दोपहर 2 . 05 बजे। , पाल नौकायन :महिला डिंगी (रेस पांच): नेत्रा कुमानन - दोपहर 5 . 55 बजे ,महिला डिंगी (रेस छह): नेत्रा कुमानन - शाम 7 . 03 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस पांच): विष्णु सरवनन - दोपहर 3 . 45 बजे ,पुरुष डिंगी (रेस छह): विष्णु सरवनन - दोपहर 4 . 53 बजे , मुक्केबाजी : पुरूष वेल्टरवेट (क्वार्टर फाइनल) : निशांत देव बनाम मार्को वेरडे (मैक्सिको) : रात 12 . 18 बजे।

मेडले रेस के बाद तैराक तमारा पोटोस्का गिर पड़ी

नैनटेरे (फ्रांस)। तैराक तमारा पोटोस्का पेरिस ओलंपिक मे महिलाओं की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले की क्वालीफाइंग हीट के बाद शुक्रवार सुबह पूल के किनारे गिर गईं। उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद स्ट्रेचर पर वहां से ले जाया गया।स्लोवाकिया की पोटोस्का को चिकित्सा देखभाल के लिए ले जाते समय ऑक्सीजन मास्क पहने देखा गया। पूल के चिकित्सा कर्मियो ने कहा कि वह होश में थी।तरणताल से बाहर निकलते ही वह गिर पड़ी और उसी समय लगभग छह चिकित्सा सहायकों ने उसे घेर लिया, जिन्होंने लगभग एक मिनट के बाद उसे स्ट्रेचर पर लिटाया और पूल डेक से बाहर ले गए।

ओलंपिक में तीन माताओं ने नौकायन में पदक जीतकर बच्चों के साथ मनाया जश्न

पेरिस। पेरिस ओलंपिक मे तीन माताओ के लिए नौकायन स्पर्धा मे पदक जीतने के बाद अपने बच्चो के साथ जश्न मनाना बेहद खास रहा। ब्रिटेन की अनुभवी हेलेन ग्लोवर और न्यूजीलैंड की लुसी स्पूर्स तथा बुक फ्रांसिस बच्चे को जन्म देने के दो साल से भी कम समय के अंदर ओलंपिक पदक जीतने में सफल रही।स्पूर्स तथा फ्रांसिस की जोड़ी ने महिला युगल स्कल्स मे स्वर्ण पदक जीता, जबकि तीन बच्चों की मां ग्लोवर महिला फोर स्पर्धा मे रजत पदक हासिल करने मे सफल रही। स्पूर्स और फ्रांसिस के जीत दर्ज करने के तुरंत बाद दर्शकदीर्घा मे बैठे अपने बच्चो को गोद में उठा लिए।फ्रांसिस ने कहा, मैने उन्हे स्टैंड मे देखा और उन्हे गले लगाने मे भी कामयाब रही। मुझे लगता है कि वे अपनी मां के वापस आने का इंतजार कर रहे थे।

अब तक कोई आतंकी खतरे का पता नहीं लगा, फ्रांस के मंत्री ने कहा

पेरिस। फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड दरमानिन ने शुक्रवार को कहा कि अधिकारियों ने ओलंपिक खेलों के पहले हफ्ते मे किसी भी आंतकी खतरे का पता नही लगाया है, हालांकि इस दौरान विभिन्न अपराधो के लिए सुरक्षा बलो ने लगभग 200 लोगो को गिरफ्तार किया है। दरमानिन ने पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के बारे मे पहला आधिकारिक आंकड़ा जारी किया।

मनु पूरी कर सकती है पदकों की तिकड़ी

● 25 मीटर महिला पिस्टल स्पर्धा के फाइनल मे, ईशा बाहर

भाषा। शेटराउ (फ्रांस)

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के लिए अभूतपूर्व तीसरे पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को यहां निशानेबाजी की 25 मीटर महिला पिस्टल स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया लेकिन ईशा सिंह प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। अनंतजीत सिंह नरूका पुरुष स्कीट क्वालीफिकेशन के पहले दिन खराब शुरुआत के बाद 30 निशानेबाजों के बीच 26वें स्थान पर हैं। मनु ने प्रिसिजन में 294 और रेपिड में 296 अंक के साथ कुल 590 अंक जुटाकर क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। मनु ने प्रिसिजन दौर में 10–10 निशानों की तीन सीरीज में क्रमश: 97, 98 और 99 अंक जुटाए। रेपिड दौर में उन्होंने तीन सीरीज में 100, 98 और 98 अंक हासिल किए। हंगरी की मेजर वेरोनिका ने 592 अंक के साथ ओलंपिक के क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ईशा प्रिसिजन में 291 और रेपिड में 290 अंक के साथ कुल 581 अंक जुटाकर 18वें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना सकीं।

उन्होंने प्रिसिजन की पहली दो सीरीज में 95 और 96 अंक जुटाने के बाद 100 अंक के साथ जोरदार वापसी की लेकिन रेपिड दौर में 97, 96 और 97 अंक ही जुटा सकीं। इस स्पर्धा का फाइनल शनिवार तीन अगस्त को खेला जाएगा। क्वालीफिकेशन के प्रिसिजन दौर के बाद मनु और ईशा क्रमश: तीसरे और 10वें स्थान पर थे। प्रिसिजन दौर में शीर्ष दो स्थान पर रहीं वेरोनिका और फ्रांस की कैमिली जेद्रेजेवस्की ने भी मनु के समान 294 अंक जुटाए लेकिन दोनों ने एक्स (लक्ष्य का केंद्र) पर अधिक निशाने लगाकर पहले दो स्थान पर कब्जा जमाया। मनु ने एक्स पर सात निशाने साधे जबकि वेरोनिका और कैमिली ने क्रमश: 15 और 13 बार ऐसा किया। मनु ने पेरिस खेलों में व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग में भी कांस्य पदक जीता। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं ।दूसरी तरफ पुरुष स्कीट क्वालीफिकेशन के पहले दिन 25–25 निशानों की तीन सीरीज में अनंतजीत 23, 22 और 23 अंक के साथ कुल 68 अंक ही जुटा सके ।अनंतजीत ने पहली सीरीज में दो निशाने चूके। वह दूसरी सीरीज में तीन निशाने चूक गए जबकि तीसरी सीरीज में एक बार फिर वह दो निशाने चूके जिससे काफी पिछड़ गए।

जूडोका तूलिका मान पहले दौर में हार के साथ बाहर

पेरिस। भारतीय जूडो खिलाड़ी तूलिका मान पेरिस ओलंपिक की महिलाओं की 78 किग्रा से अधिक स्पर्धा के पहले दौर में शुक्रवार को यहां लंदन ओलंपिक की चैंपियन क्यूबा की इडेलिस ओर्टिज के खिलाफ शिकस्त के साथ बाहर हो गईं। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता दिल्ली की 22 साल की तूलिका को क्यूबा की खिलाड़ी के खिलाफ इप्पोन से 0-10 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। क्यूबा की खिलाड़ी के नाम चार ओलंपिक पदक हैं जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। ओर्टिज के खिलाफ तूलिका सिर्फ 28 सेकेंड की मुकाबले में टिक सकी।तूलिका की हार के साथ जूडो में भारत का अभियान खत्म हो गया क्योंकि वह पेरिस खेलों में इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी थी। इप्पोन दांव में जुडो खिलाड़ी अपने विरोधी को मैट पर काफी ताकत और गति से उसकी पीठ के बल गिराता है। इप्पोन तब दिया गया है जब कोई खिलाड़ी विरोधी को 20 सेकेंड तक अपनी गिरफ्त में रखता है या फिर विरोधी खिलाड़ी हार मान लेता है।

धीरज-अंकिता के तीर कांस्य से चूके

भाषा। पेरिस

भारत के धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत पेरिस ओलंपिक में मिश्रित युगल तीरंदाजी में शुक्रवार को पदक से चूक गए जिन्हें कांस्य के पदक मुकाबले में अमेरिका की कैसी कॉफहोल्ड और ब्रैडी एलिसन की जोड़ी ने 6 . 2 से हराया। धीरज और अंकिता की पांचवीं वरीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के बावजूद किम वूजिन और लिम सिहियोन की दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीय जोड़ी से 2–6 से हारने से कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंची थी। अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसमें उन्होंने पहले दो सेट गंवा दिए। भारतीय तीरंदाजों ने तीसरा सेट जीतकर वापसी की उम्मीद जगाई लेकिन कैसी और ब्रैडी की जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और 38–37, 37–35, 34–38, 37–35 से कांस्य पदक जीत लिया। इससे पहले धीरज और अंकिता को दक्षिण कोरियाई जोड़ी से 38–36, 35–38, 36–38, 38–39 से हार झेलनी पड़ी ।धीरज और अंकिता ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 38–36 से जीता। लिम ने आठ और 10 अंक के साथ शुरुआत की जबकि किम ने दोनों बार नौ अंक जुटाए। धीरज ने अपने दोनों निशाने 10 अंक पर लगाकर जीत सुनिश्चित की।

पदक की ओर लक्ष्य, सेमीफाइनल में

भाषा। पेरिस

लक्ष्य सेन ने एक गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीनी ताइपै के चोउ तिएन चेन को रोमांचक मुकाबले में हराकर पेरिस ओलंपिक पुरूष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वह ओलंपिक में पुरूष एकल अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बने। अलमोड़ा के बाईस वर्ष के विश्व चैम्पियनशिप 2021 कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 75 मिनट तक चले कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 2022 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता चेन को 19–21, 21–15, 21–12 से हराया। पी वी सिंधू और सात्विक

साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी के हारने के बाद अब पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में सारी उम्मीदें लक्ष्य पर टिकी हैं। भारत के लिए ओलंपिक में महिला एकल बैडमिंटन में साइना नेहवाल (2012) कांस्य, रजत (2016) और कांस्य (2020) जीत चुकी हैं। राष्ट्रमंडल चैम्पियन लक्ष्य का सामना अब 2021 के विश्व चैम्पियन सिंगापुर के लोह कीन यू और ओलंपिक चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलेसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। भारत के लिए ओलंपिक बैडमिंटन पुरूष एकल स्पर्धा में पारूपल्ली कश्यप 2012 लंदन ओलंपिक में और किदाम्बी श्रीकांत 2016 रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। जीत के बाद लक्ष्य ने कहा , यह ऐसा ही कुछ था जिसका मैने सपना देखा था। बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा , अभी बहुत काम बाकी है। अब असली परीक्षा है।

भारत-श्रीलंका का पहला वनडे टाई

● दोनो टीमों ने बनाए 230 रन

कोलंबो। कप्तान रोहित शर्मा (58 रन) द्वारा दिलाई गई तेज शुरूआत के बावजूद भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को यहां पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच टाई रहा ।श्रीलंका का शीर्ष क्रम भारत की सटीक गेंदबाजी के सामने चरमरा गया लेकिन सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (56 रन) और निचले क्रम में दुनिथ वेलालागे (नाबाद 67 रन) के संयमित अर्धशतकों की मदद से मेजबान टीम ने आठ विकेट पर 230 रन बनाए ।इसके जवाब में पूरी भारतीय टीम श्रीलंका के स्पिनरों के सामने 47.5 ओवर में 230 रन के स्कोर पर सिमट गई जिससे मैच टाई रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ की याद में भारतीय क्रिकेटर बांह पर काली पट्टी बांधकर खेले। गायकवाड़ का बुधवार को निधन हो गया। वह रक्त कैंसर से पीड़ित थे। श्रीलंका के स्पिनरों ने वानिंदु हसारंगा की अगुआई में रन गति पर लगाम कसते हुए लगातार अंतराल पर विकेट झटके। हसारंगा ने 58 रन देकर तीन, कप्तान चरिथ असालंका ने 30 रन देकर तीन और दुनिथ वेलालागे ने 39 रन देकर दो विकेट झटके। अकिला धनंजय ने 40 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। रोहित और शुभमन गिल (16 रन) ने पहले विकेट के लिए 76 गेंद में 75 रन की साझेदारी करके भारत को अच्छी शुरूआत कराई। लेकिन वेलालागे ने गिल को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराकर भारत का पहला विकेट झटका।

स्कोरबोर्ड

श्रीलंका : निसांका पगबाधा बो वाशिंगटन सुंदर 56,फर्नांडो का अर्शदीप बो सिराज 01,मेंडिस पगबाधा बो दुबे 14,समरविक्रमा का गिल बो पटेल 08, असालंका का रोहित बो कुलदीप 14, लियानागे का रोहित बो पटेल 20, वेलालागे नाबाद 67,हसारंगा का पटेल बो अर्शदीप 24, धनंजय का सुंदर बो अर्शदीप 17,शिराज नाबाद 01,अतिरिक्त : 08,**कुल** : 50 ओवर मे आठ विकेट पर 230 रन,**विकेट पतन** :1-7, 2-46-, 3-60, 4-91, 5-101, 6-142, 7-178, 8-224 **गेंदबाजी** : सिराज 8-2-36-1,अर्शदीप 8-0-47-2,पटेल 10-0-33-2, दुबे 4-0-19-1,यादव 10-0-33-1,सुंदर 7-1-38-1,गिल 1-0-14-0

भारत : रोहित पगबाधा बो वेलालागे 58, गिल का मेंडिस बो वेलालागे 16,कोहली पगबाधा बो हसारंगा 24,सुंदर पगबाधा बो धनंजय 05,अय्यर बो असिथा फर्नांडो 23, राहुल का वेलालागे बो हसारंगा 31,पटेल का मेंडिस बो असालंका 33,दुबे पगबाधा बो असालंका 25,यादव बो हसारंगा 02, सिराज नाबाद 05,अर्शदीप पगबाधा बो असालंका 00,**अतिरिक्त** : 08,**कुल** : 47.5 ओवर मे 230 रन पर सभी आउट ,**विकेट पतन** :1-75, 2-80-, 3-87, 4-130, 5-132, 6-189, 7-197, 8-211, 9-230,**गेंदबाजी** : फर्नांडो 6-1-34-1,शिराज 4-0-25-0, वेलालागे 9-1-39-2,धनंजय 10-0-40-1,हसारंगा 10-0-58-3, असालंका 8.5-0-30-3

17 पदक के साथ यूपी वुशू टीम रही तीसरे स्थान पर

लखनऊ। 23वी राष्ट्रीय वुशू में प्रदेश ने 3 स्वर्ण,4 रजत और 10 कांस्य समेत कुल 17 पदक हासिल किया। इसी के साथ प्रदेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया । स्वर्ण पदक– तनिष नाग, गौतम, प्रांशु, गौतम अनिरुद्ध चौधरी, रजत पदक–गरि्मा,मेघा,,अनुष्टा गौतम, कांस्य पदक– खुश,फुरंद ,कृष, प्रकाश सेठ,अंश सहाय, प्रशांत ने सफलता प्राप्त की। मनिष कक्कड़ ने विजेताओं को बधाई दी।

पैरामाउंट क्लब की जीत में चमके कामरान

लखनऊ। दीपक त्रिपाठी 54के अर्धशतक और मोहम्मद कामरान सिद्दीकी 4 विकेट की उपयोगी गेंदबाजी से पैरामाउंट क्लब ने पांचवीं श्रीपाल सिंह स्मारक टी20 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में लाइफ केयर क्लब को 27 रन से हराया। पार्थ रिपब्लिक ग्राउंड पर पैरामाउंट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 158 रन का स्कोर बनाया। दीपक त्रिपाठी 54 रन जड़ा। जवाब में लाइफ केयर क्लब निर्धारित ओवर में 9 विकेट पर 131 रन ही बना सका। अतुल सिंह नाबाद 42, हरिओम शर्मा व राहुल यादव 27–27 और ओम प्रकाश कश्यप 23 ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। पैरामाउंट क्लब से कामरान सिद्दीकी ने 19 रन देकर चार विकेट चटकाए। महिपाल सिंह को 3 जबकि प्रदीप तिवारी को एक विकेट मिला। कामरान सिद्दीकी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

बप्पा मेमोरियल सेवन ए. साईंड कॉलेज फुटबॉल 11 से

लखनऊ। बप्पा श्री नारायण मेमोरियल सेवन ए. साईड कॉलेज फुटबॉल तियोगिता 2024 19 वर्षीय बालक वर्ग का आयोजन 1 अगस्त 2024 को बप्पा जी की जयंती के अवसर पर गत वर्षों के भांति इस वर्ष भी बीएसएनवी इंटर कॉलेज चारबाग के खेल मैंदान पर किया जायेगा। पांच दिन होने वाले नॉक आउट प्रतियोगिता में 19 वर्षीय बालक वर्ग की कॉलेज व स्कूल की टीम प्रतिभाग करेंगीं। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक कॉलेज व स्कूल अधिक जानकारी हेतु आलोक भारद्वाज 9125389142 व् धर्मेन्द्र कुमार 9919008005 के फ़ेन नम्बर पर संपर्क कर सकते है ।

क्विक न्यूज

कार्लोस अल्काराज पेरिस ओलंपिक पुरुष टेनिस एकल फाइनल में पहुंचे

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-1, 6-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक की पुरुष टेनिस एकल स्पर्धा के फाइनल मे प्रवेश किया। इससे वह ओलंपिक की टेनिस स्पर्धा का एकल स्वर्ण पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने से महज एक जीत दूर है। अब उनका सामना सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच और इटली के लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिलाओं का एकल फाइनल शनिवार को होगा जिसमें चीन की झेंग क्विनवेन का सामना डोना वेक्चि से होगा।

मैं खेल जारी रखूंगी, थोड़े समय के ब्रेक के बाद: सिंधू

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने शुक्रवार को कहा कि वह ओलंपिक खेलों से प्री क्वार्टर फाइनल मे बाहर होने के बाद संक्षिप्त ब्रेक लेंगी क्योंकि वह अपने करियर की सबसे कड़ी हार में से एक से उबर रही है लेकिन उन्होने अपने आगे के सफर का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा किया।रियो ओलंपिक 2016 मे रजत और तोक्यो ओलंपिक 2020 मे कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी ही बिंग जियाओ से सीधे गेम मे हारने के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गईं। सिंधू ने एक्स पर पोस्ट किया, अपने भविष्य के बारे में मै स्पष्ट होना चाहती हूं: मै खेलना जारी रखूंगी, हालांकि थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मै आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूं और जिस खेल से मै बहुत प्यार करती हूं, उसे खेलने में ज्यादा आनंद ढूंढूंगी। उन्होंने लिखा, यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार मे से एक है। इसे स्वीकार करने मे समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मुझे पता है कि मै इसे स्वीकार कर लूंगी।

टी20 से अगर आक्रामक टेस्ट क्रिकेटर निकलेंगे तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी: सहवाग

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि टी20 क्रिकेट से अगर आक्रामक टेस्ट खिलाड़ी उभरता है तो उन्हें कोई शिकायत नही होगी क्योंकि ऐसे बल्लेबाज दर्शकों को स्टेडियम खीचने मे सफल होंगे। भारत के सबसे सफल टेस्ट सलामी बल्लेबाजो मे शामिल सहवाग को दिल्ली प्रीमियर लीग के शुरुआती सत्र का ब्रांड दूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि आप खेल के छोटे प्रारूप की तरफ आकर्षित होने का दोष युवाओ पर नही मढ़ सकते क्योंकि यह वित्तीय तौर व्यावहारिकता भी प्रदान करता है। सहवाग ने लीग से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा, इंग्लैंड जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है, पांच रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहा है। हमारे खेलने के दिनो मे ऑस्ट्रेलिया लगभग चार रन प्रति ओवर की दर से रन बनाता था। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि यदि आप आक्रमण कर सकते है तो आप अपनी टीम को टेस्ट मैच जीतने के अधिक मौके देते है। सहवाग से जब पूछा गया कि क्या जरूरत से ज्यादा टी20 लीग के आयोजन से युवा लाल गेंद प्रारूप से दूर हो रहे है तो उन्होने कहा, देखिए, मेरा बड़ा बेटा 17 साल का है और उसने दिल्ली अंडर 16 के लिए तीन दिवसीय क्रिकेट खेला है, लेकिन ऐसे बहुत से लड़के है जो उस मौके का इंतजार कर रहे होंगे। जब हम 18 साल के थे तो आईपीएल नही था। लेकिन, अब, एक युवा आईपीएल खेलने के बारे मे सोच सकता है, और डीपीएल आपको वह मौका प्रदान करेगा।

दिल्ली कैपिटल्स के मालिक हैम्पशर काउंटी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सहमत

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप ने इंग्लिश काउंटी टीम हैम्पशायर के साथ 120 मिलियन पाउंड (लगभग 1278 करोड़ रुपए) मे बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के समझौते पर सहमति व्यक्त की है।हैम्पशायर ऐसे मे किसी विदेशी इकाई के स्वामित्व वाली पहली काउंटी टीम बन जाएगी। इससे जीएमआर समूह के पास इस टीम के 51 प्रतिशत शेयरो पर नियंत्रण होगा। द टेलीग्राफ ने अपनी रिपोर्ट मे बताया, समझा जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स के मालिको ने आईपीएल के अपने प्रतिद्वंद्वी लखनऊसुपरजायंट्स की बोली को पछाड़ दिया। जीएमआर समूह के पास इसके साथ ही यूटिलिटा बाउल (हैम्पशायर मे क्रिकेट स्टेडियम), हिल्टन होटल और उसी स्थान पर एक गोल्फ कोर्स का भी नियंत्रण होगा।दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक होने के अलावा जीएमआर समूह के पास दुबई कैपिटल्स (आईएलटी20, यूएई) का स्वामित्व और मेजर लीग क्रिकेट (अमेरिका) की फ्रेंचाइजी सिएटल ऑर्कास मे भी हिस्सेदारी है।

फ्रिट्ज और पॉल की अमेरिकी जोड़ी से ओलंपिक युगल में हार के बाद एंडी मरे ने लिया संन्यास

पेरिस। ओलंपिक के पुरुष युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल मे हार के साथ ही ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे का शानदार पेशेवर करियर खत्म हो गया। वह इस खेल को अलविदा कहने के लिए जब कोर्ट पर उतरे तो उनकी आंखे नम थी। इस 37 साल के खिलाड़ी ने पहले ही कहा था कि 2024 ग्रीष्मकालीन खेल उनके लिए आखिरी पेशेवर मुकाबला होगा। उन्हें और उनके साथी डैन इवांस को गुरुवार रात कोर्ट सुजैन लेंगले मे टेलर फ्रिट्ज और टॉमी पॉल की अमेरिका की जोड़ी ने 6-2, 6-4 से हराया। ओलंपिक टेनिस एकल स्पर्धा दो बार के इकलौते स्वर्ण पदक ने कहा, मुझे पता था कि यह पल आने वाला है। यह अगर आज नही हुआ होता तो कुछ दिनो के बाद होने वाला था। मै इसके लिए तैयार था। जाहिर है, मै भावुक हूं क्योंकि यह आखिरी बार था जब मैने किसी प्रतिस्पर्धी मैच को खेला। मै वास्तव मे अभी खुश हूं।

मैं इस पीढी के लिए धनराज पिल्लै हूं , कहा श्रीजेश ने

पेरिस। अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे भारत के स्टार गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के आखिरी पूल मैच मे आस्ट्रेलिया पर मिली जीत के बाद कहा कि वह मौजूदा टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए धनराज पिल्लै है। छत्तीस वर्ष के श्रीजेश ने आस्ट्रेलिया पर ओलंपिक मे 52 साल बाद मिली जीत मे सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए कई गोल बचाए। श्रीजेश ने मैच के बाद कहा , मुझे इसके बारे मे पता नही था। आज पूरी टीम अच्छा खेली। डिफेंस सेंटर फॉरवर्ड से शुरू हो जाता है और मै आखिर मे आता हूं। आज सभी अच्छा खेले। उन्होंने कहा , मै इस टीम मे चौथी पीढी के साथ खेल रहा हूं। कुछ तो पैदा भी नही हुए थे जब मैने हॉकी खेलना शुरू किया। कुछ साल पहले लोग धनराज पिल्लै के लिए जीतना चाहते थे और अब मेरे लिए। मै इस पीढी के लिए धनराज पिल्लै हूं। मुझे और क्या चाहिए।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522–4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।